हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

23 मई, 1996

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

Haryana Vidhan Sabha Secretariat * Chandigarh
LIBRARY

विषय सूची

वीरवार, 23 मई, 1996

	पृष्ठ संख्या
राज्यपाल का अभिभाषण (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(2) 1
सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन	(2) 4
अध्यक्ष द्वारा सदन की मेज पर रखे गए कागज़ पत्र	(2) 5
अध्यक्ष द्वारा कर्नल राम प्रकाश दहिया, विधायक की मृत्यु संबंधी घोषणा	(2) 6
शोक प्रस्ताव	(2) 6
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	(2) 14
बैठक का समय निश्चित करना	(2) 22
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 22
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 36
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 36
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 47
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 48
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 59
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2) 59

मूल्य : 50 00

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

हरियाणा विधान सभा

बीरवार, 23 मई, 1996

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 10.10 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाषण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

MR. SPEAKER : In pursuance of rule 18 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly today the 23rd May, 1996 at 9.30 A.M. under Article 176(1) of the Constitution of India.

A copy of the Address is laid on the Table of the House.

आदरणीय अध्यक्ष महोदय एवं माननीय सदस्यगण,

मैं आप सबका इस सदन की पहली बैठक में स्वागत करता हूँ एवं नवनिर्वाचित सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में हरियाणावासियों ने अपनी राजनैतिक परिपक्वता का प्रमाण देते हुए राज्य में प्रजातान्त्रिक मूल्यों एवं आदर्शों के लिए स्पष्ट रूप से मत व्यक्त किया है। इसके लिए मैं राज्यवासियों को बधाई देता हूँ व उनका आभार प्रकट करता हूँ।

इन चुनावों के फलस्वरूप राज्य में एक नई सरकार सत्ता में आई है। इस चुनाव में मिला जनादेश, आदर्शगत राजनीति एवं क्षेत्रिय विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय अस्मिता एवं आर्थिक स्वावलम्बन के पक्षधर दो राजनैतिक शक्तियों के समन्वयन का परिचायक है। हरियाणावासियों ने नूतन सरकार में सहयोगी दोनों राजनैतिक शक्तियों के चुनाव घोषणा पत्रों में वर्णित नीतियों एवं कार्यक्रमों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की है। मेरी सरकार इन नीतियों एवं कार्यक्रमों को यथाशीघ्र लागू करके राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए कृत संकल्प है। मेरी सरकार परिणामों में विश्वास तो रखती ही है, साथ ही पारदर्शी एवं न्यायपूर्ण शासन-पद्धति को भी महत्व देती है। मेरी सरकार को मिला जनादेश व्यक्ति की स्वतन्त्रता, प्रजातान्त्रिक मूल्यों एवं द्रुत विकास के लिए अभिव्यक्ति है व मेरी सरकार शासन की मनमानी, राजनैतिक दुराचार, संकीर्ण राजनीति एवं व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए पद के दुरुपयोग के नितांत विरुद्ध है। यह चुनाव राज्य के प्रजातान्त्रिक परम्परा के विवर्तन में एक नये युग का प्रारम्भ है। हरियाणा के नागरिकों की आशाओं एवं आकांक्षाओं का मेरी सरकार स्वागत व आदर करती है।

माननीय सदस्यगण, इस नूतन सरकार ने चंद ही दिनों पहले बागडोर सम्भाली है व शीघ्र ही अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों को लागू करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करेगी एवं अपने घोषणा पत्रों के अनुसार आवश्यक कदम उठाएगी।

हरियाणा राज्य के गठन के बाद राज्य के विकास के लिए विशेष कार्यक्रम चलाए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप हरियाणा राज्य में काफी विकास हुआ है। लेकिन विकास के क्षेत्र में हमें और भी दूरी तय करनी है, जिसके लिए आज के परिप्रेक्ष्य में विकास की रणनीति को नया रूप देना है। आज भी कृषि राज्य की सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था का मूल है। कृषि के साथ-साथ सर्वांगीण विकास के लिए हमें विशेष रूप से आधारभूत संरचना बनानी पड़ेगी, जिससे कृषि व्यवसाय, उद्योग एवं आधुनिक तकनीक के सम्बन्ध से आर्थिक प्रगति में तेजी आए। हरियाणा के नई पीढ़ी के शिक्षित व अर्द्ध-शिक्षित युवाओं को रोज़गार के समुचित अवसर प्रदान करना ही मेरी सरकार का मुख्य लक्ष्य है।

[श्री अध्यक्ष]

मेरी सरकार उद्योग एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उदारीकरण के बारे में स्पष्ट मत रखती है। देश के अन्य भागों के तथा अन्तर्राष्ट्रीय उद्यमियों का हरियाणा में उद्योग व व्यावसायिक उद्यम आरम्भ करने के लिए स्वागत किया जाएगा। कुछ समय से प्रस्तावित "मॉडल इण्डस्ट्रियल टाऊनशिप" व अन्य औद्योगिक विकास केन्द्रों की स्थापना के बारे में भी मेरी सरकार सकारात्मक कार्यवाही करेगी। वाणिज्यिक क्षेत्र में मेरी सरकार कर प्रणाली को सुगम एवं सरल बनाने का प्रयास करेगी ताकि उद्यमियों को अनावश्यक प्रतिबन्ध व लालफीताशाही का सामना न करना पड़े। साथ ही सारे देश में कर प्रणाली एवं कर की दरें समरूप करने के लिए मेरी सरकार प्रयत्नशील रहेगी।

मेरी सरकार सामाजिक विसंगतियों के बारे में अपने उत्तरदायित्व के प्रति पूर्णरूप से जागरूक है। इसी उद्देश्य से मेरी सरकार ने मद्यपान की वजह से राज्य में, विशेषकर ग्रामीण समाज में, फैली अशान्ति व अपराध के वातावरण को सुधारने के लिए पहली जुलाई, 1996 से राज्य में मद्य निषेध लागू करने का निर्णय लिया है। इस सम्बन्ध में आवश्यक विधेयक आदि शीघ्र ही पारित किये जाएंगे। मुझे केवल आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह निर्णय राज्यवासियों के सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन को अधिक सुखमय बनाएगा। मेरी सरकार का यह दृढ़ निश्चय है कि मद्यनिषेध से होने वाली वित्तीय हानि से विकास की गति में कोई शिथिलता नहीं आएगी। शासन के अपव्यय को नियन्त्रित करके व राजस्व के नये स्रोत ढूंढकर मेरी सरकार अपनी आर्थिक क्षमता बनाए रखेगी।

समाज के विभिन्न पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए मेरी सरकार वचनबद्ध है। राजनैतिक स्वार्थ के लिए सामाजिक विभाजन की कुचेष्टा को हम निन्दनीय मानते हैं। हमारा यह प्रयास होगा कि राज्य के विकास में समाज के प्रत्येक वर्ग, जाति एवं धर्म के लोग हाथ बटाएं एवं सरकार की ओर से भी उनको समस्त क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के समुचित अवसर प्रदान किये जाएं। समाज के कुछ विशेष वर्ग जैसे कि वृद्धजन, विकलांग आदि के लिए चल रहे कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा करके इन वर्गों के लिए निर्दिष्ट सुविधाएं सम्मानजनक रूप से उन तक पहुंचाने के लिए मेरी सरकार कारगर कदम उठाएगी। इसी क्रम में राज्य के सभी वृद्धजनों एवं अन्य सामाजिक सुरक्षाओं के पात्र व्यक्तियों को प्रत्येक मास की सात तारीख तक राशि पहुंचाना शासन का दायित्व होगा।

मेरी सरकार संरचना निर्माण के क्षेत्र में सिंचाई, ऊर्जा, परिवहन एवं सड़क निर्माण को प्राथमिकता देती है। सिंचाई के लिए हरियाणा राज्य मुख्यतः यमुना व सतलुज के पानी पर निर्भर करता है। किन्तु सतलुज-यमुना सम्पर्क नहर का निर्माण पूरा न होने की वजह से हरियाणा के हिस्से के अनुसार रावी-ब्यास नदियों का पानी राज्य के किसानों को नहीं मिल पा रहा है। मेरी सरकार को यह विश्वास है कि सतलुज-यमुना लिंक नहर के निर्माण से सम्बन्धित विवाद का शीघ्र समाधान होगा। इस सम्बन्ध में सभी सम्भावनाओं पर मेरी सरकार विचार कर रही है। राज्य के लिए गंगा नदी से सिंचाई की व्यवस्था के लिए भी मेरी सरकार केन्द्र से आग्रह करेगी। साथ ही साथ छोटे सिंचाई प्रकल्पों के माध्यम से वर्षा जल के भण्डारण व कृषि के लिए उपयोग पर भी विशेष बल दिया जाएगा। मेरी सरकार जल संसाधन के संरक्षण एवं समुचित उपयोग के लिए चल रहे कार्यक्रमों को निष्ठा से लागू करेगी।

राज्य के विकास का ऊर्जा की उपलब्धता से सीधा सम्बन्ध है। कृषि उद्योग एवं वाणिज्यिक क्षेत्र में ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ती जा रही है। विकास के साथ-साथ राज्य के नागरिकों के दैनिक जीवन में भी ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ी है। लेकिन बढ़ती हुई मांग के साथ बिजली की उत्पादन क्षमता में आशानुरूप वृद्धि नहीं हुई। राज्य के प्रत्येक नागरिक को दिन में 24 घण्टे बिजली की आपूर्ति करना मेरी सरकार की एक विशेष प्राथमिकता है। मेरी सरकार ने स्वल्पावधि में ही विभिन्न स्रोतों से बिजली क्रय करके राज्य की

मांग को पूरा करने के लिए कुछ कदम उठाएं हैं। सभी प्रस्तावित बिजली उत्पादन प्रकल्पों पर कार्य शुरू करवाने के लिए यथासम्भव कदम उठाए जाएंगे। मेरी सरकार द्वारा बिजली आबंटन प्रणाली एवं राज्य बिजली बोर्ड की आर्थिक व्यवस्था को सुधारा जाएगा एवं इस क्षेत्र में सरकार की प्राथमिकताओं की परिसीमाओं में ही निजी क्षेत्र के योगदान को बढ़ावा दिया जाएगा।

पिछले वर्ष की बाढ एवं अन्य कारणों से राज्य की सड़क प्रणाली चरमरा गई थी। हरियाणा की भौगोलिक स्थिति की वजह से यह एक महत्वपूर्ण राज्य है जो उत्तर भारत के अन्य राज्यों तथा राजधानी दिल्ली के बीच सम्पर्क के रूप में है। हमें अपनी निजी आवश्यकता के लिए तथा हमारे पड़ोसी राज्यों के परिवहन के लिए भी सड़क व्यवस्था को आधुनिकतम व उत्तम बनाना होगा। राज्य की परिवहन व्यवस्था को भी और सुदृढ़ करके उसकी गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए मेरी सरकार अति शीघ्र ही कारगर कदम उठाएगी।

मेरी सरकार केन्द्र एवं पड़ोसी राज्यों से मधुर सम्बन्ध बनाए रखना चाहती है। पड़ोसी राज्य पंजाब के साथ सिंचाई जल के मामले में कुछ समय से हमारा मतभेद रहा है। लेकिन मेरी सरकार को विश्वास है कि इस मतभेद को वह आपसी सौहार्द से दूर कर पाएगी। ऐसे ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली को जल आपूर्ति के बारे में भी मेरी सरकार का मत स्पष्ट है। इस सम्बन्ध में यमुना जल से लाभान्वित सभी राज्यों से वार्तालाप करके संतोषजनक समाधान ढूंढने के लिए मेरी सरकार प्रयास करेगी।

जल संसाधन व जल निकास की समुचित व्यवस्था न होना ही राज्य में बाढ के मुख्य कारण हैं। मेरी सरकार बाढ़ की रोकथाम के लिए एक ठोस योजना बनाएगी। विकास के साथ-साथ राज्य में कई प्राकृतिक एवं मानवकृत आपदाओं की सम्भावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसी आपदाओं का सामना करने के लिए भी मेरी सरकार उचित कदम उठाएगी।

संविधान के 73वें व 74वें संशोधन की वजह से राज्य में पंचायतीराज एवं शहरी स्वायत्त शासन संस्थाओं का विस्तार हुआ है। मेरी सरकार इन संस्थाओं को सही रूप से प्रभावशाली बनाने के लिए उनकी कार्य-परिधि में एवं वित्तीय स्वायत्तता के लिए प्रयत्न करेगी।

मेरी सरकार ने पंजाबी को राज्य में दूसरी भाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया है। इस मामले में आगामी कार्यवाही शीघ्र की जाएगी।

मेरी सरकार अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर पूरा विश्वास रखती है व उनसे सहयोग की अपेक्षा करती है। सरकारी कर्मचारियों की युक्तिसंगत आकाक्षाओं पर जहां मेरी सरकार सहानुभूतिपर्वक विचार करेगी, वहां उसे यह भी आशा है कि कर्मचारी वर्ग भी राज्य के विकास के लिए अपने-अपने क्षेत्र में सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों को लागू करने के लिए निष्ठापूर्वक एवं शुद्ध अन्तःकरण से योगदान देगा।

मेरी सरकार यह समझती है कि राज्य के उच्च पदों पर आसीन व्यक्ति अपने कार्यकलाप के बारे में पूर्णरूप से जवाबदेह हों ताकि सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता एवं आदर्श परम्पराओं का विकास हो सके। इस उद्देश्य से मेरी सरकार राज्य में लोकपाल की नियुक्ति करेगी जो सर्वोच्च पदों पर लगे व्यक्तियों पर भी निगरानी रखेगा। इस विषय में आवश्यक कानून शीघ्र बनाया जाएगा।

माननीय सदस्यगण, मैंने अपने संक्षिप्त अभिभाषण में नई सरकार की नीति सम्बन्धी दृष्टिकोण को आपके सम्मुख प्रस्तुत किया है। मुझे आशा है कि यह अभिभाषण इस गरिमामय सदन में परिचर्चा का ठोस आधार बनेगा। मैं कामना करता हूँ कि आप जनादेश अनुसार राज्य में सामाजिक एवं आर्थिक विकास का नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे। मेरी शुभ कामनाएं सदैव आपके साथ हैं।

[श्री अध्यक्ष]

मैं सदन के इस प्रथम सत्र की सफलता की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!

सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन

SHRI BIRENDER SINGH : Sir, I have to make a submission because we have yet to receive the report of the Business Advisory Committee. I think there is no Business Advisory Committee constituted by you so far. But the impression which has gone is that tomorrow you would be discussing the Governor's Address and the Leader of the House has also to reply tomorrow itself. So, Sir, my submission is that after making obituary references which are on the agenda, if you can devote two or three hours on discussion on Governor's Address today then we may not sit for longer time tomorrow. This is my submission, Sir. If the leader of the House agrees to this proposal, it would be in the interest of the House for a threadbare discussion on the Governor's Address.

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, अगर पहले भी ऐसी कन्वैंशन रही है तो इसमें मुझे कोई एतराज नहीं है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं भी निवेदन करूंगा कि शोक प्रस्ताव समाप्त होने के बाद हमारे पास काफी समय बचेगा। इसलिए यदि आप गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर कल चर्चा करके हाउस एडजर्न करना चाहते हैं तो आज भी उस पर चर्चा हो जाए तो वह ठीक रहेगा। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आज भी कुछ माननीय सदस्य अपने विचार प्रकट कर लेंगे और कुछ माननीय सदस्य कल बोल लेंगे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर पहले ऐसी कन्वैन्शन रही है तो मुझे इसमें कोई एतराज नहीं है। I have no objection.

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अच्छी प्रथा कभी भी डाली जा सकती है, यह कोई बुरी बात नहीं है। शोक प्रस्ताव के बाद हमारे पास काफी समय है इसलिए कुछ माननीय सदस्यों को गवर्नर एड्रैस पर बोलने के लिए आज समय मिल जाएगा और कुछ को कल मिल जाएगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो यही कह रहा हूँ कि अगर पहले ऐसी कन्वैंशन रहीं है तो इसमें मुझे कोई एतराज नहीं है।

श्री अध्यक्ष : अब तक ऐसी कोई कन्वैंशन नहीं रही। हमारे एक सिटिंग एम०एल०ए० की डैथ हो गई है इसलिए शोक प्रस्ताव के बाद सदन एडजर्न होना चाहिए। पहले ऐसी कोई कन्वैंशन नहीं रही है कि शोक प्रस्ताव के बाद गवर्नर एड्रैस पर बहस कराई गई हो।

SHRI BIRENDER SINGH : Sir, you are the custodian of the voice of the members and if the House is one on this question and the Leader of the House agrees to our proposal, then you can grant permission for this discussion.

श्री बंसी लाल : मुझे कोई एतराज नहीं है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रैस पर बहस होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी हमारे एक सिटिंग एम०एल०ए० का देहान्त हो चुका है इसलिए आज हाउस शोक प्रस्ताव के बाद एडजर्न होना ही चाहिए।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, एक सिटिंग एम०एल०ए० का देहान्त हो गया उसका हमें भी बड़ा अफसोस है, बड़ा दुख है लेकिन मैं यह भी कहना चाहूँगा कि अगर एक सिटिंग एम०एल०ए० का देहान्त हो गया है तो आज सदन मिलना ही नहीं चाहिए था। उनके अफसोस में आज सदन की छुट्टी कर देनी चाहिए थी। यदि ऐसी ही बात है तो फिर गवर्नर एड्रैस कल करवा लेते जब गवर्नर एड्रैस एक बार हो गया और हाउस की कार्यवाही शुरू हो गई तब उचित नहीं लगता कि आगे कार्यवाही न चलाई जाये। लीडर ऑफ दी हाउस ने भी माना है कि उन्हें कोई एतराज नहीं है बाकी आपकी इच्छा है। आप चाहें तो इस बारे में हाउस की सैंस ले सकते हैं।

SHRI BIRENDER SINGH : Speaker, Sir, we are also very much concerned in this regard and this has been the parctice. But it is only in the case when a sitting M.L.A. dies on the same day or he dies one day before the sitting of the House, otherwise the general practice in such cases even in the Parliament is that the sitting of the House is not adjourned.

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, शोक प्रस्तावों के बाद एक घण्टे का ब्रेक देकर हाउस की बैठक दुबारा कर लें, मुझे कोई एतराज नहीं।

शिक्षा मन्त्री (प्रो० राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय शोक प्रस्तावों के बाद दो घण्टे का ब्रेक देकर फिर कार्यवाही शुरू कर लें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रैस में कोई लम्बी चौड़ी बात नहीं है। एक विधायक ने प्रस्ताव रखना है और दो ने उसका समर्थन करना है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि आध घण्टे का ब्रेक देकर हाउस की कार्यवाही फिर शुरू कर दें।

श्री बंसी लाल : एक घंटे के ब्रेक के बाद कार्यवाही चला लें।

श्री अध्यक्ष : मैं सहमत हूँ। इसलिए शोक प्रस्ताव समाप्त होने के एक घण्टे के बाद हाउस की कार्यवाही फिर शुरू होगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, सरकार के कार्यक्रम तो पहले ही तैयार हैं, उनको जारी रखना है। इसमें लम्बी चौड़ी कोई बात नहीं है और ब्रेक की भी जरूरत नहीं है। इसलिए हाउस की कार्यवाही शोक प्रस्तावों के बाद भी जारी रखी जाये तो ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्ष : लीडर आफ दि हाउस ने भी मान लिया है इसलिए शोक प्रस्तावों के खत्म होने के एक घण्टे के बाद फिर कार्यवाही शुरू होगी।

अध्यक्ष द्वारा सदन की मेज पर रखे गए कागज़ पत्र

MR. SPEAKER : Hon'ble Members, I beg to lay on the Table of the House a copy of the Election Commission of India Notification No. 308/HN-LA/96, dated the 13th May, 1996, issued under Section 73 of the Representation of the People Act, 1951.

अध्यक्ष द्वारा कर्नल राम प्रकाश दहिया, विधायक की मृत्यु सम्बन्धी घोषणा

MR. SPEAKER : I have to inform the House with deep sorrow that Col. Ram Parkash Dahiya, a newly elected Member of the Haryana Vidhan Sabha representing Jhajjar Assembly Constituency of Rohtak district expired in a car accident on 15th May, 1996.

शोक प्रस्ताव

MR. SPEAKER : Now a Minister will make obituary references.

कर्नल राम प्रकाश दहिया (सेवा निवृत्त), हरियाणा विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्य

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इस असैम्बली का यह पहला सैशन है और इस असैम्बली के शुरु में ही हमारे एक विधायक साथी कर्नल राम प्रकाश दहिया, जो हरियाणा विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे, का एक कार एक्सीडेंट में स्वर्गवास हो गया है।

यह सदन हरियाणा विधान सभा के ज़िला रोहतक के झज्जर निर्वाचन क्षेत्र से नवनिर्वाचित सदस्य कर्नल राम प्रकाश दहिया (सेवा निवृत्त) के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। उनकी अपने दो सहयोगियों के साथ 15 मई, 1996 को एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

कर्नल राम प्रकाश दहिया का जन्म 27 जून, 1942 को झज्जर में हुआ। अपनी पढ़ाई पूरी करने के पश्चात् उन्होंने 1958 में भारतीय सेना में एक सैनिक के रूप में प्रवेश किया तथा कर्नल के पद तक पदोन्नति पाई। वह जून, 1994 में सेना से सेवा-निवृत्त हुए तथा जनवरी, 1995 में सक्रिय राजनीति में शामिल हुए। उनका सार्वजनिक जीवन बड़ा उदीयमान रहा। उनके सामने एक उज्ज्वल भविष्य था, लेकिन विधि की विडम्बना है कि उनकी जीवन-लीला बीच में ही समाप्त हो गई।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री हितेश्वर सैकिया, असम के मुख्य मंत्री

यह सदन असम के मुख्य मंत्री श्री हितेश्वर सैकिया के 22 अप्रैल, 1996 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 3 अक्तूबर, 1934 को हुआ। उन्होंने एम०ए० की डिग्री प्राप्त की थी। वह 1972 में असम विधान सभा के सदस्य चुने गए तथा राज्य मंत्री बने। वह 1974 से 1978 तक तथा पुनः 1980 से 1982 तक राज्य में कैबिनेट मंत्री रहे। वह 1983 में असम के मुख्य मंत्री बने तथा उन्होंने समस्याग्रस्त राज्य में शांति बहाल करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

वह मिज़ोरम के 1986 से 1987 तक लैफ्टिनैंट गवर्नर तथा 1987 से 1989 तक गवर्नर के पद पर रहे। वह 1991 में पुनः असम के मुख्य मंत्री बने और निधन तक इस पद पर रहे।

उनके निधन से देश एक योग्य राजनीतिज्ञ तथा सक्षम प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती जानकी रामचन्द्रन, तमिलनाडू की भूतपूर्व मुख्य मंत्री

यह सदन तमिलनाडू की भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्रीमती जानकी रामचन्द्रन के 19 मई, 1996 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

72-वर्षीय श्रीमती जानकी रामचन्द्रन उत्तरी केरल के कलात्मक परिवार से संबद्ध थीं। वह तमिल फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं, जिनका विवाह तमिलनाडू के स्वर्गीय मुख्य मंत्री श्री एम०जी०रामचन्द्रन के साथ हुआ था। उन्होंने अपने पति के निधन के पश्चात् 1987 में राजनीति में प्रवेश किया तथा तमिलनाडू की मुख्य मंत्री रहीं।

उनके निधन से देश एक राजनीतिज्ञ तथा फिल्म जगत की एक प्रसिद्ध अभिनेत्री की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री डी०डी पुरी, हरियाणा से भूतपूर्व सांसद

यह सदन हरियाणा से भूतपूर्व सांसद श्री डी०डी० पुरी के 22 अप्रैल, 1996 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 अगस्त, 1914 को हुआ। वह हरियाणा के प्रमुख उद्योगपति थे तथा उन्होंने सरस्वती सहकारी चीनी मिल, यमुनानगर का नेतृत्व किया। वह 1951 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1962 से 1967 तक लोक सभा तथा 1970 से 1976 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। वह भारतीय चीनी मिल संघ के अध्यक्ष पद पर भी रहे।

उनके निधन से देश एक अनुभवी सांसद तथा प्रख्यात उद्योगपति की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सरदार दिलबाग सिंह, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य सरदार दिलबाग सिंह के 18 मार्च, 1996 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 18 दिसम्बर, 1916 को हुआ। वह 1962, 1967, 1969, 1972, 1981, 1985 तथा 1992 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1992 से अपने निधन तक पंजाब के कृषि मंत्री रहे। वह पंजाब विधान सभा की कई समितियों के भी सदस्य रहे तथा बहुत सी शैक्षणिक संस्थाओं से भी जुड़े रहे।

[श्री बंसी लाल]

उनके निधन से देश एक योग्य विधायक तथा प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री तुषार कांति घोष, अमृत बाज़ार पत्रिका के भूतपूर्व सम्पादक तथा भूतपूर्व सांसद

यह सदन अमृत बाज़ार पत्रिका के भूतपूर्व सम्पादक तथा भूतपूर्व सांसद, श्री तुषार कांति घोष के 24 मार्च, 1996 को हुए निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 21 सितम्बर, 1898 को हुआ। वह महात्मा सिसिर कुमार घोष के सुपुत्र थे। उन्होंने अपना जीवन पत्रकार के रूप में आरम्भ किया। वह अमृत बाज़ार पत्रिका तथा युगान्तर समाचार पत्र के सम्पादक थे। वह नार्दर्न इण्डिया पत्रिका, नार्दर्न पत्रिका तथा इलाहाबाद के अमृत प्रभात समाचार पत्र के मुख्य सम्पादक भी थे। वह 1946-47 तथा 1948-49 के दौरान अखिल भारतीय समाचार पत्र सम्पादक सम्मेलन के अध्यक्ष रहे। वह पी०टी०आई० के पूर्व अध्यक्ष, यू०एन०आई० के निदेशक, आई०पी०आई० के उपाध्यक्ष तथा कामनवैल्थ प्रैस यूनियन (भारतीय शाखा) के अध्यक्ष भी रहे। पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए उन्हें 1964 में पद्म भूषण से अलंकृत किया गया।

वह 9वीं लोक सभा से लिए पश्चिम बंगाल के बरसाथा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गये।

उनके निधन से देश एक प्रमुख पत्रकार तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सूर्य स्वामी, करनाल से सांसद श्री आई०डी० स्वामी के सुपुत्र

यह सदन करनाल से सांसद श्री आई०डी०स्वामी के सुपुत्र श्री सूर्य स्वामी के 16 मई, 1996 को हुए दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

वह मात्र 38 वर्ष के थे। वह एम०ए०, एल एल० बी० थे तथा वह करनाल में राजकीय महाविद्यालय में लेक्चरर के पद पर कार्यरत थे।

वह प्रभावशाली वक्ता और प्रसिद्ध लेखक थे, जिनके लेख नियमित रूप से विभिन्न समाचार पत्रों में छपते रहते थे। वह महान प्रतिभा के धनी थे और उनके सामने एक उज्ज्वल भविष्य था।

यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, यह सदन सर्व-प्रथम इस सदन के समेकित सदस्य कर्नल राम प्रकाश दहिया के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख प्रकट करता है। अध्यक्ष महोदय, आपने अभी कहा था कि हाऊस इसलिए एड्जर्न किया जाए कि एक सम्मानित सदस्य का एक्सीडैंट में निधन हो गया है लेकिन अध्यक्ष महोदय, ऐसा लगता है कि जैसे यह एक औपचारिकता ही रह गई है, सिर्फ

फारमैलीटी रह गई है। आज प्यार-प्रेम और मानवता सब समय-समय पर खत्म होते जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो सम्मानित सदस्य की लाश पड़ी थी और इधर औथ ली जा रही थी, बैंड-बाजे बजाए जा रहे थे, खुशियां मनाई जा रहीं थी और मिठाईयां बांटी जा रही थीं। अध्यक्ष महोदय, मुझे यह कहना पड़ता है कि जो हाउस के नेता हैं, वे तो शायद सामाजिक नहीं हैं लेकिन बाकी सब भी सामाजिक नहीं रहे, व्यवहारिक नहीं रहे। सारी परम्पराएं टूट गई हैं। अध्यक्ष महोदय, आखिर वह सदस्य भी इस हाउस का सम्मानित सदस्य था और वह भी यहां पर खुशी-खुशी से औथ लेने आ रहा था। कुछ तो इनको इस बारे में ध्यान रखना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, मैं आगे के लिए यह मानकर चलता हूँ कि ये इस बात का पूरा ध्यान रखेंगे। अगर सारी परम्पराएं इस प्रकार से टूट जाएंगी तो फिर हम लोगों को जाकर क्या कहेंगे। यह हाउस उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है और उनके परिवार के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, अगर यह सदन लोकसभा के एक चुने हुए सांसद के पुत्र के आकस्मिक निधन हो जाने पर शोक व्यक्त करता है तो क्या आपके सैक्रेटेरिएट की यह जिम्मेवारी नहीं थी कि इसी हाउस के एक सम्मानित सदस्य श्री सतविन्द्र सिंह की बहन की, उनकी दो भानजी की और उनके बहनोई की भी एक दुःखद दुर्घटना में मृत्यु हुई है, तो क्या उनके नाम भी इस शोक प्रस्ताव में शामिल किए जाने जरूरी नहीं थे ? यह तो हो सकता है कि आपको इस सैक्रेटेरिएट की कुछ पुरानी प्रथाओं को सुधारने में थोड़ा समय लगे लेकिन मैं आपसे निवेदन करूंगा कि इन लोगों के प्रति भी यह हाउस अपनी संवेदना प्रकट करे और उनके नाम भी इस शोक प्रस्ताव में ऐड होने चाहिएं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये नाम भी अगर इस शोक प्रस्ताव में ऐड होते हैं तो हमें कोई एतराज नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, यह सदन आसाम के मुख्य मंत्री श्री हितेश्वर सैकिया के आकस्मिक निधन पर भी दुख व्यक्त करता है। वे एक अच्छे ऐडमिनिस्ट्रेटर थे। आसाम एक प्रोब्लम स्टेट रही है लेकिन उन्होंने अपने कुशल प्रशासनिक अनुभव के आधार पर उसे बहुत ही ठीक ढ्ग से चलाने में भूमिका निभायी। वे मुख्य मंत्री के साथ साथ गवर्नर भी रहे और उनका बहुत ही लम्बा राजनीतिक जीवन रहा था। मुझे भी कई मर्तबा उनसे मिलने का अवसर मिला। वे एक बहुत ही योग्य प्रशासनिक, सामाजिक और राजनैतिक नेता थे। उनके निधन पर भी यह हाउस दिवंगत के परिवार के सदस्यों के प्रति अपना दुख व्यक्त करता है।

इसी प्रकार से यह सदन तमिलनाडू की भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती जानकी रामचन्द्रन के निधन पर भी शोक व्यक्त करता है। वह बहुत थोड़े समय के लिए ही तमिलनाडू की मुख्यमंत्री रही थीं। उनको अपने पति के मुख्यमंत्री होने से प्रशासन चलाने का कुछ तजुर्बा भी रहा होगा। वे जितने समय के लिए भी वहां की मुख्यमंत्री रहीं उतने ही समय तक उन्होंने वहां पर एक अच्छा प्रशासन चलाया। यह सदन दिवंगत के शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बार फिर कर्नल राम प्रकाश दहिया की आकस्मिक मृत्यु पर उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। इसी तरह से यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री डी०डी०पुरी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। वे एक बहुत ही अच्छे राजनेता थे और वे कई उच्च पदों पर भी रहे। वे विधायक भी रहे और राज्यसभा के सदस्य भी रहे। उन्होंने हरियाणा प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने में भी काफी अहम भूमिका निभायी। अध्यक्ष महोदय, जहां तक मैं समझता हूँ कि शायद हरियाणा प्रदेश में सबसे पहले उन्होंने ही गन्ने की सरस्वती मिल खड़ी की थी और ऐसा करके उन्होंने ही किसानों को गन्ना पैदा करने

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

के लिए सबसे पहले प्रेरणा दी थी। आज भी किसान अपने खेतों में गन्ना पैदा करने की इसलिए प्राथमिकता देते हैं क्योंकि इससे एक तो उन्हें इस फसल से लाखों रुपये नकद में मिलते हैं और दूसरे बाढ़ से सूखे से तथा अन्य अनेक प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से गन्ना बचा रहता है। इसलिए किसान इस फसल की पैदावार करके लाभान्वित रहता है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे उद्योगपति राजनेता के परिवार के प्रति यह सदन अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

इसी तरह से संयुक्त पंजाब विधानसभा के भूतपूर्व सदस्य सरदार दिलबाग सिंह के निधन पर भी यह सदन शोक व्यक्त करता है। उनसे भी मुझे कई बार मिलने का अवसर मिला। वे एक बहुत ही अच्छे राजनेता थे, एक अच्छे प्रशासक थे। इसी प्रकार से अमृत बाज़ार पत्रिका के पूर्व सम्पादक तथा भूतपूर्व सांसद के निधन पर भी यह सदन गहरा शोक व्यक्त करता है तथा उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। इसी प्रकार, करनाल के नवनिर्वाचित सांसद श्री आई०डी०स्वामी के सुपुत्र श्री सूर्य स्वामी के आकस्मिक निधन पर यह सदन गहरा शोक प्रकट करता है। श्री आई०डी० स्वामी से मेरा अच्छा मिलना-जुलना रहा है। सिरसा सब-डिवीजन में वे एस०डी०एम० रहे हैं। वे एक अच्छे प्रशासक हैं और अब तो एक जननेता के रूप में उभर कर आए हैं। इस घटना से उन्हें आकस्मिक तौर पर झटका लगा है। ईश्वर उन्हें इस दुख को सहने की हिम्मत प्रदान करे। यह सदन उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है।

श्री भजन लाल (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूँ। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि अभी हाल ही में चुनाव हुए और उसमें चुने हुए इसी सदन के मैंबर माननीय कर्नल राम प्रकाश दहिया, जिन्होंने देश की सीमाओं पर खड़े होकर देश की बड़ी भारी सेवा और रक्षा की। उनके निधन पर सभी मैंबरों को, सारे हाउस को और सारी स्टेट को बड़ा दुख है और इस बारे में जो बात ओम प्रकाश चौटाला जी ने कही है उसमें कुछ वजन है। बड़ा शोर था और यह इत्तलाह मिली कि जो ओथ का प्रोग्राम था वह पोस्टपोन हो गया। बाद में पता लगा कि ओथ दिलाई जा रही है। वैसे वह प्रोग्राम एक दिन के लिए स्थगित करना चाहिए था लेकिन अब यह सब हो चुका है इसलिए इस पर ज्यादा चर्चा की आवश्यकता नहीं है। जैसा ओम प्रकाश जी ने कहा कि आइन्दा के लिए इस बारे ध्यान रखा जाए, वह ठीक है। लेकिन मैं तो ईश्वर से यह प्रार्थना करूंगा कि आइन्दा ऐसी घटना ही न हो। शोक प्रस्ताव में सबसे पहले आसाम के मुख्यमंत्री श्री हितेश्वर सैकिया के निधन से देश को बड़ा आघात लगा है। वे एक बहुत ही सीनियर मैंबर थे। वे मंत्री रहे, एम०एल०ए० रहे और स्टेट में मुख्यमंत्री रहे। आसाम में कैसे हालात थे, कैसा माहौल बना हुआ था। वहां भी पंजाब की तरह से माहौल था उन्होंने बड़ी सूझबूझ और बड़ी मजबूती के साथ आसाम के हालात को ठीक किया। उनके निधन से सारे सदन को और सारे देश को बड़ा आघात लगा है। उसकी पूर्ति संभव नहीं है इसलिए मैं उनके प्रति अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना प्रकट करता हूँ। श्रीमति जानकी राम चन्द्रन तमिलनाडू की मुख्यमंत्री रहीं और एम०जी० राम चन्द्रन की धर्मपत्नी थीं। उन्होंने काफी लम्बे अर्से तक तमिलनाडू की सेवा की। वे बहुत योग्य और काबिल थीं। उनके निधन से देश को बड़ा आघात पहुंचा है। उनके परिवार के सदस्यों के प्रति भी मैं शोक प्रकट करता हूँ। इसी प्रकार से श्री डी०डी० पुरी संसद सदस्य भी रहे और बहुत बड़ा उद्योगपति मैं उन्हें कह सकता हूँ। एशिया में सबसे बड़ी शूगर मिल उनकी हरियाणा में यमुनानगर में है। उन्होंने किसानों की गन्ने के मामले में बड़ी भारी सेवा की। देश सेवा में भी उन्होंने हमेशा बड़ा योगदान दिया। उनके निधन से भी प्रदेश को बड़ी क्षति पहुँची। मैं उनके प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। सरदार

दिलबाग सिंह जो संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे उनके निधन पर भी मैं शोक प्रकट करता हूँ। श्री तुषार कांति घोष जो अमृत बाज़ार पत्रिका के सम्पादक रहे उनके निधन से भी आप जानते हैं कि अखबार जगत में हमें बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी क्योंकि उन्होंने अपने लेखन से अखबार जगत में अपना नाम पैदा किया और हमेशा निडरता के साथ लिखा। उनके निधन से भी हमें बड़ा आघात लगा है। उनके प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ। श्री सूर्य स्वामी जो करनाल के सांसद श्री आई०डी स्वामी के पुत्र वे आप जानते हैं कि श्री आई०डी०स्वामी एक बड़े योग्य व्यक्ति हैं। वे आई०ए०एस० आफिसर रहे, उनके बहुत नजदीक जाने का मौका हमें मिला। वे डी०सी० रहे, एस०डी०एम० रहे। उनके पुत्र के निधन से हमें बहुत दुख पहुंचा है। मैं उनके प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ। श्री ओम प्रकाश जी ने श्री सतविन्द्र सिंह राणा के रिश्तेदार और उनके बच्चे जो एक्सीडेंट में मारे गये इस शोक प्रस्ताव में शामिल करने के लिए कहा, इसलिए मैं उनको धन्यवाद देता हूँ तथा अपनी संवेदना शोक संतप्त परिवार के प्रति प्रकट करता हूँ। अन्त में मैं इन सभी दिवंगत के परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री खुरशीद अहमद (नूंह) : जनाब स्पीकर साहब, जो लीडर ऑफ दि हाऊस ने शोक प्रस्ताव पेश किया है और हमारे साथियों ने उसकी ताईद की है उनके साथ मैं भी उन महान हस्तियों के मातम में अपने आप को शरीक करता हूँ जो आज हमारे बीच नहीं रहीं। इस हाउस की तरफ से जो रैजोल्यूशन आया है उसमें मैं भी शामिल होता हूँ। सबसे पहले श्री हितेश्वर सैकिया जी का जिक्र करना चाहूँगा। वे निहायत ही काबिल एडमिनिस्ट्रेटर थे। खासकर उस स्टेट के जिसमें चारों तरफ आरमी लगी हुई है। वहां अमन कायम करना एक बड़े एडमिनिस्ट्रेटर का काम है। यह उनका सारे नेशन के लिए एक बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन था कि वे उस स्थिति पर कंट्रोल कर पाये। उन्होंने बड़ी कामयाबी से वहां इलैक्शन कराये और जनमानस को संभाला। उनके जाने से मुल्क को बहुत नुकसान हुआ है। इस हाऊस में जो उनके प्रति शोक प्रस्ताव पेश किया गया है, उसमें मैं और मेरी पार्टी के लोग शामिल होते हैं। श्रीमति जानकी रामचन्द्रन जो श्री एम०जी०रामचन्द्रन की बीवी थीं। तमिलनाडू को ऊपर लाने में राम चन्द्रन जी को बहुत लम्बा समय लगा और बहुत बड़ी ताकत उन्होंने लगाई। उसमें श्रीमति जानकी रामचन्द्रन जी ने उनको जो सहयोग दिया, उनकी कामयाबी का बहुत बड़ा राज उसमें था। उसके लिए मैं अपने सभी साथियों के साथ इस शोक प्रस्ताव में शामिल होता हूँ। मैं उनके लिए यह प्रार्थना करता हूँ कि आज उनकी रूह को खुदा शांति दे। कर्नल राम प्रकाश दहिया जो हमारे सभी साथियों के साथ इलैक्ट हुए लेकिन इस हाउस के कान्स्टीच्यूट होने से पहले ही हमको छोड़ गये। ऐसे मौके पर छोड़ा जिस वक्त इस हाउस का कांस्टीच्यूशन हो रहा था। मैं उनके परिवार के साथ अपनी तरफ से तथा अपने साथियों की तरफ से इस शोक प्रस्ताव में शामिल होता हूँ। हमारे साथ काम करने वले पुराने साथी श्री डी०डी०पुरी जो हरियाणा के ही नहीं सारे हिन्दुस्तान के इण्डस्ट्रिलिस्ट थे उनकी मृत्यु उस समय हुई जब हम इलैक्शन में लगे हुए थे। वे संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे फिर उन्होंने राज्यसभा में रिप्रजैंट किया और हरियाणा में उस वक्त सियासी माहौल में कांग्रेस पार्टी के वाईस प्रैजिडेंट के रूप में हमेशा अपना योगदान दिया। उन्होंने हरियाणा की शूगर इंडस्ट्री को बनाने के लिए, जैसे कि मेरे साथियों ने कहा है, पूरी उम्र योगदान दिया। उन्होंने आखिरी उम्र तक भी शूगर इंडस्ट्री के लिए न सिर्फ हरियाणा में बल्कि आल इंडिया लैवल पर बतौर चैयरमैन, आल इंडिया शूगर फैडरेशन सारे हिंदुस्तान के लिए अच्छा काम किया है। मैं बताना चाहता हूँ कि शूगर इंडस्ट्री के लिए उनका जो कंट्रीब्यूशन है, उसका कोई मुकाबला नहीं कर सकता। वे फरीदाबाद में मेरे पड़ौस में ही रहते थे तथा मुझ से अकसर यह जिक्र किया करते थे कि किस तरह से इस इंडस्ट्री के विकास में उतार-चढ़ाव आ रहे हैं व उनका इसके लिए क्या कंट्रीब्यूशन है? इतनी लगन वाले आदमी आज हमारे बीच में नहीं रहे, हम उनके शोक में शामिल होते हैं।

[श्री खुरशीद अहमद]

सरदार दिलबाग सिंह, संयुक्त पंजाब विधान सभा के पूर्व सदस्य रहे हैं तथा 1962 से लगातार 7 बार एम०एल०ए० बनकर आए थे। 1962 के चुनावों में हम और वह श्री जगन नाथ जी के साथ इकट्ठे आए थे। उनका स्वभाव अच्छा था और उनके बारे में जब भी हाऊस में कोई बात आती थी तो कभी भी बतौर मिनिस्टर के या एम०एल०ए० के रूप में नहीं आती थी। उनकी साख बहुत अच्छी थी। आज वे हमारे दरम्यान नहीं रहे, उनके लिए मैं शोक में शामिल होते हुए अपने जज़बात तथा हाऊस के सदस्यों की भावनाओं के उनके परिवार तक पहुंचाने के लिए निवेदन करता हूँ।

श्री तुषार कांति घोष, एक इंटलैक्चुअल तथा हरियाणा में एक मानी हुई हस्ती थी। वे अमृत बाजार पत्रिका के सम्पादक रहे वे हरियाणा में जरनलिज्म की हिस्ट्री में अच्छी पोजीशन रखते थे। इसके लिए उनका सबसे बड़ा हाथ था। वैसे तो उनका योगदान कई और एजैंसियों में भी पत्रकारिता के क्षेत्र में रहा है। अपने लोकसभा क्षेत्र की भी नुमांइदगी करते रहे। इसलिए उनके चले जाने से बहुत बड़ा नुकसान हुआ है।

श्री सूर्य स्वामी, जो उम्र में अभी नौजवान ही थे तथा संसार में उन्होंने अभी कुछ देखा ही नहीं था। केवल 38 वर्ष की आयु में उनका चला जाना एक दुःखद घटना है। उनके पिता की एडमिनिस्ट्रेशन में स्वच्छ छवि थी। वे एक बहुत अच्छी साख वाले व्यक्ति हैं जिन्होंने बड़ी हिम्मत से इस नुकसान को बर्दाशत किया है।

मेरे साथी सतविन्द्र सिंह राणा की सगी बहिन वीना राठौर जो एक पब्लिक स्कूल में टीचर के रूप में कार्य करती थीं और उनके पति श्री धर्मवीर राठौर जो पंजाब में पनसप में काम करते थे, उन दोनों का एक्सीडैंट में जाना और उनके दो मासूम बच्चों मिलन व गिन्नी का भी देहावसान होना एक दुःखद घटना है, जिनके नाम इस सूची में दर्ज नहीं किए गए हैं। इसलिए जैसे कि मेरे साथियों ने भी मांग की है कि इनके नाम भी उक्त सूची में शामिल करें तथा हमारी तरफ से तथा हाऊस की तरफ से शोक में शामिल होने की भावनाएं उनके परिवार वालों को पहुंचाए। अब मैं आपसे दरख्वास्त करते हुए इजाजत चाहता हूँ।

शिक्षा मंत्री (प्रो० राम विलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, इस सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखे हैं, मैं उनके समर्थन में खड़ा हुआ हूँ। विधि का विधान है कि एक धरती के ऊपर राज चलता है और इससे ऊपर भी राज चलता है। पिछले सैशन और इस सैशन के दौरान कुछ हस्तियां संसार छोड़ कर चली गईं। आना-जाना व्यक्ति के हाथ में नहीं है परंतु उनका जो योगदान होता है, उसका स्मरण किया जाता है। श्री हितेश्वर सैकिया आसाम के मुख्यमंत्री रहे। उन पहाड़ियों में आग लगी हुई है। उस धरती को इस राष्ट्र से अलग करने के लिए आग लगी हुई है। श्री हितैश्वर सैकिया एक सच्चे राष्ट्रवादी नेता के रूप में लड़े तथा राष्ट्र सेवा में उनका बहुत बड़ा योगदान है। श्रीमती जानकी रामचन्द्रन, तमिलनाडू की भूतपूर्व मुख्य मंत्री रहीं। वह स्वर्गीय मुख्य मंत्री श्री एम०जी० रामचन्द्रन जिनका बहुत लम्बा राजनैतिक जीवन रहा उनकी पत्नी थीं। उनके निधन से दक्षिण में एक बहुत बड़ी राजनैतिक शख्सियत का अंत हो गया। उनके निधन से मुझे बहुत बड़ा दुख: है। कर्नल राम प्रकाश दहिया हरियाणा विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्य जोकि बेचारे ओथ ही नहीं ले सके, उनका देहान्त हो गया। यह उन पर एक बहुत बड़ा कुठाराघात है। राजधानी के बिल्कुल नजदीक आ कर उनका शरीर शांत हो गया। उनके साथ दो और साथी थे उनका भी निधन हो गया। उनके निधन से मुझे और मेरी पार्टी को बहुत बड़ा आघात पहुंचा है। श्री डी०डी० पुरी, हरियाणा के भूतपूर्व सांसद के निधन से हमें बड़ा अफसोस है। हरियाणा प्रदेश में शुगर मिलों का जो जाल बिछा है

यह उन्हीं की बदोलत है। उन्होंने अपनी टैक्नीक की सफलता से यमुनानगर में शुगर मिल स्थापित किया। उनको हरियाणा प्रदेश के लोग हमेशा याद करते रहेंगे। सरदार दिलबाग सिंह, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य रहे। उनके निधन पर भी मुझे अफसोस है। श्री तुषार कांति घोष, अमृत बाजार पत्रिका के भूतपूर्व सम्पादक तथा भूतपूर्व सासंद रहे। आज हिन्दुस्तान में अमृत बाजार पत्रिका का सबसे अधिक सर्कूलेशन है। यह पत्रिका अपनी मौलिकता के लिए जानी जाती है। श्री तुषार कांति घोष ने इस पत्रिका में एक कलम के सिपाही के रूप में काम किया। उनके निधन से अमृत बाजार पत्रिका और पत्रकारिता के क्षेत्र में एक बहुत बड़ी खलल आई है। श्री सूर्य स्वामी, करनाल से हमारे सासंद श्री आई० डी० स्वामी के सुपुत्र थे। वे बहुत ही होनहार थे। वे कालेज में एक बहुत ही योग्य प्राध्यापक थे। वे जनसत्ता में "बात बात में बात" के नाम से एक रैगुलर फीचर लिखते थे। उन्होंने अपने पिता के चुनाव का सारा संचालन सम्भाला था। उनके निधन से मुझे और मेरी पार्टी को एक बहुत बड़ा आघात पहुंचा है। हमारे सदन के साथी श्री सतविन्द्र सिंह राणा के बहनोई श्री धर्मबीर राठौर उनकी पत्नी श्रीमती बीना राठौर, 11 साल की बच्ची मिलन और 8 साल की बच्ची गिन्नी का एक एक्सीडैंट में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से हमें बहुत बड़ा दुख है। जो आत्माएं हम से बिछुड़ गई हैं उन दिवंगत आत्माओं को परमपिता परमात्मा शांति दे। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करुंगा कि इन दिवंगत आत्माओं के परिवारों को उनके निधन से जो गहरा आघात लगा है उसको सहन करने की शक्ति दे। इन शब्दों के साथ मैं इस शोक प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूँ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है उसमें मैं भी शामिल होता हूं। कर्नल राम प्रकाश दहिया, हरियाणा विधान सभा के नवनिर्वाचित सदस्य के निधन से मुझे बड़ा दुख है। उनका राजनैतिक जीवन केवल मात्र एक साल पहले ही शुरु हुआ था। फौज से रिटायर होने के बाद शायद ही किसी ने इतने थोड़े समय में एक से दुसरे क्षेत्र में यानि पोलिटिक्स में इतनी जल्दी सफलता प्राप्त की हो। उन्होंने फौज से रिटायर होने के बाद बहुत ही थोड़े समय में अपने क्षेत्र के लोगों के साथ लगाव कायम किया। यह परमपिता परमात्मा कि विडम्बना है। वे अभी राजधानी की तरफ बढ़ ही रहे थे कि वे एक एक्सीडैंट के शिकार हो गए। कर्नल राम प्रकाश दहिया मेरे व्यक्तिगत मित्र थे। उन्होंने एक डेढ़ साल पहले मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उनके अचानक निधन से मुझे व्यक्तिगत क्षति हुई है। वे इस प्रदेश की सेवा करना चाहते थे, जनता ने भी उन्हें विधायक चुना था लेकिन वे कुछ नहीं कर पाये। मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। और परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि संबंधित परिवार को इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। श्री हितेश्वर सैकिया असम के मुख्य मंत्री थे। वे भी हमारे बीच से चले गए, उनके जाने का भी मुझे दुखः है। उनके निधन के बारे में मैं तो यह कहूंगा कि वे भारत की एकता और अखण्डता के प्रतीक थे जिन्होंने अपना समस्त जीवन देश की एकता और अखण्डता बनाए रखने में गुजार दिया।हमारे बीच से ऐसे महान राजनीतिक, कुशल प्रशासक का चला जाना बहुत ही दुःख की बात है। हम ऐसे महान व्यक्ति की सेवाओं से वंचित हो गए हैं। हम दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्रीमती जानकी रामचन्द्रन तमिलनाडू की भूतपूर्व मुख्यमंत्री रहीं। 19 मई को उनका निधन हो गया। वे एक राजनीतिज्ञ के साथ-साथ फिल्म जगत की अभिनेत्री भी थीं। उन्होंने फिल्मी दुनिया से राजनिति में प्रवेश किया और जल्दी ही राजनीति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान बनाया और अपनी योग्यता का परिचय दिया। मैं इस शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

[श्री अध्यक्ष]

मैं श्री डी० डी० पुरी के निधन पर भी शोक प्रकट करता हूँ। उनके बारे में मैं तो अगर यह कहूँ कि He was the king of sugar field. तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। उनका राजनीतिक जीवन चाहे कैसा रहा हो लेकिन चीनी के क्षेत्र में हरियाणा प्रान्त के लिए उनका विशेष योगदान रहा है। इसके लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन पर भी मैं शोक प्रकट करता हूँ।

सरदार दिलबाग सिंह संयुक्त पंजाब विधान सभा के भी सदस्य रहे हैं। उनका सारा जीवन राजनीति में ही बीता है। वे अपने इलाके में काफी लोक प्रिय रहे जिस कारण वे विधान सभा के लिए 7 बार चुने गए। उनके निधन से देश ने एक योग्य साथी और अनुभवी विधायक को खो दिया है। उनके चले जाने का भी मुझे दुःख है और परिवार के प्रति भी मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री तुषार कांति घोष भी आज हमारे बीच में नहीं रहे। उनके निधन का भी हमें दुःख है। उनका सारा जीवन पत्रकारिता से जुड़ा रहा। वे अखिल भारतीय समाचार पत्र संपादक सम्मेलन के अध्यक्ष भी रहे हैं। वे एक अच्छे पत्रकार और सांसद थे। उनके निधन से देश पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं उनके निधन पर भी शोक प्रकट करता हूँ और शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री सूर्य स्वामी श्री आई० डी० स्वामी, सांसद के पुत्र थे। उनके निधन का मुझे व्यक्तिगत नुकसान हुआ है क्योंकि उनके साथ मुझे प्राध्यापक के क्षेत्र में साथ-साथ काम करने का मौका मिला था। वे एक बहुत ही योग्य, प्राध्यापक थे। उनमें काम करने की बहुत ही क्षमता थी, लेकिन भगवान की मर्जी के सामने कोई क्या कर सकता है। उनके निधन से मैंने अपना एक निजी मित्र खो दिया है। अतः मैं शोक संतप्त परिवार
11.00 बजे के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। इसी तरह से इस सदन के माननीय सदस्य श्री सतबिन्द्र सिंह राणा के परिवार के सदस्य 10.05.1996 को चुनाव परिणाम सुन कर घर लौट रहे थे। उनकी अपनी बहन श्रीमती वीना राठौर, उनके बहनोई 36 वर्षीय श्री धर्मबीर राठौर, नन्हीं बच्ची मिलन और 8 वर्षीय नन्ही बच्ची गिन्नी चुनाव परिणाम सुनकर खुशी-खुशी अपने घर लौट रहे थे। ईश्वर की कितनी अजीब लीला है मन में सभाई खुशी को ले कर वे अपने घर तक भी नहीं पहुंच पाए। मैं हाऊस के माननीय सदस्य तथा उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ तथा परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि वे उन्हें इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।मैं अपनी तरफ से दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजली अर्पित करता हूँ तथा उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। मैं हाउस के सदस्यों की भावनाओं को सभी दिवंगत के परिवारजनों तक पहुंचा दूंगा।

I would request the Hon'ble Members to observe two minutes silence.

(At this stage the House stood in silence as a mark of respect to the departed souls.)

Mr. Speaker : Now the House is adjourned for one hour.

(The Sabha then adjourned & reassembled at 12.03 p.m.)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon'ble Members, suggestions were made by certain Members with regard to the discussion on the Governor's Address today itself. It was agreed by the Hon'ble Members of the House also and a decision in this regard

was taken by the House. In view of the decision of the House, now the Governor's Address shall be discussed. Shri Jaswant Singh, M.L.A. now may please move the motion.

Shri Jaswant Singh (Narnaund) : Sir, I beg to move —

'That an Address be presented to the Governor in the following terms :-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House today, the 23rd May, 1996".'

अध्यक्ष महोदय, जो एड्रैस गवर्नर महोदय ने इस सदन में पढ़ा है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। दरअसल, यह एड्रैस हमारी सरकार की नीतियों की व्याख्या है। हमारी हरियाणा विकास पार्टी और भाजपा की मिली-जुली सरकार है और ये नीतियां हमारे चुनाव घोषणा-पत्र का हिस्सा हैं। इनको लेकर हमारी सरकार हरियाणा की जनता के सामने गई। हरियाणा की जनता ने इन नीतियों को पढ़ा और सुना और उन्होंने अपना विश्वास इन दोनों पार्टियों में व्यक्त किया। (विघ्न) इस बहुमत के कारण ही आज हम इधर बैठे हैं और जिनका बहुमत नहीं था वह उधर बैठे हैं। यह बहुमत की ही बात है जिसको हम भी समझते हैं और आप भी समझते हैं। हम आपको इस बहुमत के महत्त्व को अच्छी तरह से समझा भी देंगे। हमें सब बातें आती हैं। तो अध्यक्ष महोदय, हमें जनता का विश्वास मिला जिसके कारण ही आज हमारी सरकार बनी। जो नीतियां हमने लोगों के सामने रखीं, जनता के सामने रखीं, तो जनता ने उन पर विचार किया और विचार करके उसने समझा कि हमारी नीतियां ठीक हैं। तभी जनता ने हमें विश्वास दिया और तभी यह सरकार बनी। हमने अपनी सारी नीतियां बारी बारी से अपने चुनाव घोषणा पत्र में रखीं। अध्यक्ष महोदय, होता यह है कि भारत के अन्दर और हमारे प्रान्त में भी चुनाव घोषणा पत्रों को एक फिजूल की बात समझा जाता है और उस को कोई भी प्राथमिकता नहीं देता लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह सरकार ऐसा बिल्कुल नहीं करेगी। इसलिए वही सारी नीतियां इस सरकार ने गवर्नर महोदय के एड्रैस में लिखी हैं। हमारी सरकार की यह नीतियां जहां एक तरफ लोगों का सामाजिक उत्थान करेंगी, लोगों के अन्दर उनका आत्म विश्वास एवं मान सम्मान बढ़ाएगी वहीं दूसरी तरफ उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी। उनके जीवन को और अधिक सुखमय बनाएगी और ज्यादा खुशमय बनाने की कोशिश करेगी। जब हमने यह समझा कि शराब हमारे प्रान्त के लोगों को घुन की तरह खाए जा रही है और यह प्रान्त की बहुत ही बड़ी समस्या बन गई है तो हमने इस शराब को बंद करने के लिए अपने चुनाव घोषणा पत्र में लोगों से वायदा किया। अध्यक्ष महोदय, शराब से जहाँ एक तरफ हमारे प्रान्त के लोगों का सामाजिक जीवन खराब होता था वहीं उनकी आर्थिक हालत भी खराब होती थी यानी एक तरीके शराब उनको खाए जा रही थी। अध्यक्ष महोदय, शराब तो एक तरह से घुन की तरह से है जो लोगों को धीरे धीरे कमजोर करती है। इसलिए हमारी सरकार ने पूरे प्रान्त में शराबबंदी करने का इरादा किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहूंगा कि गांव में लोग जो शराब पीते हैं तो वे एक प्रकार का जहर पीते हैं। यह वही शराब थी जो कि गंदे कारखानों में गंदी गंदी चीजों से बना कर सरकारी दुकानों और दूसरी दुकानों पर बिकती थी। मैं बढ़िया और खराब शराब के फर्क की बात तो नहीं करता लेकिन इस प्रकार की शराब पर सरकार ने जो पाबन्दी लागू की है या करने जा रही है, वह जहर ही है। आप सब भी विद्वान हैं इसलिए आप सभी जानते हैं कि देसी शराब जो ठेकों पर बिकती थी तो उसमें से आधी से ज्यादा शराब कैप्सूल और दूसरी हानिकारक दवाईयों से बनाई जाती है।

[श्री जसवन्त सिंह]

श्री अध्यक्ष : सरकारी शराब तो ठीक होगी।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब तो यह है कि शराब तो कोई भी अच्छी नहीं है लेकिन सरकारी शराब की बात कुछ अलग है। सरकार जो शराब बंद करने जा रही है वह एक जहर है। इसने लोगों के स्वास्थ्य को खराब किया, लोगों की इज्जत को खराब किया और लोगों के सामाजिक जीवन को खराब किया। शराब ने समाज के एक बहुत ही बड़े हिस्से को नाकारा बना कर रख दिया है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, सरकार ने ऐसे समाज को बचाने का प्रयत्न किया है और बहुत ही बड़ा कदम सरकार ने इस बारे में उठाया है। मैं समझता हूँ कि बुद्धिजीवी और जागरुक लोग इस बात को अच्छी तरह से समझेंगे कि इस सरकार ने यह एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार इस बारे में कानून बनाने जा रही है। सरकार बनते ही हमने शराबबंदी लागू करने की घोषणा की है और जल्दी ही हम इस बारे में विकसित कानून भी बनाएंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के आदरणीय सदस्यों से भी अनुरोध करुंगा कि व भी इस बारे में अपने अपने सुझाव दें कि किस तरह से आपकी यह सरकार, हरियाणा के लोगों की यह सरकार शराबबंदी के बारे में एक अच्छा सा कानून बनाए। किस तरीके से जो रुपया हम यानी सरकार और सरकार के अफसर सरकार के लिए बेईमानी से ऐसी शराब बेचकर टैक्स के रूप में इकट्ठा करके कमाते थे। इस बारे में तो इतिहास लिखा जाएगा तो हमारी आने वाली सन्तानें देखेंगी कि सरकारें किस ढंग से करोड़ों रुपया शराब से कमाती थीं और गरीबों का शोषण करती थीं और उस रुपये से सरकार चलाने का काम करती थीं। इतनी घिनौनी बात को सरकार बन्द करने जा रही है। इसलिए यह सरकार हर तरीके से सराहना की पात्र है। सरकार के सामने आज बहुत समस्याएं हैं और सरकार समझती है कि कानून बहुत बड़ी चीज है। जो सरकार कानून के मुताबिक नहीं चलती, जो अपने ही बनाए हुए कानून की उल्लंघना करती है, रूल्ज की उल्लंघना करती है तो वहां का समाज कभी उज्जवल भविष्य की तरफ नहीं जा सकता। यह सरकार भारत सरकार द्वारा बनाए गए कानून और हमारे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट द्वारा बनाए हुए कानून का ठीक तरीके से पालन करेगी और उसके मुताबिक काम करेगी। हम समझते हैं कि कानून की परिभाषा क्या है, कानून की वर्डिंग क्या है, कानून की आत्मा क्या है। कानून में कानून का जो मकसद निहित है जिसको हम एक तरह से कानून की सोल कहते हैं, उसमें हम इन सभी बातों का ख्याल रखेंगे। उसमें जो अल्फाज हैं उनको सही तरीके से लागू करेंगे यानी उसके अंदर जो असल बात है उसको लागू करेंगे। बहुत सी सरकारें अल्फजों की अपने हिसाब से व्याख्या करके काम करती रही हैं मगर यह सरकार ऐसा नहीं करेगी। हम इसकी परिभाषा को लागू करेंगे और उसके अंदर जो बात है उसको भी लागू करेंगे। यह सत्ता हमें हरियाणा के लोगों ने दी है, आवाम ने दी है, हरियाणा के जनमानस ने दी है। जनता के द्वारा दी गई किसी भी शक्ति को हम व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए इस्तेमाल नहीं करेंगे। यह शक्ति लोगों की है और उनकी सेवा और विकास के लिए है। यह सारी की सारी शक्ति हम जनता की सेवा और उसके विकास में लगाएंगे। इसका एक प्रतिशत भी हम व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करेंगे तो इससे घिनौनी बात हमारे लिए और कोई नहीं होगी। इस सदन के सामने मैं हमारी सरकार की ओर से विश्वास दिलाता हूँ कि हमारी सरकार रूल ऑफ ला के सिद्धांत पर चलेगी। बड़ी सीधी बात है कि हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है, हमारी ज्यादातर आमदनी खेती से है। 80-85 प्रतिशत लोग डायरैक्टली या इनडायरैक्टली खेती पर निर्भर करते हैं। पर कैपिटा इंकम में हमारा प्रदेश देश में दूसरे नंबर पर कहा जाता है, यह ठीक नहीं है। क्योंकि हरियाणा के कुछ ऊपर के लोग, पूंजी पति लोग और उनकी आमदनी को हम सब लोगों पर लगा कर पर कैपिटा इंकम निकालते हैं जबकि हरियाणा के हरिजनों और गांवों में बसने वाले किसानों की आमदनी बहुत कम है। सरकार की यह कोशिश होगी कि इस किस्म का विकास हरियाणा में हो कि उसका

श्रेय सबको मिले। पानी के बारे में हमारे प्रदेश के सामने एस०वाई०एल० कैनाल का बहुत कठिन सवाल है। राज्यपाल महोदय ने इस कैनाल के बारे में अपने अभिभाषण में संक्षेप में जिक्र किया है। हमारी सरकार बहुत भली-भांति समझती है कि पानी की समस्या प्रदेश के लिए बहुत कठिन समस्या है क्योंकि हमारी यह मूल समस्या है। हरियाणा में पानी की पूर्ति यदि हो जाए तो भारत में तो क्या विश्व का प्रथम प्रदेश हरियाणा बन सकता है। हमारी सरकार इस बारे में चिंतित है लेकिन बहुत अच्छी तरह से समझती है कि यह समस्या बड़ी जटिल समस्या है, बड़ी मुश्किल है। बहुत सा वक्त बीत गया, बीसियों साल बीत गए, सरकारें आयीं और चली गयीं लेकिन एस० वाई० एल० के पानी को लाने के बारे किसी ने ठोस कदम नहीं उठाए। यह सरकार वचनबद्ध है कि हम अपनी बुद्धिमता से सभी लोगों को अपने साथ लेकर और इस सदन के माननीय सदस्यों और सभी पार्टियों को साथ लेकर हरियाणा की जटिल समस्या का मूल समाधान निकालेंगे। हमारी सरकार हर कदम पर सबको साथ लेकर काम करेगी। बिजली की बात गवर्नर महोदय ने कही। सारी दुनियां में जितने समाज हैं अगर उनकी प्रगति की बात कही जाती है जो मूल आधार बन जाती है। वह उस समाज के पर-कैपिटा बिजली इस्तेमाल के आधार से पता चलता है। हमारे प्रदेश में जितनी बिजली मिलती है वह काफी नहीं है। हम इसके विकास के लिए कोशिश करेंगे। हमारी सरकार ने पहले ही कदम उठाए हैं कि किस तरह से हम बिजली की पूर्ति कर सकें। पिछली सरकार ने कुछ छोटे-छोटे बिजली घरों को लगाने कि जो योजनाएं बनाई, वे शहरों के लिए ही बनाई। किसी गांव के किसी क्षेत्र के लिए कोई योजना नहीं बनाई गई। हम देखेंगे कि यह योजना गांवों के लिए भी बनाई बनाई जाये और गांवों में भी बिजली की पूर्ति करने की कोशिश हमारी सरकार करेगी। जैसा कि मैंने अर्ज किया कि हम विकास के कार्यों पर ध्यान देंगे। बिजली, पानी के अलावा लॉ एण्ड आर्डर की बात बहुत जरुरी है। सबसे बड़े डर की बात यह है कि अगर कोई सरकार अपने लोगों के जीवन की रक्षा नहीं कर सकती तो वहां उस समाज की सारी बात निराधार हो जाती है। जीवन की रक्षा करना सरकार का सर्व प्रथम कर्त्तव्य है। यह सरकार उसके लिए जागरुक है। पिछली सरकार के दिनों में हरियाणा के इतिहास में पहली बार एक नई बात हुई जब हरियाणा पुलिस के तीन बड़े कर्मचारियों को हमारे देश के सुप्रीम कोर्ट ने सजा दी। उन अफसरों ने झूठ बोला था और कानून की उल्लंघना की बात की थी। जिनके हाथों में कानून की डोर हो और वही उसकी उल्लंघना करे यह हमारे हरियाणा के इतिहास में एक बड़े भारी कलंक की बात थी। यह सरकार समझती है और जानती है कि किस तरह से एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी को चलाना है, किस तरह से यह सरकार लोगों की जान माल की रक्षा की जिम्मेवारी से पालन करेगी जोकि उसका मूल कर्त्तव्य है। जहां हवा और पानी इन्सान को कुदरत ने दिया है वहां यह सरकार कोशिश करेगी कि हर गांव में हर जनमानस को बिजली मिले व पीने के लिए पानी मिले। पानी को स्वच्छ करके हम लोगों तक पहुंचाएंगे। ऐसा पानी नहीं देंगे जो पिछले पांच सालों से मिलता था। मैं गांव-गांव व जगह जगह गया। मैं पंचायतों के साथ जलधरों को भी देख कर आया जिनको बीस-तीस सालों से साफ ही नहीं किया गया था, उनमें घास फूस सड़ रहा था। जहाँ पानी साफ करने की मशीनरी थी वहाँ 20-25 सालों से किसी ने देखा भी नहीं। जिन नलों से गांवों को पानी देते हैं उनमें घास जमा हुआ था। तीन चार गांवों के जल घरों का तो मैंने फोटो भी लिया जिनके वाटर टैंकों में सारा का सारा घास जमा हुआ था। जब पूछा तो बताया गया कि यह पानी गांव के लोगों को सप्लाई किया जा रहा है। यह सरकार जनता को साफ सुथरा पानी देगी। हम इन सारी नीतियों के सन्दर्भ में कहते हैं कि हम जनमानस का हर तरीके से मान-सम्मान करेंगे। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि सामाजिक बराबरी और आर्थिक बराबरी के बगैर राजनीतिक बराबरी का कोई भायना नहीं है। हम सामाज के हर वर्ग को सामाजिक और आर्थिक बराबरी देंगे जो कि राजनीतिक बराबरी का मूल आधार है। जिस समाज के अंदर भिन्न-भिन्न स्तर के लोग रहते हैं, कोई बहुत गरीब और कोई बहुत अमीर है तो ऐसा

[श्री जसवन्त सिंह]

समाज कभी मजबूत नहीं हो सकता। हम यह कोशिश करेंगे कि हरियाणा का समाज, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से बराबर हो। ऐसी समानता दिलाने के लिए यह सरकार वचनबद्ध है। इन्हीं शब्दों के साथ मैं दरख्वास्त करता हूँ कि यह मेरा रैजोल्यूशन सर्वसम्मति से पास किया जाए। धन्यवाद।

Mr. Speaker : Now Shri Ganeshi Lal will second the motion.

श्री गणेशी लाल (सिरसा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव इस सदन के अंदर सम्मानित सदस्य श्री जसवंत सिंह ने रखा है, मैं उसका अनुमोदन करता हूँ। मैं यह चाहूँगा कि सम्मानित सदस्य सदन में इस प्रस्ताव को पास करें क्योंकि यह प्रस्ताव वास्तव में ग्राम राज्य से लेकर राम राज्य का सपना साकार करने का प्रस्ताव है। इस सदन के पटल पर ही हरियाणा की जनता के जीवन के सौभाग्य की स्वरचना होती है और जो स्वपन कभी इस देश के राष्ट्रपिता ने संजोया था, उस सपने को साकार करने का संकल्प इस प्रस्ताव में है। अभी बात चल रही थी कि मद्य निषेध की रचना इस सरकार ने अपने प्रस्ताव में की है। मैं समझता हूँ कि सर्वत्र भारत में यह बंदनीय प्रस्ताव होगा। थंपिंग। अभी सवेरे हमारे बीच में बैठे विपक्ष के सम्मानित सदस्य श्री ओम प्रकाश चौटाला इस प्रकार की भाषा बोल रहे थे कि ऐसा लगता है कि समाज के अंदर स्नेह, प्रेम व समरसता का दूध जैसे सूख गया है। उसमें अगर कुछ ऐसा पतन आरंभ हो गया तो हम लोगों से कहेंगे कि शराब पीजिए, हम मना नहीं करेंगे। लेकिन जैसे कि नानक जी ने कहा था कि "नाम खुमारी नानका, चढ़ी रहे दिन रात" तो लगता है कि जिस सम्मानित सदस्य ने यह बात कही थी, मेरे इस वाक्य से वह बात पूरी हो जाएगी। इसके साथ साथ अभी हमारे बीच में कुछ सम्मानित सदस्यों ने इस प्रकार की बातें की थीं कि यह अच्छी सोच है, इस जहर को बंद करवाने में सहयोग कीजिए (विघ्न) उन्होंने हमें यह भी कहा कि क्या अच्छी शराब इसकी जगह लागू करने वाले हैं ? मेरी 2-3 अच्छे लीडरों से मीटिंग हुई। एक बार बीच में उन्होंने कहा कि प्रोफेसर आपकी सरकार शराब बंद करने जा रही है, हम हवाई जहाज के द्वारा आकाश में भी यह बेचकर ऐरो-शैम्पेन का प्रोग्राम करने वाले हैं। हमारा इस सुपतनीक को धरती पर लाने का कोई संकल्प नहीं है। मैं इसलिए इस प्रकार की ऐरो शैम्पेन की एक ऐसे व्यक्ति के लिए बात करना चाहता हूँ। अगर वह पूछेगा तो हम कहेंगे कि उसमें हमारी कोई रोकटोक नहीं है। इस सुपतनीक को धरती पर लाना चाहें तो लाएं। इस मद्य निषेध के साथ साथ इस सदन से मैं प्रार्थना करना चाहूँगा कि जो बाढ़ हरियाणा के अंदर आई तथा जिसने भयंकर रूप धारण किया। मैं क्षमा चाहूँगा कि पिछली सरकार के सम्मानित मुख्यमंत्री महोदय ने जो बार बार कहा कि इतनी तारीख तक पानी नहीं निकाल दूंगा तो त्याग पत्र दे दूंगा। सत्यमेव जयते। इस देश का जो स्लोगन है शायद उसकी पट्टियों को नोच डाला गया है, रौंद डाला गया है। अभी भी कुछ क्षेत्रों में पानी उपस्थित है। हरियाणा की सरकार ने संकल्प किया है कि इस बार जैसे ही जुलाई में बाढ़ आएगी, बाढ़ का कहीं नामोनिशान नहीं बचेगा। यह हरियाणा की सरकार का संकल्प है। थंपिंग। इसके साथ ही साथ इस पानी को डाईवर्ट करके हरियाणा सरकार बाढ़ को नियंत्रित करने की कोशिश करेगी, ऐसी सरकार ने प्रतिज्ञा की है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि इस पानी को ड्रिंकिंग वाटर के तौर पर आप देखेंगे। एक एक गांव और चौपाल में पीने का पानी भी पूर्णतया सुलभ होगा। हमारी सरकार ने यह प्रतिज्ञा की है कि बेरोजगारों को रोजगार देने का जो सकंल्प है, उसके आधार पर स्वायत्तता और उदारीकरण का जो स्वावलम्बन का आधार है, हमारी सरकार का स्ट्रैस इसके ऊपर है। देश के अंदर इस प्रकार की व्यवस्था बहुत अच्छी है। इसके साथ-साथ मैं यह भी चाहता हूँ कि पंचायती राज उपस्थित होना चाहिए। इस देश की फंक्शनिंग शुरु से लेकरअंत तक ऐसी होनी चाहिए जिसमें हरेक व्यक्ति सहभागी हो लेकिन यह जो पंचायती राज व्यवस्था है, हमारे सम्मानित सदस्य इस बात को मानेंगे कि इसमें वित्तीय साधन कैसे आएंगे, क्या क्या उसकी

फंक्शनिंग हो और क्या उसके अधिकार होने चाहिएं। इसको पिछली सरकार ठीक से लागू नहीं कर पाई। पंचायती राज की जो व्यवस्था थी वह पिछली हरियाणा सरकार द्वारा ठीक से चालू न करने के कारण उस सरकार को उसका बहुत बड़ा खामयाजा भुगतना पड़ा। हमारी सरकार प्रतिज्ञा करती है कि ये जो स्वायत्तता के आयाम हैं उनके उदारीकरण के हम पक्ष में हैं। महात्मा गाँधी जी कहते थे कि हमारे दरवाजे और खिड़कियां खुले रहने चाहिएं ताकि उनमें शुद्ध हवा, सुगंधित हवा आगंतुक को आने के लिए स्वागत दें। परन्तु वह हवा इतनी तेज न हो कि हमारे पैर ही उखड़ जाएं। हमारी सरकार और हिन्दुस्तान की सरकार, दोनों सरकारें दो राजनैतिक शक्तियों का गठबंधन है। हिन्दुस्तान की सरकार में भी हम यह सोचते हैं और हरियाणा सरकार में भी हम यह सोचते हैं कि उदारीकरण जिसको हम लिबरलाइजेशन कहते हैं वह ग्लोबलाइजेशन न बने। हम विदेशी सहायता के खिलाफ हैं। हम फारेन ट्रेड नहीं चाहते, इसलिए हिन्दुस्तान के अंदर लघु उद्योगों के नाम से हम हाई टैक्नोलोजी के खिलाफ नहीं हैं। हाई टैक्नोलौजी हिन्दुस्तान में आएगी ही आएगी। वास्तव में कृषि को समुन्नत करने के लिए, कृषि को बढ़ावा देने के लिए वाटर की फैसिलिटी चाहिए, बिजली की फैसिलिटी चाहिए, एनर्जी चाहिए। चाहे फिर एनरॉन है जो त्रिशंकु की तरह हवा में लटक रहा था, उसको भी जमीन पर ला कर हमने उसके साथ शर्तें निर्धारित कीं। ऐसी विदेशी कम्पनियां जोकि मल्टीनैशनल्ज हैं, जैसे गैट है, आई० एम० एफ० है चाहे वर्ल्ड बैंक है उनके शिकंजे में भारत को नहीं कसने देना चाहिए लेकिन उन समझौतों में भारत के हित की या हरियाणा प्रदेश के हित की जो बात होगी उसका हम समर्थन करते हैं। हरियाणा सरकार यह प्रतिज्ञा करती है कि लघु उद्योग और कॉटेज इंडस्ट्रीज के माध्यम से यह जो समाज का पिछड़ा वर्ग है, जिसके अन्दर आर्थिक विषमता एक भंयकर सूरसा के समान उपस्थित है, इस सूरसा नाम के राक्षस को भी हम समाप्त करके हरियाणा प्रदेश को प्रगति के रास्ते पर ले कर जाएंगे। इसके साथ साथ हमारी हरियाणा सरकार सबसे पहले प्रतिज्ञा यह करती है कि लोकपाल नियुक्त किया जाएगा। उस लोकपाल के सामने चाहे कितने बड़े हाई ओफिस का आदमी हो वह अकाउंटेबल होगा, जबावदेह होगा। हरियाणा प्रदेश के अन्दर भ्रष्टाचार बहुत ज्यादा फैला हुआ है। हरियाणा प्रदेश में भ्रष्टाचार इस कद्र फैला हुआ है जिसको मैं गिनाने की क्षमता नहीं रखता, बहुत ही ज्यादा भ्रष्टाचार फैला हुआ है। मैं एक बात बताना चाहूँगा कि पिछली सरकार ने एक नॉन टैक्नीकल पर्सन को भी टैक्नीकल इंस्टीच्यूशन का लगातार कई वर्षों तक हैड बना कर एजुकेशन और शिक्षण-संस्थाओं की धज्जियां उड़ाई। यह भ्रष्टाचार का आखिर तक का एक नमूना हो सकता है। मैं इसके बारे में अखबारों की दुर्नियाँ भर की कटिंग्ज प्रोड्यूस कर सकता हूँ। उसके बारे में लगातार तीन साल तक कोर्ट में केस चलता रहा है, उसको प्रोड्यूस कर सकता हूँ। मैं पैसे के भ्रष्टाचार की बात नहीं करता लेकिन इस भ्रष्टाचार ने तो हरियाणा प्रदेश के जनमानस को, हरियाणा के बचपन को तथा हरियाणा की शिक्षा को विकलांग करके रख दिया। उसको भी ठीक करने की हरियाणा सरकार की प्रतिज्ञा है और उसके लिए एक लोकपाल की नियुक्ति होगी। उस लोकपाल के सामने हरियाणा का हर औफिसर और हरियाणा प्रदेश का चीफ मिनिस्टर भी अकाऊंटेबल होगा, जवाबदेह होगा। मैं समझता हूँ कि हरियाणा सरकार ने लोकपाल नियुक्त करने की जो बात की है इसकी जितनी प्रशंसा की जाए वह थोड़ी है। हमारे सभी सम्मानित सदस्य इसकी जितनी प्रशंसा करें वह कम है। हमने जनता के सामने जो कमिटमैंटस की थीं उनको हम पूरा करेंगे। हमारी हरियाणा सरकार ने कमिटमैंट की थी कि पंजाबी भाषा को दूसरी भाषा का दर्जा दिया जाएगा। मुझे ऐसा लगता है कि पंजाबियों का सम्मान पंजाबी भाषा के साथ जुड़ा हुआ है। पंजाबी भाषा को दूसरी भाषा का दर्जा देने का आह्वान, सन्देश, निमन्त्रण हरियाणा प्रदेश की जनता से लगातार मिलता आ रहा था, उसको कभी किसी ने पूरा नहीं किया। मैं इस रहनुमा हरियाणा के मुख्य मन्त्री जिनके नेतृत्व में यह सरकार चल रही है को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने शपथ लेते ही तुरन्त पंजाबी भाषा को दूसरी भाषा का दर्जा देने

[श्री गणेशी लाल]

की कृपा की है। इसके अलावा में कहना चाहूंगा कि कृषि के साथ जितने आयाम जुड़े हैं चाहे वह एस०वाई०एल० नहर का है चाहे पीने के पानी की फैसिलिटीज देना है, उनकी तरफ पूरा ध्यान दिया जाएगा। हमारे बहुत से विपक्षी नेताओं ने आन्दोलन चलाया था कि यमुना जल समझौता रद्द किया जाए। मैं समझता हूँ कि पिछली हरियाणा सरकार ने दिल्ली की जनता को पीने के लिए पानी दे कर एक ऐसा प्रदूषित वायु मण्डल बना दिया जिसका कोई हिसाब नहीं है। हिन्दुस्तान में जितने रिवर्ज हैं, वे किसी की बापौती नहीं हैं, वे किसी प्रांत की जागीर नहीं हैं। सभी रिवर्ज हिन्दुस्तान के हैं इसलिए उनके पानी का शेयर सभी प्रान्तों को बराबर मिले। कावेरी का झगड़ा, एस०वाई०एल० नहर का झगड़ा, यदि इन सब झगड़ों को समाप्त कर दिया जाए तो सभी प्रान्तों के अन्दर सद्भावना की उपस्थिति हो जाएगी। हमारे प्रान्त में इस प्रकार की उपस्थिति हो जाएगी, यह हमारी सरकार का संकल्प है और मैं समझता हूँ कि यह संकल्प हम सब के लिए पूजा के लायक है, बहुत अच्छा है। हमारी सरकार ने 10 या 11 तारीख को शपथ ली थी , सरकार की उपस्थिति बेशक न हो लेकिन सरकार कि उपस्थिति फैल्ट की जा रही है। भ्रष्टाचार के आयाम बंद होते जा रहे हैं। जब हमारे विपक्ष के भाई गांवों में जाएगें तो इनको मालूम पड़ेगा कि गांव के लोग यह कहेंगे कि बिजली अच्छी आ रही है। ऐसा लगता है कि इस सदन के सम्मानित नेता द्वारा लोगों के पैरों की बिवाई पर मरहम लगाना और उनके पैर जो मैले कुचैले थे उन को साफ करने का प्रतिफल कर्टैसा पर चढ़ने का है। इसलिए मेरा सारे सदन से अनुरोध है कि वह गवर्नर साहब के अभिभाषण को सर्व सम्मति से पास करे, धन्यवाद।

MR. SPEAKER : Motion moved—

> 'That an Address be presented to the Governor in the following terms :-
>
> "That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply greatful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House today, the 23rd May, 1996".'

श्री जसविन्दर सिंह (पेहवा) : माननीय अध्यक्ष, इस समय गवर्नर साहब के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है। जिन वायदों को लेकर यह सरकार बनी थी उनका इस अभिभाषण में बहुत कम जिक्र है। सदन के नेता ने शराबबंदी के बारे में दावा किया था कि मेरी सरकार बनने के 15 सैकिण्ड बाद शराब को हरियाणा प्रांत में बंद कर दिया जायेगा। इस संबंध में मैं बताना चाहूंगा कि आज एक-एक खोखे पर शराब के पव्वे मिलते हैं। पिछली सरकार जो चौधरी भजन लाल के नेतृत्व में थी, उसने जाते जाते गांवों में तो शराब के ठेके बंद किए थे लेकिन आज पहले से भी अधिक शराब गांवों में और खोखों पर मिलती है। कहने का मतलब यह है कि जो एक ठेका पहले होता था, जिसको बंद किया गया, अब उसकी जगह चोरी छिपे 15-15 ठेकों के रूप में गांवों में शराब बिक रही है। इसलिए इस तरफ सरकार को ध्यान देने की जरुरत है। जिस ढंग से गांवों में शराब मिल रही है उससे शक की सुईयां शराबबंदी के बारे में सरकार की ओर घूमती नजर आती हैं। चौधरी बंसी लाल जी इस प्रदेश के पहले भी कई बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। अब तक शराब बंदी इस लिए नहीं हुई कि कानूनी अड़चन थी, कानूनी अड़चन का तो इन्हें पहले भी पता था। गांवों में पूरी शराब मिल रही है। चाहे तो चौधरी जगननाथ जी मेरे साथ चल कर देख लें कि एक एक खोखे से 5-5 रुपये में शराब का पव्वा मिल रहा है, जबकि ये कहते थे कि गांवों में शराब की बोतल कोई 1000 रुपये में भी लेगा तो उसे वह नहीं मिलेगी। अभी इस सरकार को बने हुए 15 दिन हुए हैं और

हम अपेक्षा करते हैं कि सरकार अपने वायदे के अनुसार इस ओर ध्यान देगी और हरियाणा के हितों के लिए अच्छे प्रोग्राम चलायेगी।

आज गवर्नर साहब के अभिभाषण में जिन बातों का जिक्र आया है और जिन बातों के माध्यम से यह सरकार सत्ता में आयी है उनमें ऊर्जा की भी बात आती है। सरकार ने कहा था कि 24 घंटे बिजली मिलेगी, अच्छी बात है। पिछली सरकार ने ट्रांसफार्मर बदलने के बारे में एक पाबंदी लगा रखी थी कि 14-15 तारीख के बाद कोई ट्रांसफार्मर खराब होता है तो उसको फौरन नहीं बदला जायेगा। मैं चाहता हूँ कि सरकार इस नीति को बदले। पैडी ऐरिया में सिंचाई का समय कम से कम एक महीना होना चाहिए। स्पीकर साहब, मैं जहां इस बात की आशा करता हूँ कि 24 घण्टे बिजली मिलेगी इसके साथ मैं चौधरी बंसी लाल जी से कहूंगा कि पिछली सरकार ने जो पाबन्दी लगाई थी उसको खत्म करवाएं। स्पीकर साहब, इसके साथ माननीय सदस्य श्री जसवन्त सिंह जी ने गांवों में घटिया शराब बिकने का जिक्र किया। मैं यह जानना चाहूँगा कि घटिया शराब का क्या मतलब है। सरकार की कहीं कोई ऐसी पालिसी तो नहीं है कि यहां पर बढ़िया विदेशी शराब की बिक्री को बढ़ावा देने की बात हो, हमें इस बारे में भी जागरुक रहने की आवश्यकता है। दूसरे माननीय साथी श्री गणेशी लाल जी ने जिक्र किया कि पंजाबी को दूसरी भाषा का दर्जा दिया गया है। मैं जानना चाहूंगा कि पंजाबी को दूसरी भाषा का दर्जा देने के लिए सरकार ने क्या किया है। पंजाबी भाषा को राज्य में दूसरी भाषा का दर्जा तो पिछली चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने भी दिया हुआ था लेकिन इसके बारे में कहीं पर कुछ भी नहीं किया गया। पहले कांग्रेस की सरकार ने यह किया हुआ था कि जहाँ पर 8 बच्चे पंजाबी पढ़ने वाले होंगे वहां पर पंजाबी टीचर उपलब्ध करवाए जाएंगे। मैंने परसों के अखबार में देखा है कि इस सरकार ने अब फैसला किया है कि अगर 4 बच्चे पंजाबी पढ़ने वाले होंगे तो वहां पर पंजाबी टीचर उपलब्ध करवाया जाएगा। यह सरासर गलत बात है। स्पीकर साहब, आपके माध्यम से सदन के नेता से मेरी प्रार्थना है कि पंजाबी पढ़ने वाला अगर कहीं पर एक भी पंजाबी वर्ग का बच्चा हो तो वहां पर पंजाबी टीचर उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। जिस गांव में 5-6 परिवार पंजाबी भाषियों के रहते हों वहां पर पंजाबी टीचर उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। यदि 4 बच्चों के होने पर टीचर उपलब्ध होगा तो कब 4 बच्चे पंजाबी भाषा के लिए फार्म भरेंगे और कब आप वहां पर टीचर लगाएंगे और कब वहां पर पंजाबी भाषा पढ़ाएंगे, इस बारे में बहुत समय लग जाएगा। मेरा तो सिर्फ इतना ही कहना है कि 30 साल पहले जो गलती हुई थी उसको सुधारने का मौका मिला है। उसको सही ढंग से फराखदिली से सुधारें और हरियाणा प्रांत बनने से पहले जिस तरह पंजाबी भाषा पढ़ाई जाती थी वैसा ही इन्तजाम अब भी किया जाना चाहिए। अगर खुले मन से पंजाबी को दूसरी भाषा का दर्जा देना है तो ऐसे प्रबन्ध अवश्य किये जाएं। अध्यक्ष महोदय, अगली बात मैं ट्रांसपोर्ट के बारे में कहना चाहता हूं। पिछली सरकार ने प्राईवेट लोगों को रूट परमिट्स अलाट किए थे। जिन्होंने रूट परमिट्स लिए थे उनकी जो दुर्गति हुई है वह सभी आनरेबल मैम्बर्ज जानते हैं क्योंकि वे अभी हाल ही में हुए इलैक्शनों में सभी गांवों में हो कर आए हैं। जितनी भी प्राईवेट ट्रांसपोर्ट बसें चलती थी उन पर एक नारा लिखा रहता था कि 'हरियाणा सरकार इतनी समझदार बेरोजगार भी कर दिए बेकार'। पिछली सरकार ने बेरोजगारों की हालत और भी ज्यादा बदतर कर दी। उन नौजवानों को कुछ लम्बे रुट्स के परमिटस दिए जाने चाहिएं ताकि वे जो अथाह कर्ज से दबे हुए हैं, वे उसको हल्का कर सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं यह आशा करूँगा कि सरकार इस बारे में जरूर गौर करेगी। गवर्नर एड्रैस ने यह बात साबित कर दी है कि सरकार पुरानी पालिसियों पर चल रही है। अगर यह सरकार कुछ नई बात कर पाए जिससे लोगों को कोई राहत मिले तो हम सरकार को पूरा सहयोग देंगे। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं गवर्नर एड्रैस का विरोध करता हूं और आपको धन्यवाद देते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूँ।

श्री भागी राम (एलनाबाद-अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे गवर्नर एड्रैस पर बोलने का समय दिया। इसके लिए में आपको धन्यबाद देता हूं। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी जसविन्द्र सिंह जी बोले अब उन्हीं की पार्टी के दूसरे मैम्बर्ज को आपने टाईम दे दिया।

बैठक का समय निश्चित करना

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी आपको भी बोलने का पूरा समय दिया जाएगा। Hon'ble Members, I request the House to decide how much time it wants to take today.

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हाऊस को दो बजे तक चलाएं क्योंकि सबने खाना भी खाना है।

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, हमें कोई ऐतराज नहीं है, ये जब तक चाहें इस सदन को चलाएं। हमने खाने का इन्तजाम यहीं पर कर दिया है।

शिक्षा मंत्री (प्रो० राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, यह भी एक नई परम्परा बन गई है कि सत्ता पक्ष टाईम बढ़ा रहा है और विपक्ष वाले उसको कम करने के लिए कह रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : जैसा कि लीडर आफ दि हाउस ने सुझाव दिया है कि अपोजिशन वाले जब तक बोलना चाहें बोल लें । मैं भी इस बात को ध्यान में रखते हुए आप सब को बोलने का समय देता हूँ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। ऐसा लगता है कि इस किताब में जो लिखा हुआ है उसको पढ़ने के लिए गवर्नर महोदय के साथ धक्का किया होगा और वे भी इसको पढ़कर वापिस चले गए। अध्यक्ष महोदय, हम इसका धन्यवाद करते अगर इस सरकार के आने से पहले चौधरी बंसीलाल जी ने जो जनता से वायदे किए थे उनको पूरा करते। इस बार इन्होंने नशाबन्दी पर जोर दिया है और पहले इन्होंने नसबन्दी पर जोर दिया था। अब इन्होंने नशाबन्दी को डेढ़ महीने के लिए बढ़ा दिया है, वह क्यों बढ़ाया। अगर ये चाहते तो उसी दिन से नशाबन्दी लागू कर देते।

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ हमारे साथी ने बिजली के बारे में भी कहा है। आज बिजली का बहुत ही बुरा हाल है। पिछले डेढ़ दो साल से किसी भी किसान को ट्यूबवैल के कनैक्शन नहीं मिले हैं और बिजली के रेटस को बहुत बढाया गया है। आज ट्यूबवैल का कनैक्शन लेने के लिए सिक्योरिटी बहुत बढ़ा दी है और आज के जमींदार की हालत भी पहले जैसी नहीं रही है कि वह इतनी सिक्योरिटी देकर कनैक्शन ले ले। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की बहुत सी बातें हैं जिनका जिक्र इस गवर्नर एड्रैस में आना चाहिए था जो कि नहीं आया है। इसके साथ ही आदरणीय चौधरी देवी लाल जी की सरकार के वक्त में सड़क के साथ लगते पेड़ों का आधा हिस्सा किसानों का और आधा हिस्सा सरकार का रखा था। भजनलाल जी की सरकार ने वह शायद बंद कर दिया। हम सोचते थे कि शायद बंसीलाल जी की सरकार इस बारे में कदम उठाएगी क्योंकि वे एक किसान हैं और किसान के घर ही पैदा हुए हैं। इसलिए ये जरूर उस बात को लागू करेंगे लेकिन इस अभिभाषण में हमें इस बारे में कोई चर्चा नहीं दिखायी दी। मैं आपके माध्यम से बंसी लाल जी से कहूँगा कि चौधरी देवीलाल जी ने जो इस बारे में कदम उठाए थे तो ये भी उसी तरह से दोबारा से

उसको करें। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से देवीलाल जी ने अपने कार्यकाल में पढ़े लिखे बेरोजगार नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता देने की स्कीम शुरु की थी लेकिन वह स्कीम आज बीच में ही लटकी हुई है। हमें नहीं पता कि अब इस बारे में क्या होगा ? अध्यक्ष महोदय इस अभिभाषण में सारी बातों को देखने के बाद हमें ऐसा मालूम होता है कि गवर्नर साहब के साथ सही मायनों में एक धक्का ही हुआ है और उनको मजबूर होकर ही यह किताब पढ़नी पड़ी है। हम तो इनका तब धन्यवाद करते अगर कोई इसमें नयी बात हमें दिखाई देती। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्री अध्यक्ष : भागी राम जी, आपके साथ तो बोलने के लिए धक्का नहीं हुआ है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ तो धक्का नहीं हुआ है लेकिन जगन्नाथ के साथ हुआ है। * * * * * * * * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : यह बात रिकार्ड न की जाए। अब चौधरी भजन लाल जी बोलेंगे।

श्री भजनलाल (आदमपुर) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभी थोड़ी देर पहले यहां पर अभिभाषण दिया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। कुछ भाई जरूर इस अचम्भे में होंगे कि भजन लाल अपोजीशन में बैठकर भी समर्थन की बात कैसे कह सकता है। लेकिन मैं समर्थन की बात इसलिए कहता हूँ कि जो नीतियां, जो पोलिसी, जो प्रोग्राम हमारी सरकार ने बताए हुए थे,राज्यपाल महोदय ने भी उन्हीं प्रोग्रामों के बारे में अपने अभिभाषण में चर्चा की है। हमारी सरकार की जो बिजली की बात, पानी की बात एवं लॉ एंड आर्डर की बात थी या हम जो और दूसरी बात करने जा रहे थे, उन्हीं बातों की चर्चा महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में की है। इसलिए यह जरुरी है कि देश और प्रदेश के हित में यह सारी बातें होनी चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि चौधरी बंसीलाल जी की सरकार को बने हुए अभी 15 दिन नहीं हुए हैं इसलिए अभी हम इस सरकार की आलोचना नहीं कर सकते और न ही हमें करनी चाहिए। अभी तो सरकार को पूरा मौका मिलना चाहिए कि यह कुछ करें। अध्यक्ष महोदय, मैं तो एक ही बात कहता हूँ कि ये बिल्कुल निश्चिंत रहें और जो इन्होंने लोगों से वायदे किए हैं, उन वायदों को ये पूरा करें। आपकी सरकार को कोई खतरा नहीं है और न ही आगे भी कोई खतरा होगा। लेकिन जब जनता कहेगी कि इस सरकार का काम ठीक नहीं फिर हम इसका इलाज करेंगे। परन्तु तब तक हम कुछ नहीं बोलेंगे, जिक्र नहीं करेंगे। हम चाहते हैं कि जो उन्होंने जनता से वायदे किए हैं उनको ये पूरा करें। आपने जो बहुत सी अहम बातें की हैं तो मुझे नहीं लगता कि आप उनको पूरा कर पाएंगे। जैसे इन्होंने कहा कि प्रदेश में शराबबंदी होनी चाहिए। शराबबंदी के बारे में हमने कदम उठाए। अध्यक्ष महोदय, आप भी जानते हैं कि हमने पूरे देहात के अंदर एक अप्रैल के बाद से कोई भी शराब ठेका नीलाम नहीं किया और आज भी कोई ठेका गावों में नहीं है। अभी एक सदस्य ने बोलते हुए कहा कि लोग चोरी छिपे शराब बेचते हैं। बेचते होंगे, मैं कब कहता हूँ कि नहीं बेचते होंगे। मैं यह भी नहीं कहता कि चोरी छिपे शराब मेरे राज में नहीं बिकी। उस समय भी बिकती होगी। लेकिन मैं केवल इतना ही कहना चाहूँगा कि यह बहुत अहम मसला है। इसके बारे में कहना आसान है लेकिन इम्पलीमैन्ट करना बहुत मुश्किल है। मुश्किल इसलिए है कि शराब बंदी करने पर कम से कम साढ़े चार सा या पांच सौ करोड़ रुपये के साधन जुटाने होंगे। ये साधन कहां से जुटाए जाएंगे ? अगर साधन नहीं जुटा पाएंगे तो आप जानते हैं कि सरकारी मुलाजिमों की तनख्वाह देनी मुश्किल हो जाएगी। अगर शराब बंद करने की बात होती तो सबसे पहले यह नंबर हमारी सरकार लेती और भजन लाल लेता कि शराब बंद की जाए। अध्यक्ष महोदय, अब

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नही किया गया।

[श्री भजन लाल]

तक पड़ौसी प्रदेशों जैसे राजस्थान, पंजाब, उत्तर-प्रदेश, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश व चंडीगढ़ में शराब बंद नहीं होगी तब तक एक प्रदेश बंद कर नहीं सकता। यह बहुत कठिन काम है, आपने बहुत कठिन बीड़ा उठाया है। अगर आप इसमें सफल हो जाएंगे तो यह एक बहुत बड़ी बात होगी। जितनी शराब आज बिकती है उससे भी ज्यादा दूसरे प्रान्तों से यहां आकर बिकेगी और लोगों की बाकायदा मौज हो जाएगी, लाटरी खुल जाएगी। लोग घर में शराब निकालेंगे। आपको याद होगा कि रोहतक में शराब बंद थी और आपने आने के बाद रोहतक में नाजायज शराब के ठेके नीलाम किए। शराब के बारे में हमने भी पहल की है व आबकारी एवं कराधान विभाग का नाम बदलकर आबकारी व मद्यनिषेध विभाग रखा है और मैंने यह भी कहा था कि हम दूसरे प्रान्तों से बात करेंगे। दूसरे प्रान्तों के मुख्यमंत्रियों से बात करेंगे और जहां सरकार नहीं है वहां गवर्नर से बात करेंगे कि वे अपने प्रदेश में शराब बंद करें ताकि हरियाणा प्रदेश इसमें पहल कर सके। मैं जानता हूँ कि यह एक बहुत कठिन बीड़ा है लेकिन आप कर देंगे तो यह एक बहुत बड़ी बात हो जाएगी और करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी ने 24 घंटे बिजली देने की बात कही है यह भी बहुत अच्छी बात है, मिलनी चाहिए। हमने बड़ा प्रयास किया कि किसान को 24 घंटे बिजली मिले लेकिन बहुत मुश्किल है। हम चुनावों के दौरान लोगों से वोट लेने के लिए बहुत लम्बे-चौड़े वादे करते हैं और लोग उन लम्बे चौड़े वादों में और लुभावनी बातों में बह जाते हैं।उसका नतीजा यह होता है कि जिस कुर्सी पर आज से 15 दिन पहले मैं बैठा था उस पर आज चौधरी बंसी लाल जी बैठे हैं। यह प्रजातंत्र है, प्रजातंत्र में जनता जिसे बैठायेगी, वह बैठेगा। बहुमत आपको भी नहीं मिला, भारतीय जनता पार्टी को भी नहीं मिला, बहुमत हमको नहीं मिला व बहुमत इनको (समता पार्टी) भी नहीं मिला। मैं कहता हूँ कि भा०ज०पा० की मेहरबानी से गठबंधन नहीं होता तो आपकी सरकार भी बन नहीं सकती थी। चौधरी देवीलाल जी भा०ज०पा० से बातचीत कर रहे थे, उनकी बात टूट गई। अगर उनसे गठबंधन हो जाता तो आज जहां आप बैठे हैं वहां भजन लाल बैठता। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : क्योंकि आप दोनों की दोस्ती थी। (हंसी)

श्री भजन लाल : ये भी समझ गए और आप भी समझ गए। हकीकत से इंकार नहीं करना चाहिए। हरियाणा में भा०ज०पा० के 4 संसद सदस्य हैं आपकी पार्टी के 3 और हमारी पार्टी के दो संसद सदस्य हैं। 9 एम०एल०ए० के ऊपर एक एम०पी० है और उसके मुताबिक 36 विधान सभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी की पकड़ है। तो मैं अर्ज करना चाहता हूँ कि भाजपा की मेहरबानी से आपका राज बना है। हम चाहते हैं कि आप दोनों ने मिलकर जो जनता से वायदे किए हैं वे पूरे होने चाहिएं। वादे पूरे होने में हम उस काम का समर्थन भी करेंगे। विघ्न-बाधा डालने की बात होती तो हम भी स्पीकर के पद के लिए किसी को खड़ा कर सकते थे लेकिन हमने कहा कि नहीं स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का इलैक्शन सर्वसम्मति से होना चाहिए। जनता ने जनादेश आपको दिया है चाहे बहुमत आपको नहीं दिया। यहां तो क्या देश में भी कोई पार्टी बहुमत में नहीं है इस बारे जनता को क्या उलाहना दे सकते हैं। अब देश का और प्रदेश का क्या बनेगा क्योंकि देश में और प्रदेश में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। बहुमत तो किसी एक पार्टी को मिलना ही चाहिए था क्योंकि बगैर बहुमत के सरकार कैसे चल सकती है।

विकास तथा पंचायत मंत्री : (श्री जगन्नाथ) भजन लाल जी आप तो कहते थे कि मुझे अकेले को बना दो तो भी मैं सरकार बना दूँगा। (विघ्न)

कृषि मन्त्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने बड़े वायदे किए थे प्रदेश की जनता के सामने। उनका एक वायदा मैं इन्हें याद दिलाना चाहता हूँ और वह यह है कि इन्होंने

Haryana Vidhan Sabha Secretariat LIBRARY 2025 Chandigarh

चुनावों में एक वायदा किया था कि अगर हरियाणा विकास पार्टी और दूसरे विपक्षी दल 30 सीटें भी ले जायें तो मैं अपनी नाक कटवा दूँगा। क्या अब ये ऐसा करेंगे ? (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी चौधरी बंसी लाल जी से प्रार्थना है कि ये कर्ण सिंह दलाल को समझायें क्योंकि ये अब मिनिस्टर हो गये हैं। अगर एम.एल.ए. हों और ऐसी बात करें तो ठीक है लेकिन एक मंत्री को ऐसा कहना शोभा नहीं देता। मिनिस्टर का भी आखिर कुछ कर्त्तव्य होता है। (विघ्न) मेरी बात सुनने की कोशिश कीजिए मैं आपके सारे सवालों का जवाब दूंगा। अगर हरियाणा विकास पार्टी ने समझौता न किया होता तो वह अकेले 12-13 सीट भी नहीं जीत सकती थी। अब दोबारा इस्तीफा देकर और लड़कर देख लो। अब मैदान में उतर कर देखो। मैंने ठीक कहा था कि समझौता न हुआ होता तो आपकी सरकार नहीं बन सकती थी। (विघ्न)

श्री जगन्नाथ : भजनलाल जी आप आदमपुर से इस्तीफा दें दें तो मैं बवानी खेड़ा से इस्तीफा दे दूंगा। (विघ्न)

शिक्षा मन्त्री (प्रो० राम विलास शर्मा) : चौधरी साहब यह बड़ा मुश्किल है अब सीट छोड़ना क्योंकि लुओं में जलकर बड़ी मुश्किल से आये हैं। कहीं जोश में आकर यह भूल न कर लेना। इससे बड़ी गड़बड़ हो जायेगी। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बंसी लाल जी से एक बात और कहना चाहता हूँ कि
13.00 बजे इन्होंने पंजाबी भाषा को प्रदेश में लागू करने की बात कह कर बड़ा ही कमाल किया है। इन्होंने जो 550 पंजाबी टीचरों को लगाने की बात कही है वे पोस्ट हमने पहले ही सैंकशन कर रखी हैं, चाहे तो आप फाइल मंगा कर देख लें यह एक रिकार्ड की बात है। यह कोई नई बात नहीं है। हमने तो यहां तक कहा था कि अगर प्रदेश में एक बच्चा भी पंजाबी पढ़ने वाला होगा तो हम उसके लिए टीचर की व्यवस्था करेंगे। इन्होंने तो चार, दस और अठारह बच्चों की बात कही है। यह बात मेरी समझ में नहीं आती है। हमने सैक्रेटरी को बुलाकर और विचारविमर्श करके यह सब काम किया था। कहीं कोई गलत बात करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। हमने चण्डीगढ़ से लेकर दिल्ली तक और अम्बाला से अमृतसर तक सड़कों पर पंजाबी में यह लिखवाया कि फलां शहर कितने किलोमीटर है। यह आपको हर किलोमीटर पर पंजाबी में लिखा हुआ मिलेगा। आप चाहें तो देख सकते हो।

प्रो० राम विलास शर्मा : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इन्होंने सड़कों पर मील पत्थरों पर पंजाबी में लिखवाया परन्तु कालका से दिल्ली तक किसी पंजाबी ने पंजाबी नहीं पढ़ी। अम्बाला से श्री अनिल विज और सोनीपत से श्री दीवान पंजाबी पढ़ने की बजाय हिन्दी पढ़कर ही इस हाउस में आये हैं। (विघ्न)

श्री भजन लाल : राम विलास जी, यह सामने वाली कुर्सी वहां नहीं जाती। यह कुर्सी जाती है वहां इसका भी ध्यान रखना (हंसी) कोई बात नहीं हम आपको बता देंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, एक इन्होंने रावी-व्यास के पानी की बात कही। बहुत अच्छी बात कही है, मैं मानता हूं कि प्रदेश के अंदर पानी आना चाहिए। हमने भी पूरी कोशिश की। चौधरी बंसी लाल जी ने भी पूरी कोशिश की। मैं नहीं कहता कि नहीं की। लेकिन बात सिरे नहीं चढ़ सकी। हमने कई दफा पंजाब के मुख्यमंत्री स्व. श्री बेअन्त सिंह जी से इस बारे में बातचीत की। मैंने सदन में भी कई बार कहा कि कम से कम बीस बार मेरी मीटिंग बेअंत सिंह जी से हुई और वे बहुत ही अच्छे इन्सान और देश भक्त थे। उनके सामने नेशन की बात थी। उन्होंने कहा था कि भजन लाल जी पानी का आपका हक बनता है, इसमें कोई दो राय नहीं है। उन्होंने कहा था कि

[श्री भजन लाल]

हम पानी देंगे तथा कहा था कि पानी पाकिस्तान को जा रहा है। उन्होंने इस संबंध में वाकायदा स्टेटमैंट दी थी और वह सब अखबारों में छपी थी। लेकिन आप जानते हैं कि पंजाब में कैसे हालात थे। उग्रवादियों ने उनकी हत्या कर दी और यह नहर की बात बीच में ही रह गई। बाद में बराड़ साहब आ गए। मैंने बराड़ साहब से भी 4 बार मीटिंग की चौधरी बंसी लाल जी, बराड़ साहब से पूछना इस बारे में वे आप के पड़ोस में रहते हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि यह मेरे बस की बात नहीं है क्योंकि मैं अभी नया-नया बना हूं। अगर मैं अभी नहर की बात करूंगा तो मेरी सरकार टूट जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं नहर नहीं बना सकता। मजबूर होकर हम सुप्रीम कोर्ट में गए। लेकिन हम पानी के फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट में नहीं गए। चौधरी बंसी लाल जी, अब तो रिकार्ड भी आप के पास है, आप देख सकते हैं कि किस बात के लिए हमारी सरकार सुप्रीम कोर्ट में गई थी। इस बात के लिए ट्रिब्यूनल द्वारा फैसला किया हुआ है। उस ट्रिब्यूनल में भारत का चीफ जस्टिस शामिल है, उसका यह फैसला है कि इतना पानी हरियाणा को मिलना चाहिए। पानी का फैसला हो गया और नहर नहीं बनी इसलिए हमने कहा है कि यह फैसला रिओपन नहीं हो सकता क्योंकि पार्लियामैंट ने यह फैसला किया हुआ है। पार्लियामैंट ने यह ट्रिब्यूनल बनाया था। उसके फैसले को कोई रि-ओपन नहीं कर सकता है। न पार्लियामैंट न हरियाणा। इसलिए हम कहते हैं कि नहर बननी चाहिए। मैं बताना चाहता हूं कि नहर बनाने के लिए हम सुप्रीम कोर्ट में गए हैं। इसकी शीघ्र ही डेट भी लगने वाली है। आप भी पता करवा लें। हम चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट कोई डायरैक्शन दे। हमने याचिका में कहा हुआ है कि या तो भारत सरकार टाईम-बाउंड नहर बनाए, अगर भारत सरकार न बनवाए तो पंजाब की सरकार को बाकायदा सुप्रीम कोर्ट डायरैक्शन दे कि 6 महीने के अंदर-अंदर नहर बनाए। अगर पंजाब भी नहर नहीं बनाए तो हरियाणा को नहर बनाने का अधिकार दिया जाए। तत्पश्चात् ही हम इस नहर को बनाएंगे। हम 6 महीने में इस नहर को बनवा कर तैयार कर सकते हैं। यह हमने नहर बनाने कि सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका दायर की हुई है, इसके अलावा और कुछ नहीं। इसी से ही काम चलेगा। जैसे कि आप जानते हैं कि कावेरी को लेकर तामिलनाडु और कर्नाटक का झमेला था। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने प्रधान मंत्री को आदेश दिया कि 48 घंटे के अंदर-अंदर कावेरी का पानी मिलना चाहिए और वह पानी देना पड़ा। वैसा ही आदेश जब सुप्रीम कोर्ट देगा तब पंजाब में नहर बनेगी वरना यह नहर बनने वाली नहीं है। हम चाहे हवाई बातें कितनी ही कर लें किंतु इन से कोई लाभ होने वाला नहीं है। एक बात आपने असैम्बली में कही कि गंगा से पानी लेने के लिए एक नहर बनाने की प्रोपोज़ल मैंने बनाई थी तथा कहा कि पानी हम लाकर देंगे। यह तो दिल्ली के भागों से छिक्का टूट गया और आप मुख्य मंत्री बन गए। हम भी आप से प्रार्थना करते हैं कि मेहरबानी कर के आप गंगा का पानी लाईए तो हम आपके पैर धो-धो कर पीएंगे। मैं बताना चाहता हूं कि गंगा का पानी लेना हमारे हाथ नहीं है। गंगा पर किसका हक है? कौन लाने देगा गंगा का पानी ? गंगा के पानी पर किस-किस प्रदेश का हक है उसको भी आप अच्छी तरह से जानते हैं। मैं कहता हूं कि जो पानी हमें बंटवारे में मिला हुआ है, उसको तो कोई हमें लाने देता नहीं अगर ज्यादा कहूंगा तो स्टेट के हित में नहीं होगा। फिर भी आप कहेंगे कि भजन लाल ने पानी के केस को खराब कर दिया। हम तो कहते हैं कि पानी आप जरूर लाईए। यह हरियाणा प्रदेश के लिए एक बहुत अच्छी बात हो जाएगी। इसके अलावा आपने बिजली के बारे में कह दिया कि आप किसानों को 24 घंटे बिजली देंगे और ज्यों ही टैस्ट रिपोर्ट आएगी ट्यूबवैल को बिजली का कनैक्शन दे दिया जाएगा। किसान को 24 घंटे बिजली मिले इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। लेकिन किसानों को 24 घंटे बिजली तभी मिल सकेगी, जो प्रोजैक्ट हमने मंजूर कर रखे हैं उनको अगर जल्दी से जल्दी बनाएं और उनको तेजी के साथ इम्पलीमैंट करें। जैसे जसवंत सिंह जी ने बोलते हुए कह दिया कि गांवों में कहीं पर भी 25-25 मैगावाट के प्रोजैक्ट चालू नहीं

है। यह स्कीम सभी जिलों के लिए है। यह किसी एक जगह पर 25 मैगावाट का प्रोजैक्ट लगाने की बात नहीं है। जहां भी जरूरत है वहां पर 25 मैगावाट का प्रोजैक्ट लगे ताकि वहां बिजली की जरूरीयात वहीं से पूरी हो जाए, किसी दूसरी जगह से वहां पर बिजली न लानी पड़े। आप जानते हैं कि अगर हम दूर से बिजली लाते हैं तो उसमें लाईन लोसिज बहुत होते हैं। दूर से बिजली लाने में लाईन लोसिज की बड़ी भारी दिक्कत है। बिजली दूसरी जगह से लाते हैं जैसे एन०टी०पी०सी० से बिजली लाते हैं तो उसमें लाईन लोसिज बहुत ज्यादा होते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने हर जिले में एक 25-25 मैगावाट का बिजली का प्रोजैक्ट लगाने का फैसला किया था। चाहे वह यमुना नगर में थर्मल पावर प्रोजैक्ट लगाने की बात है, चाहे वह हिसार में एक हजार मैगावाट का थर्मल पावर प्रोजैक्ट लगाने की बात है और चाहे वह फरीदाबाद में गैस बेस्ड थर्मल पावर प्रोजैक्ट लगाने की बात है। इन सभी प्रोजैक्टस को आप जल्दी से जल्दी चालू करेंगे तभी किसानों को आप 24 घंटे बिजली दे सकेंगे। दूर से बिजली लाना कोई आसान काम नहीं है। उसमें लाईन लोसिज बहुत ज्यादा होते हैं।

श्री सतपाल सांगवान : आपने अपने समय में कहां कहां पर थर्मल पावर प्रोजैक्ट बनाए ?

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जब तक इन थर्मल पावर प्रोजैक्टस को बना कर चालू नहीं किया जाएगा तब तक किसानों को 24 घंटे बिजली देना मुमकीन नहीं है। अभी थोड़ी देर पहले बोलते हुए जसवंत जी ने कहा था कि पिछली सरकार खेतों से बाढ़ का पानी नहीं निकाल सकी। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हरियाणा प्रदेश में कई जगहों पर बहुत भयंकर बाढ़ आई थी। आज चौधरी बंसी लाल जी मेरी सीट पर बैठे हुए हैं, इनको खुद ही पता है कि उस समय चाहे भिवानी की बात हो चाहे रोहतक की बात हो और चाहे हिसार की बात हो यानि सारे प्रदेश में कहीं पर कम तो कहीं पर बड़ी भारी बाढ़ आई थी। उस बाढ़ के पानी को एकदम कहीं पर निकालना कोई आसान बात नहीं थी। उस समय यह नहीं सोचा जा सकता था कि उस बाढ़ के पानी को तीन साल में भी निकाल देंगे या नहीं लेकिन हमने उस पानी को तीन महीने के अन्दर अन्दर किसानों के खेतों से बाहर निकाल दिया। हमने उस समय यह भी फैसला किया था कि जिस किसान के खेत में पानी खड़ा रह जाएगा उसको तीन हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। कुछ भाई यह कह सकते हैं कि मुआवजा ठीक नहीं बंटा। मैं भी कहता हूं कि मुआवजा बांटने में कहीं कुछ कमी रह सकती है। लेकिन मैं यह बात कह सकता हूँ कि उस समय स्टेट के सभी डिपार्टमैंट्स के सभी अधिकारियों ने बड़ा भारी काम किया और लोगों की राहत दी। एस०डी०एम० से लेकर चीफ सैक्रटरी तक ने उस बाढ़ के पानी को निकलवाने में दिन रात एक कर दिया। सभी अधिकारियों ने उस समय लोगों की बड़ी भारी मदद की। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी हुई है, उस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी बंसी लाल होंगे। उस कमेटी में हमने यह फैसला किया कि बाढ़ की पूरी तरह से रोक थाम होनी चाहिए। चौधरी बंसी लाल जी आप बाढ़ की रोकथाम के लिए पूरी कार्यवाही करें। अब बरसात का मौसम आने वाला है। हम इलैक्शनों में लग गए इसलिए हमारी उस कमेटी की कोई मीटिंग नहीं हो पाई। हमने बाढ़ की रोकथाम के लिए पूरा इन्तजाम किया हुआ है, आप उसको इम्पलीमैंट करें। यदि आप उसको इम्पलीमैंट करेंगे तो लोगों को बाढ़ से बचाया जा सकता है। अभी थोड़ी देर पहले बोलते हुए जसवंत सिंह जी ने कह दिया तीन पुलीस वालों को सजा होने के बाद वापिस सर्विस में ले लिया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि अगर सुप्रीम कोर्ट किसी आदमी को सजा दे दे और वह आदमी सजा काट ले तो सजा काटने के बाद क्या उनको वापिस सर्विस में आने का अधिकार नहीं है ? हमने उस समय जो कुछ किया वह इन्साफ किया है, कोई किसी को रियायत देने वाली बात नहीं है। हमने उनके साथ इन्साफ किया है। सजा काटने के बाद, दण्ड भुगतने के बाद हमने उनको वापिस सर्विस में लिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। राज्यपाल महोदय ने सिर्फ 6 पेज का अपना अभिभाषण

[श्री भजन लाल]

दिया है। मैं तो एक ही बात कहना चाहता हूँ कि यह सरकार चले और जो वायदे ये लोगों से करके आये हैं, उन वायदों को पूरा करें। ये जो अच्छा काम करेंगे, उनको हम अच्छा ही कहेंगे। मैंने शुरू में ही बोलते हुए कहा था कि मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। समर्थन इसलिए कि इस अभिभाषण में जो प्रोग्राम हैं वे हमारे ही तैयार किए गए प्रोग्राम थे बाकि नया कुछ नहीं है। आप इतनी जल्दी नया कुछ कर भी नहीं सकते थे। अंत में अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूँ।

श्री वीरेन्द्र सिंह (ऊचाना कलां) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाषण पर आपने चर्चा करने के लिए मुझे समय दिया, आपका धन्यवाद। यह संयोग की बात है कि राज्यपाल महोदय ने दो महीने के अन्दर अन्दर ही अपना दूसरा अभिभाषण पढ़ा। चौधरी भजन लाल जी जब मुख्यमंत्री थे तो उनका 23 पेज का भाषण था और यह 6 पेज का है। दूसरी तरफ ये कह रहे हैं कि इस अभिभाषण में सारी पालिसी वही है, जो हमारे समय की थी। इसलिए मुझे शक होता है कि इन पालिसियों के कारण कांग्रेस को तो 9 सीटें मिल गई यदि यही पालिसी आपने अपनाई तो आगे आने वाले चुनावों में शायद आपको 9 भी सीटें न मिलें। अब चुनावों में हरियाणा के लोगों ने जो फैसला दिया है, मैं यह समझता हूँ कि यह सही बात है। हरियाणा के लोगों ने फैसला किसी एक पक्ष को बहुमत में लाने का नहीं दिया और न ही किसी गुटबन्दी को बहुमत में लाने का फैसला दिया। शायद हरियाणा में पहली बार हंग विधान सभा आयी है। इसी प्रकार की स्थिति देश की सरकार की है। वहां की सरकार का भी फैसला 27 तारीख को देश की संसद में होगा। यहां बंसी लाल जी ने मुख्यमंत्री के रूप में कमांड संभाली है। मैं कोई भी बात छुपा करके नहीं कहता। बंसी लाल जी को और इनके पार्टनर बी०जे०पी० को भी स्पष्ट बहुमत नहीं मिला बल्कि बहुमत के नजदीक रहे। इस बारे में मैं एक ही बात कहता हूँ कि हरियाणा की जनता के सामने 3 विकल्प थे और उनमें से जो लैसर ईवल था उसका चुनाव करना था। यह सही बात है कि बंसी लाल जी के पक्ष में लोगों का मत था और और इनको जो मुबारिकवाद का पत्र मैंने लिखा उसमें यह लिखा है —

"you are the head and shoulder above than the rest of the present leaders of Haryana."

यह मैं जो शुभ कामना दे रहा हूँ इसके साथ ही साथ सचेत भी करना चाहता हूं। शराब बंदी के बारे में यहां पर चर्चा की। जसवंत सिंह जी ने कहा कि समाज के अन्दर दो वर्ग हैं जिनमें से एक वर्ग को शराब पीनी आती है और दूसरे वर्ग को शराब पीने का पता नहीं है।

श्री जसवंत सिंह : आन ए पायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा। He is misquoting me. मैंने यह कहा कि हमारे यहां पर जो शराब बेची जाती है यह कई जगहों पर दवाई के जो कैपसूल आते हैं उनसे तैयार करके बेची जाती है, जो एक तरह से जहर है। ये जो कह रहे हैं गलत कोट कर रहे हैं। आप चाहें तो रिकार्ड देख सकते हैं। भजन लाल जी ने तीन अफसरों के बारे में कहा कि जसवंत सिंह जी ने कहा कि इन तीन पुलिस अफसरों को नौकरी में क्यों रखा गया, मैंने यह बिल्कुल भी नहीं कहा। सबसे बड़ी कोर्ट ने उनको सजा दी यह एक फैक्ट है। मैंने सिर्फ इतना ही कहा कि यह बात प्रदेश और देश के लिए ठीक नहीं। बड़े-बड़े पुलिस अफसरों को झूठ बोलने के कारण, कानून का उल्लंघन करने के कारण सजा हुई, मैंने यह बात कही थी। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं कण्ट्रोवर्सी में नहीं जाना चाहता, अगर प्रोसीडिंग्ज निकाल कर देखें तो उसका भावार्थ यही मिलेगा कि समाज के अन्दर दो तरह के शराब पीने वाले लोग हैं। एक तो

कैप्सूल और दवाईयों आदि से बनी हुई शराब है जो आमतौर पर गांव के गरीब आदमी पीते हैं। (विघ्न) मैं दूसरी बात कह रहा हूं कि सरकार ने वायदा किया है कि हरियाणा में शराबबन्दी को पूर्ण रूप से लागू करेंगे। यह कदम एक सराहनीय कदम है। इस कदम के साथ साथ हम यह भी जानते हैं कि साथ लगते प्रान्त पंजाब, हिमाचल प्रदेश, यू०पी०, राजस्थान और दिल्ली से शराब बन्दी के बाद इल्लीगल तौर पर स्मगलिंग होगी और उस में पोलिटिकल लोगों का पैट्रोनेज होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय चौधरी बंसीलाल जी से कहना चाहूँगा कि इसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी उनकी उस समय यह होगी इनसे तथा इनकी पार्टी से सम्बंधित लोग इस सिचुऐशन का गलत फायदा न उठाएं। आज गलियारों में लोग यह बात करते हैं कि हरियाणा विकास पार्टी को जो लोग दिन रात एक करके सत्ता में लाए हैं वे इसका गलत फायदा न उठाएं इसलिए मैंने यह बात कही है। मैंने रोहतक से 1968 में ग्रेजुएशन की थी और मैं पहली जमात से लेकर बी०ए० तक वहीं पढ़ा हूँ। अध्यक्ष महोदय, 1966 में हरियाणा बना। रोहतक जिले के अन्दर पूर्ण रूप से शराब बन्दी थी। मेरा अपना अनुभव है कि उन दिनों किसी शराबी को देख कर अचरज होता था। इसके साथ ही मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि यदि सरकार शराब बन्द करना ही चाहती है तो हरियाणा में जो डिस्टिलरीज़ शराब बनाती हैं क्या शराबबन्दी के बाद वहां से शराब की पिलफ्रिज़ नहीं होगी, क्या उनकी बनी शराब हरियाणा में बिकनी बन्द हो सकेगी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर जितनी भी शराब की फैक्ट्रीज हैं, चाहे पोलिटिकल लोगों ने अपनी सम्पत्ति बनाने के लिए ये फैक्ट्रियां लगा ली हैं लेकिन हरियाणा में आपको यह कानून भी पास करना होगा कि हरियाणा में शराब बिकेगी भी नहीं और शराब हरियाणा की फैक्ट्रियों में बनेगी भी नहीं। (थम्पिंग) खासतौर पर उन इलाकों में जहां इमिग्रेशन पापुलेशन नहीं है। मीट या मुर्गे का इस्तेमाल हरियाणा के अन्दर नहीं होता था। मीट या मुर्गे का इस्तेमाल वही किया करते थे जो कि फौज से रिटायर होकर आते थे क्योंकि उनके अपने शौक हुआ करते थे। इन इलाकों में शराब पीना बड़ा अजीब सा लगता है। यहां मीट का इस्तेमाल नहीं होता था सारा इलाका टोटली वैजिटेरियन होता था 95-96 % महिलाएं तो आज भी मीट वगैरह का इस्तेमाल नहीं करती हैं। अध्यक्ष महोदय, देश की सामाजिक संरचना धीरे-धीरे अपना रूप बदल रही है, इसी प्रकार से हरियाणा विधान सभा का भी रूप बदल रहा है। मैं किसी आनरेबल मैम्बर के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूँ लेकिन आप हरियाणा विधान सभा के रिजल्ट्स निकलवा कर देखें की कैसे और कौन लोग हैं और उनकी बैकग्राउंड किस प्रकार की है। उन में से कुछ लोग हरियाणा की असैम्बली में आने की कोशिश कर रहे थे, कुछ आए भी हैं और कुछ नहीं आ सके। किस तरीके से हरियाणा की असैम्बली में घुसने का प्रयास किया गया। किस तरीके से बहुतों को कामयाबी भी मिली और बहुतों को कामयाबी भी नहीं मिल सकी। आज हरियाणा की जनता के सामने सबसे गम्भीर मसला यह है कि उनके विधायक कैसे हों और सरकार कैसी हो। मैं यह बात कहना चाहूँगा कि जिस तरह के सिम्पटमज, जिस तरह की चीजें हरियाणा में उभर कर आई हैं उस से मुझे डर लगता है कि सियासत के नाम पर जो सियासत करने वाले लोग हैं वे शायद अपने घर बैठे रह जाएं और वर्चस्व उन लोगों का बन जाए जो कि सियासत के लायक नहीं है। आज किसी नेता के पास कोई आदमी चला जाए और वह कहेगा कि चौधरी साहब, बंसी लाल जी, भजन लाल जी या चौटाला जी मुझे टिकट दें। उससे पूछा जाए कि क्यों आपको टिकट दिया जाए तो वह कहेगा कि मेरे पास पैसा है, मैं चुनाव जीत सकता हूँ, मैं पैसा खर्च करूंगा और लोगों को अपने पक्ष में कर लूँगा। अगर कोई आदमी यह कहे कि मैं गरीब आदमी हूँ, मैंने जन-सेवा की है, मैं लोगों से जुड़ा हुआ हूँ मुझे मौका दो तो उस आदमी को मौका देने की हिम्मत नहीं है। यह बड़ा भारी फिनोमना हरियाणा की राजनीति में उभर कर आया है। आज यहां पर जहां मैं राजनैतिक दलों को दोषी मानता हूँ, वहीं पर लोग भी इस लपेट से बाहर नहीं है। कौन-कौन लोग चुनकर आए हैं। मैं चाहूँगा कि कोई सोशल-साईंटिस्ट इस पर पूरा अध्ययन करे।

[श्री वीरेन्द्र सिंह]

अभी जसवंत सिंह जी ने बिल्कुल ठीक कहा कि पुलिस अधिकारी सजा काट कर आ जाए और भजन लाल जी कहें कि कोई बात नहीं। मैं यह कहना चाहूँगा कि राजनीति के अन्दर आपने एक लाख पैंतीस हजार रु० की लिमिट से उपर चार हजार खर्च कर दिए तो आप सब जुडिशियल डिसक्वालीफाई हैं, जबकि आपको किसी सैमी जुडिशियल या जुडिशियल कोर्ट से सजा नहीं हुई है। उस स्थिति में राजनैतिक आदमी पर प्रतिबन्ध 6 साल का है लेकिन एक ब्यूरोक्रेट, एक आफिसर या एक पुलिस अधिकारी अगर वह सजा काट कर आता है और वापिस आकर वह यह कहे कि मैं सर्विस कन्टीन्यू रखूंगा that has to be seen. मुख्य मंत्री जी आपको इसके बारे में सोचना पड़ेगा। आपने सत्तासीन होते ही कितने ही आफिसर्ज का ट्रांसफर किया है और कितने ही आफिसर्ज का अभी करेंगे। यह क्यों है। मुझे अफसोस है कि राजनैतिक नेताओं ने अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए आज हमारी नौकरशाही को भी अपना पक्षधर बनाया है। कोई किसी के पक्ष में है और कोई किसी के। जबकि पहले कभी ऐसा नहीं होता था। आपने शायद आर्डर लागू किया होगा कि डिप्टी कमीशनर पुलिस कप्तान और सुप्रिन्टैंडैंट इन्जीनियर की कान्फीडैंशियल रिपोर्ट लिखेगा। आपने इस कदम को अपने समय में क्रियान्वित किया और आपको अपने समय में सक्सैस भी मिली। अगर डिप्टी कमीशनर को पूरा अख्तियार दे दिया गया तो पुलिस कहां तक काम करेगी। कहां तक निष्पक्ष होकर काम करेगी, कहां तक विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष निष्पक्ष काम करेंगे। वे डिप्टी कमीशनर की तरफ देखेंगे और डिप्टी कमीशनर मुख्यमंत्री की तरफ देखेगा। तो टोटल सैन्ट्रलाईजेशन, पावर का केन्द्रीयकरण भी प्रजातान्त्रिक ढ़ाचे के लिए ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने बड़े लम्बे समय के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी को सुशोभित किया है। मैं यह समझता हूँ कि इसके कारण में हो सकता है किसी राजनैतिक कम्पलशन से इन्होंने कोई ऐसा फैसला लिया हो जिससे कि सत्ता का केन्द्रीयकरण करने की जरूरत पड़ी हो। आज भी जरूरत हो सकती है, लेकिन यह ठीक है कि ये मैजोरिटी में नहीं है। इससे भी प्रदेश को बड़ी हानि पहुँची है। भजन लाल जी आज जो 9 सदस्यों के दल के नेता बने बैठे हैं, उनकी सबसे बड़ी अगर कोई उसमें जिम्मेवारी है तो वह यह कि इन्होंने भी अपने शासनकाल में सत्ता को अपनी मुट्ठी से बाहर नहीं होने दिया। यदि कभी इनकी मुट्ठी खुली तो वह केवल आदमपुर या कालका में ही खुली। परन्तु इनके समय में एम०एल०ए० या मिनिस्टर की भी इतनी ताकत नहीं थी कि वह उसका उपयोग करके अपने मतदाताओं का भला कर सके। इसी कारण मैंने तो भजन लाल जी से ऐसी बातों के बारे में बार-बार कहा जिसकी वजह से मेरे इन से मतभेद भी हुए और मैं मंत्रीमंडल से तथा पार्टी से भी निकाला गया। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं आज भी यह बात कहता हूँ कि चौधरी बंसी लाल जी की आज 79 साल की उम्र हो गयी है और जैसा मैंने कहा you are the head and shoulder above than the rest of the present leaders in Haryana तो आज सत्ता के विकेन्द्रीकरण की जरूरत है। आज जो आपने मंत्री बनाए हैं मैं उनको मुबारकबाद देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि आज प्रजातांत्रिक प्रणाली के मार्मज टूट चुके हैं इसलिए आज होता यह है कि लोग उकसाने के लिए यह पूछते हैं कि तुम कब मंत्री बन रहे हो, बहिन जी आप कब मंत्री बन रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं जब आज से बीस साल पहले असैम्बली में आया था तो मैंने यह कभी नहीं सोचा था कि मैं शुरु में ही मंत्री पद ग्रहण करूँगा। लेकिन आज तो जीतने से पहले ही, चुनाव लड़ने से पहले ही लोग यह सोचते हैं कि मैं मंत्री बनूंगा और मंत्री बनते ही अपने पद का इस्तेमाल करूँगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आज भी यह कह सकता हूँ कि इन्होंने जो 9-10 मंत्री बनाएं हैं, उतने तो ठीक हैं लेकिन अगर आप 10 या 15 मंत्री और बनाते हैं तो मैं यह कहूँगा कि फिर तो आप पोलिटिकल कम्पलशन बनाओगे। भजनलाल जी ने तो 35 या 36 लोगों को मंत्री बनाया था लेकिन हमने तो इनसे तब भी कहा था कि आप कम से कम सुभाष बत्रा जैसे को तो मंत्री न बनाओ। (विघ्न) मैं भी

उस मंत्री मण्डल में था इसलिए तो मैं भी भुगत रहा हूँ। वरना वहां न बैठते। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी से हरियाणा के लोगों को बहुत आशाएं हैं। भजनलाल जी ने तो शायद टैक्नीकली या पोलिटिकली यह बात कही कि हम इनकी अच्छी बातों का समर्थन करेंगे लेकिन मैं यह बात दिल से कहता हूँ कि अगर आप का एक भी कदम लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने की कोशिश करेगा, अगर आपका एक भी कदम राजनीतिक और सामाजिक वातावरण से करप्शन या भ्रष्टाचार नाम की बीमारी को खत्म करेगा तो हम उसका दिल खोलकर समर्थन करेंगे और सिर्फ असैम्बली में ही नहीं समर्थन करेंगे बल्कि हरियाणा में लोगों के सामने भी समर्थन करेंगे। परन्तु मैं यह भी कहता हूँ कि विपक्ष की पार्टी होने के नाते हम उन बातों का जोरदार विरोध भी करेंगे जो जनहित के खिलाफ होंगी। आपकी जो भी प्रायोरिटी हैं उनको तय करते वक्त आप हरियाणा के लोगों के हितों का अवश्य ध्यान रखें। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैंने पहले भी कहा कि बहुत सी ऐसी पार्टियां हैं जो धर्म के नाम पर चुनाव जीतने में कामयाब हुई हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में एक परम्परा रही है कि हरियाणा के अंदर गरीब आदमी कभी भी समाज से दूर नहीं समझे गए, कभी भी उनका तिरस्कार नहीं किया गया है। हमारा सामाजिक तौर पर ताना बाना इतना मजबूत है कि हमारे गावों में गरीब से गरीब भाई को अगर बड़े नाते में हमारा चाचा लगता है तो उसको चाचा कहते हैं अगर वह ताऊ लगता है तो उसको ताऊ कहते हैं और अगर वह ताई लगती है तो उसको ताई कहते हैं। हमने शहर में रहने वाले पड़ौसी और देहात में रहने वाले लोगों को कभी भी डिसटिंगविश करने की कोशिश करने नहीं की। अगर मुस्लिम बिरादरी का भाई है, बड़ा भाई है तो उसे बड़ा भाई कहा है, अगर वह रिश्ते में दादा लगता है तो दादा कहा है, यह हमारी संस्कृति रही है। कांग्रेस पार्टी धर्मनिरपेक्ष ताकतों को इस देश की राजनीति के अंदर प्राथमिकता देती रही है और उनका राजनीतिक जीवन वहां से शुरु हुआ। आज उनके ऊपर बड़ी जिम्मेवारी है कि हरियाणा के लोग कहीं रास्ते में भटक न जाएं, कहीं धर्म के आधार पर आपस में एक किस्म की ईर्ष्या न पैदा हो जाए। इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि मेवात में रहने वाले अनेकों मुस्लिम भाई देश छोड़कर नहीं गए। यह उनके देश प्रेम की बात थी। उनको यह भी पता था कि जब धर्मान्धता छा जाएगी तो तकलीफ हो सकती है। आज आपने पंजाबी भाषा को सैकिण्ड लैंग्वैज का दर्जा दिया है, मैं आपको मुबारिकवाद तो देता हूँ लेकिन आज भजन लाल जी की बात पर शक होता है कि इन्होंने तो बहुत दिन पहले पंजाबी भाषा को सैकिण्ड लैंग्वेज का दर्जा दे दिया था और अब कहते हैं कि फाईल में पड़ा रहा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहूंगा कि पंजाबी भाषा को सैकिण्ड लैंग्वेज का दर्जा देना सिर्फ यह नहीं कि मील के पत्थरों पर इसको लिखवा दिया जाए। यह मतलब नहीं की स्कूल में 4 बच्चे अगर पंजाबी भाषा पढ़ने वाले हों तो उनके लिए अध्यापक नियुक्त कर दिए जाएं। जो बच्चा जिस माँ-बाप के यहाँ जन्म लेता है, जो उसकी मातृभाषा है उसका सर्वांगीण विकास, उसकी टोटल डिवैल्पमैंट अगर हो सकती है तो वह तब हो सकती है जब उसको इन्टर एक्ट कर सके। दूसरे की भाषा में वह शब्द कभी नहीं मिलते जो उसका सर्वांगीण विकास कर सकते हैं। इसलिए यह जरूरी नहीं कि आप किन्हीं चार या दस बच्चों के लिए टीचर प्रोवाईड कर देंगे तो सैकिण्ड लैंग्वेज हो गई। हर सरकारी दफ्तर में अगर कोई पंजाबी में पत्र जाता है तो पूर्ण व्यवस्था हो कि पंजाबी में ही उसका जवाब जाए। हरियाणा की हर अदालत में विभिन्न प्रकार के मुकदमें चलते हैं, उन मुकदमों में अगर कोई पंजाबी में दलील देता है, पंजाबी में कंपलेंट फाईल करता है तो उसकी रिकार्डिंग उसी भाषा में हो। इसके साथ-साथ जैसा मैंने कहा कि बच्चे का विकास उसकी मातृ-भाषा पर आधारित है। ऐसी व्यवस्था की जाए कि पंजाबी साहित्य और दूसरी जो चीजें हैं, जो पंजाबी भाषा से, पंजाबी कल्चर से जुड़ी हुई हैं उनके विकास के लिए पूर्ण व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी है और यह बात यूँ ही खत्म नहीं होती। पंजाबी भाई 38 परसैंट पर पहुँच गए, ऐसी बात नहीं है, मेरे चार साढ़े चार परसैंट सिख भाई हैं और 9 परसैंट भाई ऐसे हैं जो पाकिस्तान से चलकर आए हैं। जब इनका मतलब होता है तो दिलू राम भी उस 38 परसैंट में आ जाते हैं और जब मतलब निकल जाता है तो दिलू राम भी शिडयूल्ड कास्ट हो जाते हैं, बाजीगर हो जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि विकास के लिए जहां हमने

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

सुविधाएं देने का निर्णय किया है उसी प्रकार जो हमारी मुस्लिम पापुलेशन मेवात के इलाके में कंस्ट्रेट करती है, वे सुविधाएं मेवात के इलाके में भी हमें प्रदान करनी चाहिएं। एक और बात मैं कहना चाहूँगा जो बिजली से संबंधित है। चार साल तक देवी लाल जी, उनके बेटे का, श्री हुकम सिंह जी और बनारसी दास गुप्ता जी का राज रहा उसके बाद पाँच साल तक भजन लाल जी का शासन रहा। इन नौ सालों में हरियाणा के अन्दर कोई बड़ा कारखाना लगाने में हम कामयाब नहीं हुए। कोई भी सरकार यह काम नहीं कर सकी। भजन लाल जी हर बात सफाई से ऐसे कहते हैं कि जैसे वे ही सिर्फ सच्चे हों बाकी सब झूठे हों। मैं जब कांग्रेस पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष था और हम चुनाव जीतकर आये तो भजन लाल जी हमारे नेता चुने गये और सदन में मुख्यमंत्री का पद ग्रहण किया। उस समय हमने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि हम राबी-ब्यास का पानी हरियाणा में ले आयेंगे और यह हमारी प्राथमिकता होगी जोकि आज की सरकार की भी प्राथमिकता है। इस सदन में ऑन दी फलौर आफ दी हाउस यह कहा था कि हम छः महीने के अन्दर नहर पूरी करवा देंगे। जब एक साल पूरा हो गया तो मैंने भजन लाल जी से कहा कि एक साल हो गया और हमने तो छः महीने की बात की थी । तो भजन लाल जी ने कहा कि जब काम शुरू होगा तभी से छः महीने शुरु होंगे। यह निश्चित थोड़े ही है कि छः महीने फलां दिन पूरे हो गये। राजनीति के अन्दर कुछ तो हमें कमिटमैंट पर चलना पड़ेगा। आजकल क्या है मैं किसी पर आक्षेप नहीं करना चाहता। आज कल मैनेजबिल्टी की राजनीति है कि कौन किस तरह मैनेज कर सकता है। जो मैनेज करता है वह राजनेता बनता है, लोक नेता कोई नहीं है। अध्यक्ष महोदय, एक होता है लोक नेता और दूसरा राजनेता। हरियाणा और इस देश की राजनीति पर पिछले 5-6 सालों से राजनेताओं ने काबू पाया हुआ है। जब तक राज नेता लोक नेता नहीं बनेगा तब तक अल्पसंख्यक, पिछड़े और दलित वर्ग की समाज में कोई बात सुनने वाला नहीं है। आज मुझे अफसोस है क्योंकि मैं भी कांग्रेसी विचारधारा से जुड़ा हुआ हूँ। मुझे दुख हुआ जब मैंने गाँव में यह सुना कि हरिजन और पिछड़े वर्ग कांग्रेस के साथ नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

मैं अल्पसंख्यकों और माईनोरिटी के लोगों की बात कह रहा हूँ। जो बैकवर्ड क्लास के लोग हैं, शिड्यूल्ड कास्ट हैं, जो कांग्रेस की कभी रीढ़ की हड्डी होते थे, आज वे कांग्रेस से दूर थे। इस बात का हमें दुख है। कहीं इनकी दूरी से इस देश के प्रजातंत्र में, इस प्रान्त के प्रजातंत्र में वह शक्ति हवा न हो जाये। जो राजनीति जाति के आधार पर चलती है, जो राजनीति को धर्म के उन्माद के सहारे जलाते हैं, ऐसी ताकतों को अगर किसी पार्टी से दूर न रखें तो मैं समझता हूँ कि हम भटकाव में हैं और समाज का वह अंग भटकाव में है क्योंकि this brings disintegration. बड़ी भारी दुविधा होगी देश के लिए, समाज के लिए और व्यवस्था के लिए। मैं बिजली की बात कह रहा था। बिजली की बात मैं आप से सिर्फ इतनी कहना चाहता हूँ कि नौ साल तक कोई नया कारखाना नहीं लगा। अब भी भजन लाल जी जो बात कहते हैं, वह कागजों में ही है कि 1000 मैगावाट की हिसार में, 750 मैगावाट का यमुनानगर में और 400 मैगावाट का प्लांट फरीदाबाद में लगाने के लिए मंजूर हुआ। इनको लगाने में पाँच साल लग जायेंगे क्योंकि किसी भी थर्मल पलांट को पूरा करने में पाँच साल से कम समय नहीं लगता है। इसका मतलब यह हुआ कि हरियाणा में पिछले नौ साल से जो बिजली की मांग है वह अगर 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष के हिसाब से बढ़ेगी तो वह दुगुनी हो चुकी है। अगले पाँच साल में वह डेढ़ सौ गुना हो जाएगी यानि 150 प्रतिशत हो जाएगी और कारखाने तब तक तैयार नहीं होंगे। इसलिए मैं आप से यह निवेदन करना चाहता हूँ कि आपको बिजली बोर्ड चाहे कोई फिगर दे लेकिन आप यह बात मान कर चलें कि लाईन लौसिज 40 प्रतिशत से कम नहीं हैं। अगर 40 प्रतिशत से कम बिजली बोर्ड आपको सूचना देता है तो वह गलत है। उसमें कोई सत्यता नहीं है। जब प्राईवेट तौर पर वे खुद कहते हैं कि 15-16 प्रतिशत से ऊपर लाईन लौसिज नहीं हैं तो हमको जवाबदेह होना पड़ता है। 40 प्रतिशत लाईन लौसिज़ की बजाए 16 प्रतिशत तो हम मान सकते हैं इस बारे

में इन डयू कोर्स, ट्रांसमिशन में मान्यता मिल सकती है। इसका मतलब यह है कि 24 प्रतिशत कोई लाईन लोसिज़ नहीं है। वह बिजली की चोरी है। चाहे वह कंज्यूमर करता है, चाहे अधिकारी करवाते हैं, चाहे इंजीनियर्ज करवाते हैं। मुझे इस बात की कोई चिंता नहीं है चाहे कोई नाराज हो या खुश हो। यह हकीकत है। इस बीमारी को आपको बंद करना पड़ेगा। इस बीमारी को आप बंद कर सकें तो एक तिहाई बिजली आप को सरप्लस मिलेगी।

दूसरी बात जो मैं कहना चाहता हूं, भजन लाल जी भी इस बात के पक्षधर हैं और प्रोफैसर साहब ने तो लिब्रलाईजेशन पर बहुत बड़ा भाषण दे दिया। मैं पूछना चाहता हूँ कि आप लिब्रलाईजेशन के नारे के तहत बिजली बनाने के काम का प्राईवेट सैक्टर को अख्तियार दे रहे हैं और उनसे बिजली खरीद कर फिर आगे सप्लाई करने की बात कर रहे हैं। अगर किसी प्राईवेट सैक्टर को आपको बिजली देनी है तो उसके लिए हमें कोई आपत्ति नहीं है। चाहे वह विदेशी कंपनी हो, चाहे बहुराष्ट्रीय कंपनी हो चाहे देश की कंपनी हो। लेकिन "उसी का पुत्र और उसी का चून" वही बिजली बनाए, वही बिजली सप्लाई करे और वही बिल इक्ट्ठा करे। बिजली बोर्ड बीच में क्यों आए ? मुख्यमंत्री जी, अगर बिजली बोर्ड से 3 करोड़ यूनिट के करीब एवरेज हम लगाएं कि बिजली हमें मिल रही है, उसमें से मैं मानता हूँ कि एक करोड़ यूनिट से ज्यादा हमें बिजली भाखड़ा सिस्टम, दूसरा सलाल वगैरह या जो हाइड्रो प्रोजैक्ट है, उन से मिल रही है और उनमें खर्चा भी 17 पैसे प्रति यूनिट का है। दूसरी बिजली का खर्चा डेढ़ रुपए आता है और फिर हम किसान को यह कहते हैं कि क्या करें तुम्हें तो हम पचास पैसे के हिसाब से बिजली देते हैं। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि हरियाणा में अगर औद्योगिक विकास करना है तो औद्योगिक नगरियों की बिजली चाहे वह फरीदाबाद है, चाहे वह यमुनानगर-जगाधरी है, चाहे वह पानीपत है, चाहे वह हिसार या गोहाना है। इन पांचों औद्योगिक नगरियों के औद्योगिक विकास को बूस्ट देने के लिए वहां की टोटल बिजली किसी बड़े प्राईवेट सैक्टर में दे दें। मैंने पिछली बार भी इसी सदन में जब मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी होते थे, बात की थी। आप नोएडा का एक्जैंपल लें। नोएडा के अंदर उन्होंने एक सिस्टम इवोल्व किया हुआ है और वह सिस्टम ग्रेटर नोएडा है जिसमें फ्री ट्रेड जोन भी है। सारे ग्रेटर नोएडा को कलकत्ता की एक कंपनी ने बिजली सप्लाई करने का ठेका लिया था। शुरुआत में क्योंकि उन्होंने अपना प्लांट पुट-अप करना था इसलिए शुरु में उन्होंने 25 मैगावाट बिजली उत्तर प्रदेश बिजली बोर्ड से ली। उस समय श्री मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री होते थे। अगर मैं गलत नहीं हूँ तो उस बिजली की सप्लाई हेतु जो एग्जिस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर था, उसके थ्रू उन्होंने वहां के टोटल ग्रेटर नोएडा को सप्लाई करने की बात कही। फिर कहा गया कि 3 साल के अंदर 75 मैगावाट का वहां एक पावर प्लांट लगाकर टोटल नोएडा की बिजली वहीं बनाएं, वहीं सप्लाई करें और वहीं बिल इकट्ठा करें। चाहे डेढ़ रुपए प्रति यूनिट हो, चाहे दो रुपए या 2-50 रु० हो। इसी तरह से हरियाणा के बच्चों, नागरिकों तथा उद्योगपतियों को 24 घंटे बिजली मिल सके, यह मेरी आकांक्षा है। उद्योगपति यह बात कहता है तथा मैंने खुद सुना भी है कि जब लोड शैडिंग होता है, पावर कराईसिस होता है तो मैं सैकड़ों ऐसे उद्योगपतियों के नाम बता सकता हूँ जो फरीदाबाद में अपने बच्चे रखते थे लेकिन वे आज अपनी कोठियां दिल्ली में बनाए हुए हैं। आप उद्योगों को बिजली मिलने की बात छोड़ें बिजली तो पढ़ने वाले बच्चों को नहीं मिलती। जो पैसे वाले आदमी हैं वे कहीं पर भी रह कर अपना काम चला सकते हैं। इसलिए मैं अपने आंकड़ों के हिसाब से कह सकता हूँ कि इन पाँच शहरों की जो बिजली बचेगी वह टोटल बिजली की 25 परसैंट के बीच में होगी। वह 25 परसैंट बची हुई बिजली और लाईन लोसिज की 24 परसैंट बिजली यानि 49 परसैंट अलग बिजली आप किसानों के खेतों को, हरियाणा प्रदेश के दूसरे नगरों को, हरियाणा प्रदेश के दूसरे उद्योगों को, हरियाणा प्रदेश के दुकानदारों और कमर्शियल एस्टैब्लिशमैंटस को दे सकते हो। उसमें से आधी बिजली जैसे मैंने कहा 17 पैसे पर यूनिट के हिसाब से है,

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

इस बात को आप गहराई से देख सकते हैं। इन्होंने जो फैसला किया वह तो गुलाम बनाने की बात है। इनका फैसला तो यह है कि बिजली कोई और बनाएगा और उसको बिजली बोर्ड खरीदेगा और बिजली बोर्ड उसको आगे सप्लाई करेगा। बिजली बोर्ड पता नहीं वह बिजली अढ़ाई रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बेचेगा या चार रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बेचेगा या 6 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बेचेगा। जो इजराईल की कम्पनी के साथ समझौता हुआ उसके मुताबिक मुझे यह पता लगा है कि हो सकता है वह बिजली 8 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से पड़े। (शोर)

श्री भजन लाल : यह गलत है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : यह फैक्ट है। चौधरी साहब यह भी आप की गलती थी कि आपने हमारी बातों को गहराई से नहीं लिया। आपने हमारी बातों को पार्टी मीटिंग में नहीं सुना, आपने हमारी बातों को नकार दिया। मुझे इस बात का बड़ा दुख है।

श्री भजन लाल : आपकी कोई बात ठीक होती तो हम मानते।

श्री बीरेन्द्र सिंह : हमारी बातें तो ठीक ही होती थीं। उस समय आप कहते थे अरे बीरेन्द्र, मैं कहता था हाँ जी मुख्यमंत्री जी। आप कहते थे तू तेरे पांच नाम दे दे तेरे पाँच सिपाही लगा देंगे। (हँसी) मैं यह चाहता हूँ कि पार्टी की बातें यहां पर न हो तो अच्छा है।

प्रो० राम विलास शर्मा : यह तो सरकार है इसमें transparency is our first priority. बीरेन्द्र सिंह जी आपने बहुत अच्छी बात कही है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : हमारी पार्टी मीटिंग हुई उसमें मुख्यमंत्री जी ने कहा ऐसा है कि एक हजार पुलिस कांसटेबल्ज लेने हैं तुम अपने पांच आदमियों के नाम दे दो।

श्री भजन लाल : मैंने ऐसा कभी नहीं कहा।

श्री बीरेन्द्र सिंह : आपने यह कहा कि पाँच आदमी आपके भी एडजैस्ट हो सकतें हैं। उस समय इन्होंने आदमपुर हल्के के बालसमंद गांव में स्पीच दी जिसका टेपरिकार्डिड वर्शन मेरे पास है। इन्होंने उस समय यह कहा कि बालसमंद के लोगों अब की बार जो पटवारी छांटे हैं उनके अन्दर आपके गाँव के 17 पटवारी लिए हैं और आदमपुर हल्के के 300 पटवारी लिए हैं। ऐसे ऐसे हल्के भी हैं जिनके हिस्से में चार-चार पटवारी भी नहीं आए।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी काफी पुराने मैम्बर हैं और मैम्बर पार्लियामैंट भी रहे हैं और ये पार्लियामैंट की प्रथा को अच्छी तरह से जानते हैं। यह मामला सबजुडिसियस है और कोर्ट में चल रहा है। इसलिए इनको ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए जिसका कोर्ट में कोई असर पड़े। मैंने इनको यह भी नहीं कहा कि आप पाँच आदमियों के नाम मुझे दे दें, सिपाही लगा दूँगा। जो इन्होंने आदमपुर हल्के के बालसमंद गांव की टेप रिकार्ड की बात कही है, उसमें ऐसी कोई बात साबित होने वाली नहीं है। आदमी को ऐसी बात कहनी चाहिए जो ठीक हो। इनकी इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। **(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)**

श्री बीरेन्द्र सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, मैं चौधरी भजन लाल जी को एक बात याद दिलाना चाहता हूँ। मैं यह बात कहना नहीं चाहता था लेकिन हमारे यहाँ ऐसी प्रथा बन गई है कि जो आदमी आउट ऑफ पावर हो जाता है उसके बारे में आने वाले मुख्यमंत्री का यह एटीच्यूड हो जाता है कि छोड़ो यह बात हो

ली तो हो ली। लोगों ने इसको हरा दिया, इसको सजा मिल गई लेकिन मैं यह बात नहीं मानता। लोगों के हराने से किसी पार्टी को तो सजा मिल सकती है उसका मुझे दुख है लेकिन पार्टी के नेता को सजा नहीं मिलती। चौटाला जी चले गए भजन लाल जी आ गए, इन्होंने कहा कि जो कुछ कर लिया कर लिया। चौधरी बंसी लाल जी आप भी कल यही बात कह रहे थे, ऐसा मत करें कुछ सोचो। जाने वाले मुख्य मंत्री ने जो कर लिया सो कर लिया यह ठीक बात नहीं है। आप कल यहाँ पर बैठे हुए ऐसी ही बात कर रहे थे कि यह बात छोड़ो। और कुछ नहीं तो आप इस बारे में एक श्वेत पत्र ही जारी कर दें।

श्री भजन लाल : आपको तो डिसमिस कर रखा है, आप के बारे लोग यही कहेंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह : चौधरी साहब डिसमिस होता तो लोग भी मुझे डिसमिस कर देते। डिसमिस तो आप हुए हैं। आप 63 आदमियों में से 9 रह गए हैं।

श्री भजन लाल : 9 बार जीत कर आया हूँ।

श्री बीरेन्द्र सिंह : चार बार जीत कर मैं भी आया हूँ और जब आपकी उम्र का हो जाऊंगा उस बक्त मैं 11 बार जीत कर आऊंगा और आप 9 पर ही रह जाएंगे। आप 15 साल के बाद देख लेना।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर बोलते हुए बिजली के बारे में चर्चा कर रहा था। मैं कह रहा था कि बिजली की पालिसी के बारे में पूरा रिव्यू करना पड़ेगा। इसमें कोई ट्रांसपेरैंसी वाली बात नहीं चलेगी। इसके लिए बाकायदा आपको कोई ठोस नीति बनाकर काम करना होगा। जिस तरह से बिजली बोर्ड काम करेगा या कार्पोरेशन कोई काम करे, उससे काम चलने वाला नहीं। इसी प्रकार से आपको पानी के बंटवारे के बारे में भी देखना पड़ेगा। मैं आपको बताना चाहूँगा कि दक्षिण हरियाणा की वजह से आपको इधर बैठने का मौका मिला है। आपने हाँसी से लेकर फरीदाबाद तक को एक तरह से स्वीप किया है। इसलिए उन लोगों को पानी देने की जिम्मेवारी आपकी अधिक बनती थी। पानी के बंटवारे के बारे में जब पहले भी बात होती थी तो उस वक्त के मुख्यमंत्री कहते थे कि इस प्रथा को कैसे बंद कर दें। 19 साल से पानी चल रहा है। इसलिए मैं उसको कैसे वापस ले सकता हूँ। सिरसा जिले को या यों कहें कि सारे पानी का आधा हिस्सा हिसार जिले को मिलता है। वी०एम०वी० की कैपेसिटी 4400 क्यूसिक की है जबकि आज के दिन सिल्ट होने की वजह से उसकी कैपेसिटी घटकर 1600-1800 क्यूसिक्स तक रह गई है। इस का अधिक बड़ा भाग पंजाब में पड़ता है। वही एक कैनाल है जो वैस्टर्न यमुना कैनाल को चलाती है। आप देखिए कि जिस कैनाल कि कैपेसिटी सिल्ट की वजह से आधी रह जाये तो फिर पानी की पूर्ति कैसे हो पावेगी। वी०एम०वी० से हमें पूरा पानी नहीं मिल पा रहा। इस नहर की 400 क्यूसिक की कैपेसिटी तो कागजों में है यदि अच्छी तरह सफाई करके इसमें पानी जाये तो 5 हजार क्यूसिक्स तक फालतू पानी हम ला सकते हैं। यदि हम इतना पानी ले आते हैं तो उससे रोहतक जिला, भिवानी जिला व महेन्द्रगढ़ जिले आदि को पानी दे सकते हैं। 1976-77 में हमारे यहां ब्यास नदी का पानी 1.80 मिलिएन एकड़ फीट आ रहा था। हमारा टोटल शेयर 3.50 या 3.85 एम०ए०एफ० है, उस बात में मैं नहीं जाना चाहता लेकिन जो पानी हमारे पास है उसको भी हम ला नहीं पा रहे। अगर हम इस दिशा में समुचित व कारगर कदम उठायें तो हरियाणा के लोगों को सही पानी मिलेगा, ऐसी मेरी सोच है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, मैं मेवात कैनाल की बाबत कहना चाहता हूँ कि कितने सालों से कुछ ऐसे इलाके हैं जिनमें यमुना की बाढ़ आती है। उस पानी को हम फरीदाबाद और गुड़गांव जिलों में सिंचाई के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। श्री कर्ण सिंह दलाल ने इस इलाके में आगरा कैनाल सिस्टम का कण्ट्रोल हरियाणा को देने के बारे में एक मुहिम भी चलाई थी। आगरा कैनाल का कण्ट्रोल तो हरियाणा को नहीं मिलेगा केवल कागजों में लिखने के लिए या नारा लगाने के लिए तो यह हो सकता है लेकिन उसका सही हल नहीं निकल सकता।

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

इसका सही हल यह हो सकता है कि ओखला के हैड पर आगरा कैनाल के साथ हरियाणा अपनी पैरलल कैनाल बना कर उसमें अपने हिस्से का पानी ले ले और अपने इलाके में लाए। इस पर कोई बहुत ज्यादा लम्बा-चौड़ा खर्चा भी नहीं आयेगा, इसलिए इस पर भी विचार किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं यह कहना चाहूंगा कि आज लिब्रेलाईजेएशन की बात चल रही है जो कि बहुत ही प्रासंगिक है। प्रोफैसर साहब ने भी उसके कान्सैप्ट की बात कही है तथा गवर्नमैंट भी चेंज हुई है। यह बात सही है कि लिब्रेलाईजेशन के विरोध में कोई नहीं है। सभी राजनैतिक दल इसके महत्व को समझ रहे हैं। चाहे सी०पी०एम० है या कांग्रेस पार्टी है कोई भी राजनैतिक पार्टी लिब्रेलाईजेशन से भाग नहीं सकती है। आज सारा विश्व एक परिवार बन कर रह गया है। मैं एक बात कहना चाहूँगा कि इस लिब्रेलाईजेशन का फायदा हमें बराबर उठाना चाहिए और वह लाभ हम उठा सकते हैं क्योंकि हमारा एक ऐसा प्रान्त है जहां अब कृषि में कोई रैवोल्यूशन नहीं आ सकता है। पैदावार के मामले में अब सैचुरेशन की स्थिति आ गई है। आज गेहूँ का उत्पादन 70 मन पर एकड़ का है, इससे ज्यादा गेहूँ का उत्पादन नहीं हो सकता। किसान 200 मन प्रति एकड़ गेहूँ की पैदावार नहीं कर सकता। पैदावार सैचुरेशन की स्टेज पर है और किसान की आमदनी बढ़ने का कोई चांस नहीं है। जब कि महंगाई बढ़ रही है और किसान का खर्च भी दिनों-दिन बढ़ रहा है इसलिए एग्रीकल्चर के अन्दर टोटल डाईवर्सिफिकेशन की जरूरत है जिससे किसान की आमदनी बढ़ सके। हालैण्ड एक छोटा सा देश है जो कि 20 हजार करोड़ रुपए के फूल सालाना गल्फ कण्ट्रीज में भेज रहा है जब कि वहां उनको पहुँचाने में 6 घन्टे का समय लगता है। हमारे यहां से गल्फ कण्ट्रीज के लिए तीन या साढ़े तीन घण्टे का समय लगता है। यहां के किसान को फूल की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके साथ ही फ्रैश वैजीटेबल्ज और दूसरी फ्रैश चीजों का उत्पादन करके गल्फ कण्ट्रीज में भेज सकते हैं। जिससे किसान की आमदनी में बहुत ज्यादा वृद्धि हो सकती है। यहां पर अगर हम किसान को ट्रांसपोर्ट की सुविधा उपलब्ध करवा सकें, उसको उचित दाम दिलवा सकें तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। फूल, वैजीटेबल, मिल्क प्रोडक्ट्स और फ्रैश चीजें किसान उन मुल्कों में कई गुणा दामों पर बेच सकते हैं और हम किसान की आर्थिक स्थिति को सुधार सकते हैं। विदेशों के नाम पर जितना जाली धन्धा होता है उससे गरीब आदमी मारा जाता है, वह आदमी जिसको पूरा ज्ञान नहीं वह फंसता है। लोग विदेश जाने के चक्कर में जाली धन्धे वालों के जाल में फंसते हैं। आप विदेशों में जाने के लिए जरूरी जानकारी और सुविधाएं अगर उपलब्ध करवाएं तो विदेश में जा कर आदमी अपनी किस्मत बना सकता है। उसको वीज़ा की सुविधा या जो दूसरी आवश्यक चीजों की जरूरत है वह सरकार दे सकती है, गारन्टी भी सरकार दे सकती है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय एक घंटा बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : बैठक का समय एक घंटा बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंह : बहुत से नौजवान अपने हुनर से टैकनीकल नो हाऊ से और स्किल्ड हुनर से विदेशों में धन कमाने जाते हैं। इसलिए जो लोग विदेशों में जा कर रोजगार करना चाहते हैं उन लोगों को सरकारी तौर पर साधन उपलब्ध करवाए जाने चाहिएं। जैसे वीज़ा है या दूसरी फोरमेल्टिज हैं उनको

एन्श्योर किया जा सकता है। स्पीकर सर, एक बात मैं यह कहना चाहूँगा कि लिब्रेलाईजेशन की पालिसी के तहत अगले 10 साल में दिल्ली के चारों तरफ 100 किलोमीटर तक औद्योगिक विकास होगा जिससे किसानों की ज्यादातर जमीन बीने-खाने के काम की बजाए कारखानों के नीचे ज्यादा आयेगी। मैं आपसे कहना चाहूंगा कि शिक्षा के क्षेत्र में हमें विशेष प्रयत्न करने पड़ेंगे। बड़े-बड़े उद्योग जैसे कि फिक्की है, सी.सी.आई. है, इनके उद्योग लगने से खेती की जमीन की कमी हो जाएगी। जो नए उद्योग खुलेंगे उनके अगले 10 साल का प्रोग्राम मद्देनज़र रख कर अपने यहां के बच्चों को ऐसी शिक्षा मुहैया करवाई जाए ताकि हमारे बेटों को, हमारे भाईयों को और हमारी बहनों को नए खुलने वाले कारखानों में अच्छी जगहों पर

14.00 बजे

नौकरियां प्राप्त हो सकें। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे भी 10-10 और 12-12 हजार रुपए तनख्वाह लेने वाले हों। वरना क्या होता है कि उन फैक्टरियों में बड़े-बड़े पदों पर तो बम्बई से, दिल्ली से, कलकत्ता से और दूसरी स्टेटस से आदमी लगाए जाते हैं और हमारे बच्चों को लेबर का काम मिलता है। आप अपने बच्चों को ऐसी शिक्षा दें जो जॉब ओरिएन्टिड हो और यही सरकार की बहुत भारी जिम्मेवारी है। मुझे उम्मीद है कि आपकी सरकार इस जिम्मेवारी को बहुत अच्छी तरह से निभाएगी। आज किसी राज्य को उदारीकरण के आधार पर वैल्फेयर स्टेट नहीं कहा जा सकता है। आज शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी बहुत कुछ निर्भर करता है और इस बात पर बहुत ध्यान देना होगा। मैं आपको स्वास्थ्य विभाग के हालात के बारे में बताता हूँ। यहां पर बहन करतार देवी जी भी बैठी हैं, इनको भी पता है कि आज डाक्टर जो लगे हुए हैं वे किस तरह के हैं। वे अपनी पी.एच.सी और सी.एच.सी. से ट्रांसफर करवाकर शहरों से कहीं और जाना नहीं चाहतें हैं। इस तरह की तो पहले बातें होती थीं। अध्यक्ष महोदय, मैं इस सरकार से यह कहूँगा कि इस चीज पर इनको पाबन्दी लगानी चाहिए और डाक्टरों के इस प्रकार के एटीच्यूड को बदलना पड़ेगा। यह सरकार चाहे तो दो कैडर बना दे। एक कैडर तो शहरी डाक्टरों का और दूसरा गांवों के डाक्टरों का। इससे यह समस्या बिल्कुल ही खत्म हो जाएगी। इसके अलावा जो आज का एम०एल०ए० है या मंत्री है उसको पता है कि मैं पांच साल के लिए चुन कर आया हूँ, पता नहीं दोबारा से आऊंगा या नहीं। मैं यह कहूंगा कि लोग अच्छे आदमी को दोबारा चुन कर भेजते हैं, उन्होंने अभी काम करने वाले आदमियों को रिजैक्ट करना शुरू नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, जो हरियाणा के लोगों के हितों और अधिकारों का ध्यान रखते हैं, उनको आज भी उन्होंने गले लगाया है। ये जो राजनीति विकृतियां पैदा हो गई हैं, अगर यह सरकार उनको दूर करे तो बहुत ही अच्छा होगा, यह जो नौकरियों को बेचने और डिवैल्पमैंटल एक्टीविटीज में पैसा देने की प्रथा है, इसको भी खत्म करना होगा। अब में आपको बाढ़ के बारे में बताता हूँ। हम भी इसके भुगतभोगी हैं। मेरे गांव में एक गरीब धानक आदमी का मकान था। वह मुझे चौपाल से पकड़ कर अपने घर ले गया और कहने लगा कि आप एक बार तो मेरा घर देख लो। उसके दो कोठड़े थे, दो छोटे कमरे थे। एक कमरे की छत तो नीचे गिरी हुई थी और वहां पर आठ-आठ फुट पानी खड़ा था लेकिन दूसरे कमरे की छत ठीक थी। वहां पर जो लोग नुकसान की असैसमैन्ट करने के लिए गए तो उन्होंने उस ताऊ से कहा कि ताऊ तेरे को तो कुछ भी मुआवजा नहीं मिल सकता। ताऊ कहने लगा क्यों तो उन लोगों ने कहा कि अगर तेरे मकान की दोनों छतें गिर जातीं तब तुझे मुआवजा मिल सकता था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा यह जानना चाहता हूँ कि इस तरह के दोष कहां-कहां हुए ? मुख्यमंत्री जी 600 करोड़ रुपया कोई कम नहीं होता। मैं जानना चाहूंगा कि वह रुपया किस-किस हैड में गया है। कौन कौन से लोगों ने वह रुपया बांटा है और किन किन लोगों को वह रुपया बांटा गया है ? अध्यक्ष महोदय, ये सारी बातें सरकार के सोचने की हैं। भजन लाल जी मुख्यमंत्री रहते हुए जब नरवाना में गए तो वहां पर तो ये दो करोड़ रुपये दे आए लोगों को स्टैनलैस स्टील के बर्तन वगैरह बांटने के लिए लेकिन उसके साथ ही लगते हुए हल्के उचाना कलां में जहां पर नरवाना से भी ज्यादा भयंकर बाढ़ आयी हुई थी,

[श्री वीरेन्द्र सिंह]

इन्होंने एक पैसा भी नहीं दिया। हालांकि वहां भी इनके कार्यकर्ता जरूर होंगे। अध्यक्ष महोदय, नरवाना के लिए तो दो करोड़ रुपये और उचाना कलां के लिए एक पैसा भी नहीं ऐसा क्यों ? लेकिन अगर इस तरीके की बातों को हम आगे के लिए कनैक्ट करके चलें तो लोगों को तसल्ली जरूर होगी। आप बेशक इन पर कोई ऐक्शन न लें लेकिन लोगों को यह पता तो लगेगा कि सरकार को इन विकृतियों का पता लग गया है या सरकार ने ऐसी बातों का पता किया है या सरकार को ऐसी बातों का पता चला है। अध्यक्ष महोदय, ये ही बातें मैं कहना चाहता था। धन्यवाद।

शिक्षा मंत्री (प्रो० राम विलास शर्मा) : स्पीकर सर, चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार का यह पहला अधिवेशन है। पिछले पाँच साल से स्पीकर सर, आप भी हरियाणा के इस सदन में चश्मदीद थे। संयोग और सौभाग्य से तथा हरियाणा की जनता के सहयोग से पिछले 16-17 साल से हम भी इस महान सदन के चश्मदीद रहे हैं। पिछले काफी समय से हरियाणा में कुछ गलत परम्पराएं रही हैं। स्पीकर सर, आज यह जो सरकार बनी है और इस सरकार का यह जो साढ़े पांच पृष्ठ का राज्यपाल महोदय का अभिभाषण है इस पर बोलने के लिए कितनी फ्राख़दिली दिखाई गई है, there is no limit for any Hon'ble Member. आप जितना भी समय हाउस चलाना चाहें, उसके लिए एक खुला निमंत्रण है। चौधरी भजन लाल जी ने ठीक ही कहा है कि हमारी सरकार को बने हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है लेकिन इतने थोड़े समय के बाद भी हमारा सभी भारतीय साथियों को एक खुला निमंत्रण है चाहे वे किसी पार्टी के क्यों न हों। हमारे जो इंडीपैन्डैन्ट भाई यहां पर चुनकर आए हैं उनको भी हमारा ऐसा ही निमंत्रण है। हरियाणा की जनता ने जिस तरह से फैसला दिया है उसको हमने उसी तरह से बड़े आदर के साथ स्वीकार किया है। हमारे जो दूसरे भारतीय साथी हैं वे भी इस सरकार में उतने ही भागीदार हैं और उनके द्वारा कहे गए शब्दों का भी उतना ही महत्व है जितना सरकार के समर्थक साथियों का है इसलिए आज यहां पर एक नई परम्परा पहली बार शुरू हुई है। पहले जब सदन के समय को बढ़ाने की बात आती थी तो सभी कह रहे थे कि दो बजे तक का समय काफी है लेकिन उस समय सदन के हमारे नेता कह रहे थे कि दो बजे तक ही नहीं बल्कि चाहे आज की रात तक सैशन चला लो, कल की रात तक सैशन चला लो, हमें कोई एतराज नहीं है। आज जब विपक्ष समय घटाने के लिए कह रहा है तो सरकार समय बढ़ाने के लिए कह रही है। It is a new phenomena in Haryana Assembly. आज की सरकार ने जिस तरह से लोगों को मान सम्मान दिया, यह एक नयी बात है। अभी चौधरी भागीराम और जसवन्त सिंह जी ने पंजाबी भाषा के बारे में कहा था तो हलवाई से तो बैर हो सकता है लेकिन मिठाई कड़वी नहीं हो सकती। इस सरकार को अभी दफ्तर में बैठे हुए कुछ ही दिन हुए हैं और इस सरकार ने इतने अहम वायदे पूरे कर दिए हैं। अभी चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि शराबबंदी का काम बहुत बड़ा काम है। यह सही बात है और यह बात हमारे मुख्यमंत्री जी के ध्यान में है। वित्त के हिसाब से खजाने की हालत के हिसाब से भी ध्यान में है। उसके बावजूद भी गांव की चौपाल में जो वायदा करके आए थे कि हम सरकार में आते ही हरियाणा में शराब के ऊपर पाबंदी लगाएंगे, उसको सरकार पूरा करेगी। अब चाहे जो रिसोर्सिज हों, चाहे जो भर्ती हो लेकिन हरियाणा की दो करोड़ जनता के सामने जो संकल्प किया है उसे अक्षरश सत्य करके दिखाएंगे। यह इस सरकार का संकल्प है, सरकार की दिल इसमें से नजर आती है। चौधरी भजन लाल और वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि हरियाणा विकास पार्टी और बी०जे०पी० का बहुमत नहीं है। स्पीकर सर, मार्च महीने में जो धड़े मिल कर समझौते की घोषणा करते हैं और इतना भारी मैन्डेट हरियाणा की जनता उनको दे दे यह कोई छोटी बात है। इस संगठन के 44 लोग जीत कर आए हैं और कुछ प्रत्याशी हमारी गल्तियों के कारण 100-200 या 300 वोटों से जीत कर आए और उन्होंने आते ही

कहा कि हम इस गठजोड़ के विचारों के कारण ही जीत कर आए हैं। मार्च में जिस बात का समझौता होता है और अप्रैल में उस पर हरियाणा की जनता फूल चढ़ाती है। ऐसा कभी नहीं होता लेकिन हरियाणा की जनता राजनीतिक तौर पर इतनी सूझ-बूझ रखती है कि इसके लिए हरियाणा की जनता बधाई की पात्र है। आज लोग कह रहे हैं कि कुर्सियां बदली गई, जिसने जो किया उसके काम आया। किसी के हिस्से में गम आया और किसी के हिस्से में जाम आया। हमको इस महान जनता पर विश्वास था। भगवान कृष्ण ने महाभारत से पहले पूरे हिन्दुस्तान की परिक्रमा लगाई और पुण्य का साथ देने वालों की तलाश की गई। यह आज से नहीं है यहां की जनता प्राचीन काल से सही फैसला करने के लिए मशहूर है। आखिर में भगवान श्री कृष्ण सोनीपत और कुरुक्षेत्र के बीच आकर खड़े हो गए। उस समय महाभारत का फैसला हमारे पुरखों ने किया। हरियाणा की बहादुर जनता ने अपनी जमीन पर यह फैसला किया। यह भी कोई महाभारत से कम नहीं था। चौधरी बंसी लाल जी के बारे में भी तरह तरह की बातें लोगों ने कीं। आज लोग महसूस कर रहे हैं। चौधरी भागी राम जी जो बात बिजली के बारे में कह रहे थे, लोग तो उल्टी बात करते हैं। चुनाव के बाद जब हम अपने हल्कों में गए तो लोग कहने लगे कि थम इतनी बिजली कित तै ले आए, खंबे वही तारें वही। बिजली तो जाती ही नहीं। स्पीकर सर, स्पीकर गैलरी में जो जनता बैठी है वह तालीं नहीं बजा सकती। उनके चेहरे की मुस्कान से मैं महसूस कर रहा हूं कि वह इसका समर्थन कर रही है। बिजली कई आदमियों के तो साथ चलती है। इस बारे में हम बोस्ट नहीं करेंगे, गपबाजी नहीं करेंगे। परन्तु इस बारे सदन को अवश्य आश्वस्त करना चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी ने जैसे ही जिम्मेवारी संभाली एक दम जहन ही बदल गया। कुरुक्षेत्र के एक अखबार में लिखा था कि एक वकील के पास एक गांव का किसान आया, एक मुवक्किल आया। यह चुनाव के दौरान की बात है। उस किसान ने वकील से कहा कि उसमें पटवारी इंतकाल के लिए दो हजार रुपये मांगता है। उस वकील ने किसान से कहा कि चुनाव हो रहे हैं दो महीने बैठो चौधरी बंसी लाल की सरकार आने दो, तुम्हारा इंतकाल चार सौ रुपये में हो जाएगा। उस मुवक्किल को तसल्ली हो गई। एक भाई से उसे अखबार की कटिंग मिली। उस कटिंग के बल पर ही इस सरकार ने आते ही पूरे हरियाणा में यह एलान किया कि दो महीने बाद कोई इंतकाल पैंडिंग हुआ तो उसकी जिम्मेवारी तहसीलदार व नायब तहसीलदार की होगी। अपने संकल्पों के प्रति कौन कितना जागरूक है। स्पीकर सर, इस बात का मतलब यहां से निकलता है कि आज गवर्नर महोदय के साढ़े पांच पेज के अभिभाषण पर चर्चा करने की कोई लिमिट नहीं है, कोई सीमा नहीं है कोई कितने घण्टे चर्चा करे। इससे पहले यह बात नहीं थी। इससे पहले राज्यपाल महोदय के 23 पेज के अभिभाषण पर भी हम समय मांगते रह गये थे और वाक आऊट कर गये थे। उस पर 23 घण्टे भी चर्चा नहीं हुई। परन्तु उन सवालों को हम दोहराना नहीं चाहते। पिछले जो दोष हैं उनको हम निकालना नहीं चाहते। हरियाणा की दो करोड़ जनता के संकल्पों के आधार पर चुन कर जनता ने हमें यहां भेजा है, हम उनके उत्तराधिकारी हैं। स्पीकर सर, वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि पांच साल किस ने देखे हैं, उनका यह भ्रम है। भजन लाल जी भी नहीं रहे, आज भजन लाल जी भी उधर बैठे हैं। हमें उम्मीद है कि जनता ने जितने समय के लिए हमें जो जिम्मेवारी सौंपी है उतने समय में इन बातों विगट बड़ी की नौबत नहीं आयेगी। हमें तो संघर्ष झेलने की और विपक्षी धूल खाने की आदत है, आपको तो मालूम है। परन्तु यह सच कांग्रेसी नहीं कर सकते। अभी वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि कुछ राज नेता हैं और कुछ लोक नेता हैं। हमें लोक नेता होने का भ्रम तो नहीं है परन्तु लोक सेवक होने का यकीन जरूर है। स्पीकर सर, शिक्षा के संबंध में वीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक ही कहा है। इससे बढ़कर शिक्षा का महत्व और क्या हो सकता है कि हरियाणा के जो स्पीकर हैं उनको जे०बी०टी०, ग्रेजुएट और प्राध्यापक होने का सौभाग्य प्राप्त है, स्ट्रीट लाईट में बैठकर पढ़ने का और खेतों में काम करने का भी उनको सौभाग्य प्राप्त है। इनका व्यक्तित्व शिक्षा को समर्पित है और आज वे इस महान

[प्रो० राम विलास शर्मा]

सदन के माननीय स्पीकर हैं। डिप्टी स्पीकर महोदय जिनको सभी अवार्ड मिल चुके हैं, जिनको राष्ट्रपति जी का अवार्ड मिल चुका है और वे अम्बाला के एस० ए० जैन स्कूल के तीस सालों से हैड रहे हैं। लगातार तीस साल से जिनके स्कूल का रिजल्ट कभी निन्यानवें प्रतिशत नहीं आया बल्कि शत-प्रतिशत रहा, आज वे इस महान सदन के डिप्टी स्पीकर हैं। स्पीकर सर, हमारी सरकार के बारे में कई साथियों ने कहा है। कई बार होता है कि आलोचना हो जाती है परन्तु आलोचना वाली परम्परा में सरकार नहीं चलती है। इस सदन की धारणा है कि सरकार तथ्यपूर्ण ढंग से काम करे, कोई गल्ती आये तो हमारी सरकार विंडिक्टिव तरीके से यानि बदले की भावना से काम न करे। पिछली सरकार की पांच साल की गलत नीतियों के कारण लोगों ने उसे रिजैक्ट किया है और हम पर यह जिम्मेवारी डाली है। अब मैं बाढ़ के बारे में बताना चाहता हूं। चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि हमने तीन दिन में पानी निकाल दिया। 3-4 सितम्बर को हरियाणा में 1200 मिलिमीटर बारिश हुई थी। यह बारिश केवल हरियाणा में रोहतक, गोहाना, सांपला, समालखा में ही नहीं हुई बल्कि इसलामाबाद, जयपुर से जोधपुर, लखनऊ से कानपुर और शिमला से रामपुर तक पूरे क्षेत्र में 1200 मिलिमीटर बारिश दर्ज की गई थी। 3-4 सितम्बर को हम रोहतक में थे। जब रोहतक डूब रहा था तो पानी निकालने के लिए बतरा साहब नहीं आये तभी आज इस सदन की कार्यवाही सुनने को उन्हें नहीं मिली। 22 सितम्बर को यह महान सदन यहां पर बैठा था। उसमें आप भी थे और हम भी थे। आपने भिवानी की चर्चा की थी, खर्क किलंगा की चर्चा की थी। हमने झिंजर, जयश्री, मिश्री, सांवड़, झिंगचिना, दिंगताना और रिवाड़ी के किशनगढ़ बालावास, इन सबकी चर्चा की थी। किस तरह से मॉडल टाऊन डूबा, किस तरह से पूरे हरियाणा के एक एक गांव का नाम लेकर मैंने इस महान सदन में हरियाणा के दुख और दर्द की चर्चा की थी, उस समय मुख्य मंत्री जी ने एक वायदा किया था। चौधरी भजन लाल ने 22 सितम्बर को पानी निकालने का वायदा किया था। We are not hanky panky. We are not inadequate. हमारी याददाश्त बहुत ताजा रहती है। हमारे कैमरे बहुत फास्ट हैं और ये अच्छी व ताजा तस्वीर खींचते हैं 22 सितंबर को चौधरी भजन लाल ने इस महान सदन में यह वायदा किया था कि 15 अक्तूबर तक पानी निकाल देंगे। इस पर हमने कहा कि नहीं यह थोड़ा समय रहेगा आप इतने कम समय में पानी नहीं निकाल पाओगे। फिर उन्होंने कहा कि मैं 31 अक्तूबर तक हरियाणा के सारे गावों से बाढ़ का पानी निकाल दूँगा। हमने अर्ज की थी कि यह सरकार हमारे सिर्फ दो काम कर दे। एक तो फसल की बिजाई करवा दे और दूसरे रास्ते ठीक करवा दे। स्पीकर सर, 31 अक्तूबर गया, नवंबर गया, दिसंबर गया, जनवरी गयी, फरवरी गयी और चौधरी भजन लाल की सरकार भी गई परंतु पानी नहीं गया। (हंसी) अभी चुनाव के दिनों में जब हम भिवानी जिले के जयश्री गांव गए तो उसमें लोग वापिस नहीं आए। होली और दिवाली का त्यौहार सैंकड़ों गांव के लोगों ने शहर की पटरियों पर या रिश्तेदारों के छप्परों में बैठकर गम-शम खाकर के मनाया। घरों में दिवाली के चिराग नहीं जल सके। स्पीकर सर, हरियाणा की जनता के फैसले की अवहेलना नहीं की जा सकती। अभी जींद जिले के भाई बीरेन्द्र सिंह कह रहे थे कि चौधरी भजन लाल की सरकार ने मुआवजा राशि तो बांटी परन्तु कैसे बांटी? भाई रणदीप सुर्जेवाला विधान सभा सदस्य बनकर आए हैं। इनका नरवाना में बहुत बड़ा घर है। चौधरी भजन लाल जब गए तो रजाईयों का ढेर इनके घर लगवा दिया गया। मैं कहना चाहता हूँ कि बाढ़ आ रही है उचाना में और रजाईयों व स्टील के बर्तनों का ढेर लग रहा है सुर्जेवाला के घर (विज) चौधरी साहब, ढेर लगाना चाहिए था सामाजिक जगह पर। एम०एल०ए० को अथोराईज कर दिया गया कि ये चिट देंगे तो मुआवजा मिलेगा। वे कहेंगे तो मुआवजा मिलेगा। लोग पूछने लगे कि मुआवजा कैसे मिलेगा तो वे कहने लगे कि मुआवजा तब मिलेगा जब वोट देंगे। लोगों ने कहा ये अपनी पर्ची ले लो।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। ऐसी बात इनको नहीं कहनी चाहिए क्योंकि ये सारी बातें रिकार्ड में आती हैं। उस वक्त श्री रणदीप सुर्जेवाला एम०एल०ए० भी नहीं बने थे। एस.एस. सुर्जेवाला राज्यसभा के मैम्बर थे वे आज भी मैम्बर हैं। हमने कोई ऐसे आदेश बिल्कुल नहीं दिए थे कि अगर ये पर्ची दें तो उनका मुआवजा मिलेगा या रजाईयां बगैरह दी जाएंगी। राम बिलास जी, आप तो ब्राह्मण हो, आपको तो सच्चाई ही बतानी चाहिए।आप काबिल हैं, योग्य हैं। अगर आप भी ऐसी बातें करेंगे तो हम किससे सच्चाई की उम्मीद करेंगे।

प्रो० रामविलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी कई सम्मेलन करते थे। जब ये ब्राह्मणों में जाते थे तो कहते कि मैं तो प्याज भी नहीं खाता, मैं तो ब्राह्मण हूँ। जाटों में जाते तो कहते कि मैं बिशनोई जाट हूँ। अग्रवालों में जाते तो कहते कि मैं व्यवसाय से अग्रवाल हूँ, और पंजाबी भाईयों के सम्मेलन में जाते तो कहते कि भाईयो देखो मैं लायलपुर से आया हूँ, बहावलपुर से आया हूँ, मैं पंजाबी भाई हूँ। स्पीकर सर, इसलिए जो सब को खुश रखना चाहता है उससे कोई खुश नहीं रह सकता। अब भजन लाल जी ने पंजाबी भाषा की बात की। यह बात सही है कि मील के पत्थर उन्होंने पंजाबी में लिखवाए परन्तु मुसीबत क्या है। जादू तो वह होगा जो सिर चढ़कर आवाज दे, जिसका असर दिखाई दे। यह बात सही है कि मील पत्थर पंजाबी भाषा में इन्होंने लिखवाए परंतु अम्बाला छावनी से लेकर सोनीपत के मुरथल अड्डे तक। अंम्बाला छावनी से हमारा समर्थक साथी अनिल विज व करनाल से शशि पाल मेहता जीते। स्पीकर सर, फिर उसके बाद सोनीपत आता है। वहां से हमारे भारी भरकम श्री दीवान जी बैठे हैं। इसका मतलब यह है कि चुनाव से कुछ दिन पहले ही इन मील पत्थरों की लिपाई पुताई की गई। परन्तु लोगों को तसल्ली नहीं हुई। बोले भाई यह मामला न्यू है। ये पत्थर बत्थर सच्चे नहीं है। इसमें इनका कोई कसूर नहीं है। इन्होंने पंजाबी भाषा लिखवा कर पत्थर लगवाए। आपने पंजाबी अध्यापक लगाने के बारे में भी कहा। उस समय जिस विद्यालय में 8 बच्चे पंजाबी पढ़ने वाले थे तो उनके बारे में आपने कहा कि वहां पर पंजाबी अध्यापक लगाने के बारे में विचार किया जाएगा। स्पीकर साहब, हमने वह 8 की संख्या घटाकर 4 कर दी है और 4 की संख्या भी एक क्लास की बात नहीं है पूरे विद्यालय में अगर 10 विद्यार्थी पंजाबी पढ़ने वाले हैं चाहे वे एक एक क्लास में एक एक हैं हम वहां पर भी पंजाबी अध्यापक अवश्य लगाएंगे। हमारा यह संकल्प है, इसमें कोई राजनैतिक स्वार्थ नहीं है। हम यह कोई ढोंग करने की राजनीति नहीं करते, हम एक बात जरूर चाहते हैं कि हम जो काम करेंगे, हमारी हरियाणा प्रदेश की जनता ने उस काम के पीछे हमें अपना आशीर्वाद दिया है। हम राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित होकर के कभी कोई चुनाव लड़ कर नहीं आए। यह हरियाणा की जनता ने कभी नहीं कहा कि तुम अपने वायदों को पहले महीने में ही पूरा करो परन्तु हमारी सरकार सचेत है और दृढ़ प्रतिज्ञित है कि हम किए हुए एक-एक वायदे को पूरा करेंगे। अच्छा किया चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि हम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करते हैं। हम इनकी इस भावना की कद्र करते हैं। साथ ही इन्होंने यह भी कहा कि हम सरकार बदल देंगे यह कर देंगे वह कर देंगे। स्पीकर साहब, एक गांव में एक बोदा सा- आदमी था उसकी लुगाई ठाडी थी। क्या हुआ कि वह लुगाई उस आदमी के पटक-पटक बैलन मारती तो वह आदमी पड़ौस में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए कहता कि तूँ न्यूँ मानैगी, तूँ न्यूँ मानैगी। तो पड़ौस वाले यह सोचते कि यह अपनी लुगाई को रोज पीटता है, यह तो बड़ी गलत बात है, यह पीटना पिटाना ठीक बात नहीं है। साहब, उस गांव में आप जैसा एक मोतबर आदमी था और जब उन लोग लुगाई का झगड़ा शुरू हुआ तो वह मोतबर आदमी उनके घर पहुँच गया। उसने वहां जा कर देखा तो मामला उल्टा हो रहा था। तूँ न्यूँ मानैगी तूँ न्यू मानैगी कहण आला तो पड़ा पड़ा बैलन खाने लग रहा था और पिटने लग रहा था। (हँसी) चौधरी भजन लाल जी हम जिस दिन गलती करेंगे और हरियाणा की जनता कहेगी तो हम उसी दिन सरकार को बदल

[प्रो० राम विलास शर्मा]

देंगे। आप इस सरकार को बदलने का सपना बनाए रखना, अच्छी बात है। परन्तु बेलन वाले की तरह से नहीं है, यह जनता की बनाई हुई सरकार है। यह भारतीय जनता पार्टी और विकास पार्टी की गठबंधन सरकार चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में चल रही है। हमने चुनाव लड़ने से पहले अपने नेता का चुनाव कर लिया था। स्पीकर साहब, भगवान के आशीर्वाद से हरियाणा की जनता से हमें जो प्यार मिला है हम उस प्यार को कम नहीं होनें देंगे। आप देखेंगे कि हम दिन रात एक करके हरियाणा की जनता का विकास करेंगे। बाढ़ के मामले में यह कहा कि अगली बार बाढ़ आएगी। जब राम राजी होता है तो बाढ़ नहीं आती हमारा हरियाणा की जनता के साथ ताल्लुक तो सै ई सै, ऊपरले घर में भी हमारे तार खड़कते चलते हैं हरियाणा में बाढ़ नहीं आएगी। हमारी सरकार के काम सम्भालते ही दो मिनट में हमारे नेता चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी पहली कैबिनेट मीटिंग की और उस मीटिंग में इन्होंने कहा कि मैं पानी और बिजली अपने साथ रखना चाहता हूं ताकि सारे हरियाणा के किसानों को ये चीजें लगातार मिलती रहें। ईंजीनियर्स को बुला कर कहा कि यह कागजी कार्यवाही मैंने बहुत देखी है। आज आप जा कर ड्रेन नम्बर 8 देखें, उसकी सफाई का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। ड्रेन नम्बर 8 की सफाई पर 3-4 सितम्बर,1995 को बाढ़ आने से पहले जुलाई के महीने में लाखों रुपया खर्च किया हुआ दिखाया हुआ है। उसकी सफाई पर लाखों रुपया खर्च किया हुआ इस सदन में बताया गया था। अगर उस ड्रेन नम्बर 8 को मौके पर जाकर देखें तो पता लगेगा कि उसकी सफाई पर एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया है। एक गांव का पानी दूसरे गांव में टक्कर मारे। उस गांव का पानी दूसरे गांव में टक्कर मारे। उस समय सरकार कहीं पर भी प्रैजैंट नहीं थी। डी०सी०, एस०पी० कहते थे कि हमने तो समुद्र तल की ऊंचाई से मिला कर के देख लिया, लोहारू उस से 1600 फुट ऊँचा है। इसलिए भिवानी के डी०सी० और एस०पी लोहारू जा कर बैठ गए थे। स्पीकर साहब, इस सदन में जितने भी साथी चुन कर आए हैं, मैं उन सब का एक बार फिर अभिनन्दन करता हूं मैं सदन को विश्वास दिलाता हूँ कि चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में यह संकल्प वाली सरकार काम करने वाली सरकार साबित होगी। यह सरकार अब तक की सरकारों से सबसे ज्यादा ईमानदार सरकार साबित होगी। यदि हम कोई गलत काम करें तो उसकी सभी साथी दिल खोल कर आलोचना करें, वह भी हम सुनेंगे। अभी तो हमने हलसोतिया के 5 खूड़ ही निकाले हैं। हमारी सरकार ने जो संकल्प लिया है वह पूरा होगा। दक्षिण हरियाणा के गांव-गांव में पानी जायेगा। हम सारे हरियाणा को बिजली और पानी पूरा देंगे। (विघ्न) कब तक देंगे इस बारे में तो मैं केवल इतना ही कह सकता हूँ कि जितना जल्दी होगा देंगे। 1966 में हरियाणा बना था इसको बने हुए 30 साल हो गए लेकिन अभी तक हम रावी व्यास का पानी नहीं ला सकें। हमें भगवान अपना आशीर्वाद दे कि हम इस काम को पूरा कर सकें और हरियाणा की जनता को जो वायदे किए हैं उनको पूरा कर सकें। अंत में स्पीकर साहब, जो प्रस्ताव राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के बारे में जसवंत सिंह जी ने रखा है और गणेशी लाल जी ने जिसका समर्थन किया है, इसके बारे में मेरा सभी सदस्यों से अनुरोध है कि इसे सर्वसम्मति से पास करें। धन्यवाद।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना) : स्पीकर साहब, आपने जो समय दिया उसके लिए मैं सबसे पहले आपका धन्यवाद करता हूँ। महामहिम का जो अभिभाषण है उसका मैं समर्थन करता हूँ। महामहिम के अभिभाषण में यह कहा गया है कि यह सरकार खेती और विशेषत: किसानों के हितों को प्राथमिकता देगी। मुझसे पहले भी बोलते हुए अन्य वक्ताओं ने इस बात की चर्चा की। मैं चार पांच बातों के बारे में जिक्र करुंगा जिसके बारे में विपक्ष के नेता भी चर्चा करेंगें। अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक खेती का सवाल है हरियाणा के किसान गेहूँ, चावल और कपास पर ही निर्भर होकर रह गए हैं। इस बारे में मेरा सरकार को सुझाव है कि सरकार किसानों के हित में रचनात्मक कदम उठाएगी। मैं सदन में जानकारी के लिए बताना

चाहूँगा कि हालैंड में वहां के किसान 20 हजार करोड़ रुपये के फूल निर्यात करते हैं। मैं चाहता हूँ कि हमारी सरकार भी दिल्ली के चारों तरफ 200-200 किलो मीटर के दायरे में रहने वाले किसानों को बढ़ावा देने के लिए एक फलोरीकल्चर डिवैल्पमैंट सैन्टर बनाये इस प्रकार की एक कार्पोरेशन बना कर लोगों की सहायता की जा सकती है। ये कार्पोरेशन फिक्सड प्राईस पर लोगों से फूल खरीदे या लोग खुद अपना माल बेचे और बाहर भी एक्सपोर्ट करें। ऐसी व्यवस्था सरकार को करनी चाहिए। फूल की खेती की तरफ सरकार को पूरा ध्यान देना चाहिए। यदि इसके लिए हाऊस की कोई कमेटी भी बनानी पड़े जिसमें सभी दलों के सदस्य शामिल हों तो बना लेनी चाहिए ताकि इस ओर तुरन्त ध्यान देकर किसानों का भला किया जा सके। इसी प्रकार फल और सब्जियों के बढ़ावे की तरफ भी ध्यान दिया जाए। क्योंकि जो एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी है उसमें ज्यादा कंस्ट्रेशन तो फसलों और उनके बीजों की तरक्की की तरफ है इसलिए फल और सब्जियों के लिए एक अलग इन्स्टीच्यूट या आर्गेनाईज़ेशन बने जो कि हरियाणा के किसान की मदद कर सकें, इस बारे भी विचार किया जाए। इसके साथ ही दिल्ली के चारों तरफ का जो इलाका है उसमें ज्यादातर ज़मीनें आज हरियाणा के किसानों के पास नहीं रहीं। ये ज़मीनें बड़े-बड़े उद्योगपतियों तथा बड़े-बड़े सरमायादारों ने खरीद ली हैं। ये बात ठीक है कि इण्डस्ट्रियलाईज़ेशन की भी जरुरत है। यह भी ठीक है कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को हरियाणा के अंदर लाने की जरुरत है परंतु स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि सबसे पहली प्राथमिकता अगर कोई होनी चाहिए तो वह किसान की जरुरतों की होनी चाहिए। इस लिए जो ज़मीन इण्डस्ट्रियल ज़मीन डिक्लेयर्ड नहीं है उस ज़मीन को भी किसान अपने हाथों से खोता जा रहा है। जो एग्रीकल्चरल लैंड है पूरे प्रांत की चहुमुखी प्रगति के लिए उसका इस प्रकार निर्धारण किया जाए जैसे हिमाचल प्रदेश ने किया है। हिमाचल प्रदेश के पैटर्न को हमें एडॉप्ट करना चाहिए ताकि दिल्ली के नजदीक रहने वाले 6-7 ज़िलों के लोग अपनी ज़मीन न खो दें। इसके लिए सरकार रचनात्मक कदम उठाए। इस बारे में कांग्रेस सरकार ने रचनात्मक कदम उठाए थे। उसने हरियाणा स्टेट इण्डस्ट्रियल डिवैल्पमैंट कार्पोरेशन के , हुड्डा के और दूसरी कार्पोरेशनज़ के सैपरेट इण्डस्ट्रियल ऐस्टेट बनाए। उन्होंने सैपरेट इण्डस्ट्रियल टाउनशिप बनाए और प्रान्त की चहुमुखी प्रगति के लिए कोशिश की। मुझे उम्मीद है कि मौजूदा सरकार इस बात की कोशिश करेगी कि न सिर्फ जो एग्रीमैंट जापान और जर्मनी से मॉडल सिटी टाउनशिप बनाने के लिए किए गए हैं उनको लागू और कार्यान्वित करवाया जाएगा। परन्तु इस बात की तरफ भी ध्यान दिया जाएगा कि दिल्ली के चारों तरफ जो किसान बैठे हैं, उनकी धरती कहीं इण्डस्ट्रियलाईज़ेशन के चक्कर में उनके हाथ से न निकल जाए, वे अपनी धरती कहीं खो न बैठें। इस प्रकार का कानून बनाने की आवश्यकता है और मुझे उम्मीद है कि इस सदन के सभी दल न सिर्फ इस बात का समर्थन करेंगे बल्कि ताईद भी करेंगे कि जो 5-6 ज़िलें हैं चाहे वह फरीदाबाद है, चाहे गुड़गांव है, चाहे नारनौल है, रिवाड़ी या महेन्द्रगढ़ और रोहतक हैं उनके किसानों की धरती किस प्रकार बच सकती है ताकि वे अपनी ज़मीनें पैसे वालों के हाथ न खो दें। इस बात की जिम्मेवारी सरकार लेगी और इस बात को लागू भी करेगी। जहां तक किसानों की जरूरतों का ताल्लुक है, उसके लिए बिजली और पानी दो मुख्य चीजें हैं। जब भी हरियाणा में बिजली और पानी का सवाल आता है तो सबसे पहले हमारे सामने एस०वाई०एल० का मुद्दा आता है। स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गाँधी के समय में एस०वाई०एल० का पूरा-पूरा निर्माण करवाया था। उस समय कांग्रेस पार्टी के मुख्य मंत्री आज के सदन के नेता चौधरी बंसी लाल जी थे और फिर चौधरी भजन लाल के समय में एस०वाई०एल० के निर्माण का कार्य पूरा किया गया। यही नहीं इसके साथ ही साथ राजीव लौंगोवाल ऐकोर्ड के तहत ईराडी ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई जिस में हरियाणा का हक स्थापित किया गया था। उसमें आज के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अहमदी भी थे। 3.5 मिलियन एकड़ फुट हरियाणा का शेयर हमेशा के लिए स्थापित कर दिया गया था और यह बात भी तय हुई कि जो घग्गर है

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

उसकी स्कीम बने। यह बात कांग्रेस सरकार, जिसके मुख्य मंत्री उस समय चौधरी भजन लाल थे, ने तय की और उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी भी मुख्य मंत्री बने। कांग्रेस सरकार के समय में यह बात लागू हुई थी। मुझे उम्मीद है कि क्योंकि यह उनकी भी धरोहर है इसलिए सदन के नेता इस बात को पूरा उतारेंगे कि हरियाणा को जो हक मिला हुआ है उसको किस प्रकार से लागू करवाया जा सके। आप सबको यह बात मालूम है कि जो पानी आज पंजाब का किसान भी इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है वह पानी पाकिस्तान में जा रहा है। उसके कारण हरियाणा के किसानों को औसतन डेढ़ सौ करोड़ रुपये का सलाना नुकसान हो रहा है। इसमें जरूरत इस बात की है कि आपसी मतभेद छोड़कर सब से पहले भाई-चारे की भावना से बैठकर पंजाब के मुख्य मंत्री से बात की जाए। पंजाब के विपक्षी दल, अकाली दल से भी भारतीय जनता पार्टी का ताजा-ताजा समझौता हुआ है , इसलिए इस मामले में जो सबसे बड़ी अड़चन है उसको दूर किया जाए। मुझे उम्मीद है कि रचनात्मक रवैया अपना कर हरियाणा का जो हक है उसको पूरा दिलवाएंगे। दूसरी बात बिजली की है और आज हरियाणा में जो बिजली की व्यवस्था है वह कांग्रेस सरकार की ही देन है। इसका श्रेय कांग्रेस सरकार को जाता है। मुझसे पहले रामविलास शर्मा जी ने और बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि इसको पाँच साल लगेंगे। उस वक्त मैं हाऊस में नहीं था। अध्यक्ष महोदय, या तो उनको इस बारे में पता नहीं है या वे जानबूझ कर यह कह रहे थे। कांग्रेस सरकार ने एक हजार मैगावाट से ज्यादा बिजली बनाने के लिए 4 समझौते किए थे। हरियाणा में 25-25 मैगावाट के ईंधन से बिजली पैदा करने के लिए प्लांट लगाए जाएंगे। कांग्रेस सरकार ने एम०ओ०यू० ईजराईल की एक कंपनी के साथ साईन किया था। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं सदन के नेता से दरख्वास्त करूंगा कि जो बिजली बनाने के लिए फैसला कांग्रेस सरकार ने किया था उससे जल्दी बिजली बनाने का कोई फैसला नहीं हो सकता और इस सरकार को इस को कार्यान्वित करना चाहिए। इसके साथ ही मै० यू० डी० आई० के साथ भी एग्रीमैंट साईन किया था, जिनका नाम दुनिया में सबसे ऊपर आता है। इसके साथ ही कांग्रेस सरकार ने यमुनानगर में भी थर्मल प्लांट लगाने के लिए ऐग्रीमैंट साईन किया था। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में इसका कोई ज़िक्र नहीं है। उसमें निजीकरण से बिजली बनाने के बारे में कार्य किया जाएगा। मैं यह कहूँगा कि पिछली सरकार ने बिजली बनाने के लिए बहुत ही ठोस कार्य किए और ठोस कदम उठाए, उनको इस सरकार द्वारा जल्दी से जल्दी लागू किया जाना चाहिए। मेरी नोलिज के हिसाब से फरीदाबाद में 400 मैगावाट बिजली बनाने के लिए एक ऐग्रीमैंट किया गया था और उसका काम भी पूरा होने के चरण पर है। महामहिम जी ने इस बात को स्वीकार किया है। यह सरकार एन०टी०पी०सी० से बात करके इस प्लांट को लगाएं। अगर यह कारखाना पाँच साल में बनेगा तो यह कहना उचित नहीं है कि यह नहीं बनेगा। इसके बारे में कि यह कहाँ पर लगेगा, कैसे लगेगा और कितना खर्च होगा इसके लिए 2 साल निकल चुके हैं। इस सरकार को उसका फायदा उठाना चाहिए। इसी के साथ मैंने मुख्य मंत्री जी का ब्यान पढ़ा कि इन्होंने उड़ीसा से 200 मैगावाट बिजली खरीदी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूँगा कि कांग्रेस सरकार ने हांगकांग की एक कंपनी सी०ए०पी० के साथ पाँच सौ मैगावाट बिजली पैदा करने के प्लांट का एग्रीमैंट साईन किया था तो मुख्य मंत्री जी उसकी भी पैरवी करें। इस प्लांट का बीड़ा भी कांग्रेस सरकार ने उठाया था और इसको यह सरकार पूरा करेगी ऐसी हम उम्मीद करते हैं। मेरे से पहले बोलते हुए चौधरी जसवन्त सिंह एवं प्रोफेसर साहब ने कहा कि बिजली सरकार की प्राथमिकता होगी। इनकी इस बात का मैं और हमारी कांग्रेस पार्टी स्वागत करती है। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि जो जो रचनात्मक बातें कांग्रेस पार्टी के पिछले पाँच सालों के समय में हुई थी, उनके बारे में मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूँगा कि यह सरकार उन सभी बातों को कार्यान्वित करवाएगी। स्पीकर सर, जहां तक शराबबंदी का सवाल है कांग्रेस

पार्टी हमेशा पूर्ण शराबबंदी की समर्थक रही है और यह हिन्दुस्तान का कांस्टीच्यूशनल रोल भी है जो कि हिन्दुस्तान के संविधान के अंदर लिखा हुआ है। हिन्दुस्तान के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने भी अगर सबसे पहले कोई बात कही थी तो वह पूर्ण शराबबंदी और पूर्ण स्वराज्य के बारे में ही थी। अध्यक्ष महोदय, जहाँ हम पूर्ण शराबबंदी का स्वागत करते हैं वहीं मैं पूर्ण शराबबंदी के साथ-साथ सरकार का ध्यान तीन-चार बातों की तरफ भी दिलाना चाहूँगा। अगर ये बातें लागू नहीं की गयीं तो फिर शराबबंदी लागू करना या न करना बराबर ही है। स्पीकर सर, आज जो हरियाणा के अंदर लिकर माफिया कल्चर बन गई है यह कल्चर हमारे सामने बैठने वाले चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के संरक्षण में बढ़ रही है। इनकी पार्टी का इस कल्चर को संरक्षण मिलता रहा है। चौटाला साहब अभी शायद किसी कारणवश यहां बैठे नहीं है लेकिन मैं कहना चाहूँगा कि इनका रहना सहना और इनका खाना पीना इसी कल्चर के अनुरूप है। आज इस कल्चर पर किस प्रकार से पाबंदी लगानी है, किस प्रकार से इसको रोकना है यह देखने की बात है। अगर आप इस कल्चर को नहीं रोक पाएंगे तो शराबबंदी नहीं हो पाएगी। इसी तरह से हमें यह भी देखना होगा कि हरियाणा प्रदेश की सीमा यू० पी०, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और चण्डीगढ़ जो कि यूनियन टैरेटरी है, से मिलती है जहाँ पर कहीं भी शराबबंदी नहीं है। हमारे यह सारे बार्डर खुले पड़े हुए हैं। हमें यह उम्मीद है कि सरकार यह कोशिश करेगी कि कम से कम सीपेज, कम से कम स्मगलिंग गंदी शराब की या दूसरी शराब की हरियाणा में हो। हमें उम्मीद है कि इसकी पूरी रोकथाम के लिए जो प्रशासन है, जो सरकार है वह इस बारे में पूरी जिम्मेवारी से मजबूत कदम उठाएगी, ऐसा मैं सदन के मेता से कहना चाहूँगा। इसी तरह से जो इललीगल डिस्टीलेशन है जो कि आज कहीं-कहीं है लेकिन यह बहुत ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। शराबबंदी होने के बाद भी जब तक इललीगल डिस्टीलेशन को और लिकर माफिया को राजनीतिक माफिया का संरक्षण मिलेगा तब तक पूर्ण शराबबंदी करने में कोई भी सरकार कामयाब नहीं हो सकती। शायद इसी वजह से कांग्रेस पार्टी की सरकार ने फैसला लिया था कि शराब के ठेके गांव के अंदर बंद करके केवल शहरों में ही खोले जाएंगे। यह बहुत ही अच्छा कदम कांग्रेस पार्टी ने उठाया था। मौजूदा सरकार ने भी इस कदम को आगे बढ़ाया है इसलिए मैं और मेरा दल इस बात का अनुमोदन करता है, समर्थन करता है। स्पीकर सर, इसके अलावा राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में एक चर्चा बैकवर्ड क्लास और हरिजन क्लास के भाईयों की वैलफेयर के बारे में भी की। उनकी उन्नति के बारे में अगर यह सरकार कोई रचनात्मक कदम उठाएगी तो कांग्रेस पार्टी इस बात का भी समर्थन करेगी। मैं एक बात सरकार से कहना चाहूँगा कि हिन्दुस्तान की पार्लियामैंट में कांग्रेस पार्टी ने इस बारे में एक लैजिसलेशन बनाया था जिसका नाम प्रिवैन्शन ऑफ ऐट्रोसिटिज आन हरिजन एक्ट था। इसमें कुछ कमियां हैं क्योंकि हरिजन भाईयों पर अत्याचार के मामलों में यह देखने में आया है कि जो प्रशासनिक अधिकारी हैं, पुलिस अधिकारी हैं उनको इस बारे में पता ही नहीं चल पाता है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से दरख्वास्त करूँगा कि इस एक्ट को लागू करने के लिए भी कदम उठाए जाएं। क्योंकि अगर आप इन्फर्मेशन मंगवा कर देखेंगे तो पाएंगे कि बहुत थोड़े मामले ऐसे है जो इस एक्ट के तहत दर्ज किए गए है। यह मामले इंडियन पीनल कोड के तहत दर्ज किए जाते हैं इसलिए यह इस सदन के हर मैम्बर की जिम्मेदारी है। गरीब आदमी का, गरीब हरिजन का हक सुरक्षित रहे इसके लिए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने कई रचनात्मक कदम उठाए थे। उनके बारे में मैं यहां तफसील से चर्चा नहीं करना चाहूँगा क्योंकि उनके बारे में इस सदन में पहले चर्चा हो चुकी है। मैं यह भी उम्मीद करता हूँ कि अपनी बेटी अपना धन जैसी स्कीम जो कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई थी उसे मौजूदा सरकार न सिर्फ लागू रखेगी बल्कि उसे आगे लेकर जाएगी। महामहिम के अभिभाषण में सड़कों के नवनिर्माण की चर्चा की गई है। 1982 से 1987 तक जब कांग्रेस का राज था उस समय दिल्ली और चण्डीगढ़ के बीच का जो रास्ता है उसकी फोरलेनिंग का कांट्रेक्ट सबसे पहले कांग्रेस पार्टी की सरकार द्वारा

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

फैसला करके किया गया था। वह काम 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है और 25 प्रतिशत बाकी है। इसके अलावा पिछली सरकार ने एक फैसला और लिया था कि एक सुपर वे बनाया जाएगा ताकि जी०टी० रोड़ पर जो ट्रैफिक है वह कम किया जा सके। जो लोग टोल टैक्स अदा करके सुपर वे के उपर जाना चाहे तो जा सकते हैं। जयपुर का सुपर वे जो कांग्रेस पार्टी की सरकार ने छह महीने पहले शुरु किया था, मैं उम्मीद करता हूँ कि मौजूदा सरकार इस बात पर न सिर्फ गौर करेगी बल्कि उसको ध्यान से करवाएगी। जहां तक लोकपाल विल के बारे में महामहिम ने घोषणा की है, मैं उम्मीद करता हूँ कि जो बिल होगा वह बगैर किसी भेदभाव के, समेत मुख्य मंत्री जी के हर आदमी उसके परिध्यू में आएंगे। ऐसा प्रावधान आप लेकर आएंगे। पंजाव में लोकपाल विल अभी पीछे लेकर आए उन्होंने उसे पास किया। उनको जो मुश्किलात उसमें आने लग रही हैं, उनकी जो गल्तियां या खामियां हैं उनसे भी कुछ लैशन लेना चाहिए। उनसे ट्रैनिंग लेनी चाहिए और जो गल्तियां उनके बिल के अंदर हैं वे पूरी की पूरी ठीक की जाएं। लोकपाल एक निर्भीक, निडर और स्वच्छ छवि का व्यक्ति होना चाहिए जो सुप्रीम कोर्ट का रिटायर्ड जज या हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस हो। ऐसा मत मैं सरकार के समक्ष रखना चाहूँगा। सिटिंग जज हो तो भी अच्छा है लेकिन उसमें संवैधानिक अड़चनें आएंगी। उन्हें रिकार्ड सम्मन करने और आदमियों को तलव करने के पूर्ण अधिकार हों। यह विल सिर्फ कागजों पर न रह कर वास्तव में कार्यान्वित हो। वह नागरिकों को जो उनके चुने हुए नुमाइंदे हैं उनके बारे में, उनकी छवि के बारे में सही जानकारी दे सके, ऐसी मैं उम्मीद करूंगा।

स्पीकर सर, एक सबसे बड़ी बात, आज की राजनीति में जितने भी दल हैं, उनके सामने हैं। वह राजनीति में अपराधीकरण हैं जो कि राजनीतिक आदमियों ने किया है। इसी तरह का नंगा नाच कुछ दिन पूर्व यानि 27 अप्रैल को हरियाणा के नरवाना निर्वाचन क्षेत्र में देखा गया। वहां हरियाणा विकास पार्टी व समता पार्टी के सैकड़ों समर्थक विदेशी ऑटोमैटिक हथियार लेकर घूमते देखे गए। (विघ्न)

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वॉयन्ट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, यह मामला शायद कोर्ट के अंदर है और केस रजिस्टर हुए हैं। जो कोर्ट में मामला है उसके बारे में इनको यहां ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : भागीराम जी, वह केस अभी कोर्ट में नहीं है, अभी उसकी तफतीश चलेगी। आटोमैटिक हथियार लेकर लड़ रहे हैं। आपके जो नेता हैं उनके सुपुत्र से माउजर और विनचेस्टर राईफलें रिकवर हुई हैं। जो आज पुलिस के कब्जे में हैं। यह आप की जानकारी के लिए मैं बता रहा हूँ। इसके साथ साथ हरियाणा विकास पार्टी के जो उम्मीदवार थे उनसे भी इसी प्रकार के इम्पोर्टिड और नाजायज हथियार रिकवर हुए हैं। आपकी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गुरू चेला थे अब अलग हो गये हैं। इसलिए मुझे इस बात के लिए बिल्कुल दोष नहीं दे सकते। इस बारे एफ० आई०आर० पुलिस ने दर्ज की है और पुलिस ही तफतीश करेगी। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि उनके लिए खुला समय है वे अपने विचार व्यक्त करें लेकिन कृपया दूसरे सदस्य के बोलते समय बीच में बिघ्न न डालें।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : धन्यवाद स्पीकर सर, सात एफ० आई० आर० नरवाना के केस में दर्ज हुई हैं जिनमें छः एफ० आई० आर० समता पार्टी के समर्थकों के खिलाफ हैं और एक एफ० आई० आर० हरियाणा विकास पार्टी के आदमी के खिलाफ है। मैं इस सरकार से खासकर चौधरी बंसी लाल जी से उम्मीद रखूंगा कि वे इस बात की जांच निष्पक्ष तरीके से करायेंगें। जो यह राजनीति में अपराधीकरण

फैला है और इसके जो जन्मदाता हैं चाहे वह महम की बात हो चाहे उसके बाद श्री वी०पी०सिंह जी के चुनाव के दौरान लखनऊ के अन्दर बूथों पर कब्जे करने की बात हो और चाहे नरवाना की बात हो . . . . . .(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : देखिए, आप लोगों को जो बात कहनी है वह तरीके से कहें। बीच में बोलना ठीक नहीं, कोई प्वायंट आफ आर्डर हो तो कहें, वैसे ही खड़े न हों।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं उदाहरण देकर बताता हूँ क्योंकि बगैर उदाहरण दिए सदन के सामने असली चेहरे नहीं आ पाते। आज हरियाणा में राजनैतिक अपराधीकरण की प्रथा चल रही है। जिस तरह 1987 से 1991 के बीच में और उसके बाद बिहार और उत्तर प्रदेश के इलाकों के चन्द एक जिलों के आदमी नाजायज हथियार लेकर हरियाणा प्रान्त में आने लगे हैं, मैं मौजूदा सरकार से आशा करूंगा कि वह बगैर इस बात के कि वे कौन सी पार्टी से सम्बन्धित हैं, उनके खिलाफ जांच करवाकर उचित कार्यवाही करें ताकि दोबारा इस तरह की घटनायें न हों। क्योंकि हरियाणा में जो राजनीति का अपराधीकरण ये लोग लेकर आये हैं ये वही लोग हैं जो समाज और सरकार के दुश्मन हैं और सरकारी तन्त्र को तोड़ना चाहते हैं। जो शराब के माफिया या जमीन के माफिया से सम्बन्ध रखते हैं, उनको इस बात की परवाह नहीं है कि उनके पेट पर या उनकी रोजी रोटी पर लात लगेगी। इसलिए मैं सदन के नेता से कहना चाहूंगा कि जिन आदमियों के खिलाफ 27 अप्रैल के बाद और मई के महीने में जो एफ०आई०आर० दर्ज हुई है और जिन पर कार्यवाही नहीं हुई है, उन के खिलाफ पुलिस के किसी उच्च अधिकारी से जांच करवायेंगे। स्पीकर सर, इसके साथ साथ जो फलूड के बारे चर्चा की गई, मैं आपके माध्यम से सभी मैम्बरान को यह बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने बाढ़ के दौरान जो कदम उठाये, वे अपने आप में न सिर्फ स्मरणीय हैं परन्तु इस प्रकार की बात किसी सरकार ने पहले कभी नहीं की।

श्री अध्यक्ष : ऐसी बाढ़ भी पहले कभी नहीं आई थी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, 26 अगस्त से 30 अगस्त, 1995 तथा 1 सितम्बर, 1995 से 4 सितम्बर, 1995 तक हरियाणा में 972 मिलिमीटर बारिश हुई थी।

श्री सतपाल सांगवान : ये कह रहें है कि वे कदम बहुत स्मरणीय थे। मैं कहता हूँ कि बाढ़ जो आई थी यह काम भी स्मरणीय था। 6-6 महीने तक बाढ़ का पानी नहीं निकले, हमारी बहनें व भाई खेतों में बैठे रहें। इनको क्या पता कि फूलड क्या होता है ? जाकर देखें तो पता चले। मैं कहता हूँ कि कोई पानी नहीं निकाला गया। आप लोगों के पैसे लूट कर क्या पोलिटिशियंज़ बनेंगे ? मेरे पास प्रूफ है इस बारे में, जिनको मैं लाकर दिखा सकता हूँ।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माधयम से कह रहा था कि 1200 मि०ली० बारिश कानपुर से लेकर इस्लामाबाद तक ही नहीं थी। हरियाणा में बारिश 972.10 मि०ली० हुई थी। उसके लिए जो फ्लड रिलीफ के लिए 3-4 बातें की थीं, वह नैशनल कैलेमिटी रिलीफ फंड था।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by one hour ?

VOICES : Yes.

Mr. Speaker : The time of the sitting is extended by one hour.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि जो कैलेमिटी रिलीफ फंड है उससे प्रधानमंत्री, श्री पी०वी० नरसिम्हा राव ने स्वयं 39 करोड़ रुपये की सहायता हरियाणा को दी। हरियाणा की सरकार को इस संबंध में 300 करोड़ रु० का लोन दिया गया तथा प्रधान मंत्री रिलीफ फंड से कई सौ करोड़ रुपये दिए गए। इसलिए पिछली सरकार की ताईद करनी पड़ेगी कि किस प्रकार से उन्होंने 95 प्रतिशत से भी ज्यादा पानी निकाल कर दिखाया, सड़कों का पुनर्निर्माण इत्यादि करवाया। यह शायद अपने आप में एक उदाहरण है। इसके लिए हरियाणा के जो अफसरान हैं, यानी पटवारी से लेकर चीफ सैक्रेटरी तक वे भी प्रशंसा के काबिल हैं। स्पीकर सर, यहां पर कई प्रकार की बातें कई लोगों ने बार-बार कही हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि बाढ़ के दौरान वे अपने हल्के में ही नहीं थे। उनके हल्के की देखभाल पड़ौस के हल्के के लोगों ने की। अब वे व्यक्तिगत तौर से लांछन लगाते हैं तो मेरे ख्याल से यह बात अच्छी नहीं है। अगर उन्हें किसी प्रकार की शिकायत हो तो भूतपूर्व मुख्यमंत्री जी से पूछ सकते हैं जो आज इस सदन के अंदर मौजूद हैं। उन्होंने स्वयं टेलीफोन करके मेरे गांव में और नरवाना में रिलीफ संबंधित सामग्री मुहैया करवाई। यह उनका महान कार्य है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूँ, श्री राम बिलास जी अभी मौजूद नहीं है। बाढ़ संबंधित सामग्री प्रत्येक केन्द्र में पूरी पूरी सरकारी अफसरान ने बांटी। इसमें नरवाना क्षेत्र के लोगों को या आस-पास के क्षेत्र के किसी व्यक्ति को किसी किस्म का कोई एतराज हो, इसका मुझे नहीं पता। स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं अपना स्थान ग्रहण करते हुए एक बार फिर आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का अभिनंदन करता हूँ।

15.00 बजे

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रार्थना करना चाहता हूँ कि सभी सदस्य इस हाउस में 9.30 बजे से बैठे हुए हैं और अब 3.05 बज चुके हैं। इसलिए मेरा सुझाव है कि बाकी का कार्य कल निपटा लिया जाए। मेरे ख्याल से अब सदन उठा दिया जाए तो बेहतर होगा, बाकी आपकी इच्छा है।

Mr. Speaker : The time of the sitting has already been extended upto 4.00 p.m.

Home Minister (Shri Mani Ram Godara) : The time of the sitting is approved by you, sir.

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के सामने महामहिम राज्यपाल जी ने जो अभिभाषण दिया है, उसके बारे में जैसे हमारी पार्टी के नेता ने और दूसरे माननीय सदस्यों ने कहा मैं भी इसमें जो कुछ अच्छी बातें हैं उनका समर्थन करने के लिए खड़ी हुई हूँ। कुछ बातें ऐसी भी हैं जिनकी इस अभिभाषण में चर्चा जरूर होनी चाहिए थीं। जिन बातों का इसमें जिक्र नहीं किया गया मैं आपके माध्यम से उन बातों की ओर सदन के नेता का ध्यान दिलाना चाहूँगी। कुछ बातें जो खासतौर से राजनैतिक विचारधाराओं में ठीक नहीं हैं, उनकी आलोचना करने के लिए भी आपकी आज्ञा चाहूँगी। महामहिम राज्यपाल महोदय ने सबसे पहले यह कहा है कि इस सरकार को, जो दो पार्टियों की सरकार है, हरियाणा की जनता ने एक नया जनादेश दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं है। जनता जनार्दन ने जो फैसला दिया उसका हम नतमस्तक होकर स्वागत करते हैं। मैं एक बात कहना चाहूँगी कि बुद्धिजीवी लोग, धर्म निरपेक्षता में विश्वास रखने वाले लोग इस बात से अचम्भित हैं जब सदन के नेता, जिनका राष्ट्रीय स्तर पर भी धर्म निरपेक्ष शक्तियों को बढ़ावा देने में विशेष रूप से एक नाम रहा है, अगर उनको हर तरीके से सत्ता में ही आना था तो इन्होंने ऐसी पार्टी के साथ समझौता क्यों किया है जिसके पीछे धर्म निरपेक्षता का एक प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। आज सारी दुनिया में और सारे देश में यह चर्चा चल रही है कि केन्द्र

में उस पार्टी को समर्थन दिया जाएगा या नहीं दिया जाएगा और यदि वह सरकार बनेगी तो क्या होगा। जो देश के अल्पसंख्यक हैं वे बड़ी उत्सुकता के साथ इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि ऐसे एलायंस को लेकर जिसकी सरकार आई है, वह ठीक काम करेगी या नहीं। इसमें कोई दो राय नहीं है। जनता अपनी समस्याओं का समाधान ढूँढती है। जनता को अपनी बातों का हर एक से जवाब चाहिए चाहे वह सरकार कांग्रेस पार्टी की हो और चाहे किसी दूसरी पार्टी की हो। कल को यह सवाल आपके सामने आएगा क्योंकि जनता के सामने भुखमरी की समस्याएं हैं, जनता के सामने बेरोजगारी की समस्याएं हैं। जनता के सामने और भी कई समस्याएं हैं। कई समस्याएं थीं जिनका समाधान उनकी आकांक्षाओं के मुताबिक नहीं हो पाया। इसलिए जनता ने परिवर्तन इस बात के लिए किया है कि उनकी जो मूलभूत समस्याएं हैं उनका समाधान होगा। जनता ने परिवर्तन इस बात के लिए नहीं किया है कि कार्यअंधता जैसी ताकतों को भी फिर से बढ़ावा मिले। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से प्रार्थना करना चाहूँगी कि कार्यअंधता का ये जहरीलापन है, उसको किसी भी तरीके से बढ़ावा नहीं मिलना चाहिए। मैं किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं हूँ। राम बिलास जी मेरे बड़े अच्छे भाई हैं। उनके साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं लेकिन मेरी एक विचारधारा है जिसको लेकर मैं यह बात कह रही हूँ। अगर इनको ऐसे ही बढ़ावा मिलता गया तो मेरे ख्याल में जहाँ महात्मा गाँधी जी का नाम लिया जाता है जहाँ पंडित जवाहर लाल नेहरू जी का नाम लिया जाता है वहाँ आने वाली पीढ़ियां इनके बारे में क्या सोचेंगी कि क्या विचारधारा के धरातल पर हम इतने नीचे भी जा सकते हैं। राज्य के अंदर जो उदारीकरण की नीति लागू करने की बात कही है और कृषि को उद्योग का दर्जा देने की बात कही है, मैं उसका समर्थन करती हूँ। लेकिन ये जो पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए बचनबद्धता दिखाई गई है, इस बारे में सरकार की क्या नीतियां होंगी। सरकार उसको स्पष्ट नहीं कर रही है कि किस प्रकार से पिछड़े वर्गों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। मैं चाहूँगी कि सदन के नेता इस बारे में थोड़ी सी रोशनी डालें। समाज के जो कमजोर वर्ग हैं उनके बारे में हमें भी बड़े दुःख के साथ यह स्वीकारना पड़ता है कि वे कांग्रेस पार्टी से दूर हटे हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है। उनके कांग्रेस पार्टी से दूर हटने के पीछे कुछ तो कारण जरूर है। वे कारण कैसे दूर होंगे, आपसे यह हम अपेक्षा रखते हैं कि आज वे यहां पर हाईलाइट किए जाएं कि इन कारणों से उन पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए कोई ठोस योजना बनाई जाएगी। जहाँ तक नशाबंदी की बात है, मैं तो एक महिला हूँ और बचपन से मैं महात्मा गाँधी जी के विचारों से प्रभावित हूँ। मुझे इसकी व्यक्तिगत तौर पर बड़ी खुशी है। चाहे यह विभाग मेरे पास रहा है लेकिन मुझे शराब बंद करने में कामयाबी नहीं मिली। मैं अपनी असफलता को मानती हूँ लेकिन महिलाओं ने खासतौर पर इस बात का बड़ा जबरदस्त समर्थन दिया है। मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की थी कि यह पूर्ण शराबबंदी उसी दिन हो जाएगी जिस दिन यह सरकार ओथ लेगी यानि ओथ लेने के 15 मिनट बाद शराब बंद हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं इस बारे में यह कहना चाहती हूँ कि जिस दिन यह सरकार ओथ ले रही थी उससे एक दिन पहले शराब सस्ती बिक रही थी क्योंकि सभी को अंदेशा था कि सरकार बनते ही शराबबंदी हो जाएगी। अब इसको बंद करने का 2 महीने का समय दे दिया है। महिलाओं ने इनका इसलिए समर्थन किया था कि शराबबंदी होगी लेकिन शराबबंदी न होकर उन महिलाओं की जिज्ञासाओं की पूर्ति नहीं हो पाई। बंसी लाल जी जब भी कोई बात करते हैं तो बड़ी सोचसमझ कर करते हैं। उसकी पहले से तैयारी वे करते हैं। अब समझ नहीं आ रहा है कि उनको दो महीने का समय क्यों दे दिया। भाई बिरेन्द्र सिंह भी बोलते हुए कुछ कह गए थे। खैर मैं उन बातों को दोहराना नहीं चाहती। हम तो यह समझते थे कि बंसी लाल जी जो कहते हैं वही करते हैं क्योंकि इनकी कार्य करने की पहले शैली यही थी। लेकिन इस मामले में कुछ दिलाई से यह लगता है कि इनकी पकड़ वह नहीं रही जो पहले थी क्योंकि महिलाओं की भावनाओं को इन्होंने शराबबंदी लागू करके अभी पूरा नहीं किया। अगर सच्चे दिल

[श्रीमती करतार देवी]

से कोई काम करता है तो भगवान कोई न कोई उस बंद हुए रास्ते का हल भी निकाल देता है। पूर्व सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य किए थे। जैसे अपनी बेटी अपना धन इस योजना के तहत लड़के-लड़की को बराबर माना गया। इस स्कीम को सारे देश में अच्छा माना गया लेकिन इस सरकार ने इस अभिभाषण में महिलाओं के उत्थान के बारे में कोई नीति नहीं बताई। मैं चाहती हूँ कि मुख्यमंत्री जी जवाब देते समय इन सभी बातों का जवाब देंगे। यहां पर बाढ़ की चर्चा भी हुई है। पिछले दिनों जो बाढ़ हरियाणा में आई उससे हरियाणा में अरबों-खरबों रुपए की सम्पत्ति और न जाने कितने पशुओं और जान-माल का नुकसान हुआ। उस बाढ़ से रोहतक भिवानी और दूसरे शहर भी प्रभावित हुए थे। हमारी सरकार ने भी बाढ़ को रोकने के लिए कदम उठाए थे और कई योजनाएं भी बनाई थीं। इसलिए भविष्य में बाढ़ से कोई खतरा न हो उसके लिए सरकार उचित कदम उठाए। इसके लिए मेरा सुझाव है कि रनिंग कैनाल्ज और ड्रैनेज कैनाल्ज को अलग-अलग किया जाए। जो रनिंग कैनाल्ज हैं उनकी टेल तक पानी पहुँचें। अगर अफसरों का इस तरफ ध्यान रहेगा, तभी काम अच्छा चलेगा। ड्रैनेज के बारे में मेरा सुझाव है कि उसका अलग से ऑफिस हो और अलग से उसका इंजीनियर-इन-चीफ हो तभी हम इन सारी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। सारे अधिकारी ठीक हों और इस बात के लिए जिम्मेदार हों कि बाढ़ की विभीषिका हरियाणा को कभी न देखनी पड़े। मेरा आपसे यह अनुरोध है कि इस की तरफ भी आप पूरा ध्यान देंगे। आपने पंचायती राज के लिए बहुत ही अच्छी बात कही है। इन संस्थाओं को सही रूप से प्रभावशाली बनाए रखने के लिए इनकी कार्यकुशलता में सुधार होगा और इसकी स्वायत्तता के लिए प्रयत्न किये जाएंगे। यह बड़ी खुशी की बात है। लेकिन मैं आपका ध्यान इस बात की तरफ दिलाना चाहती हूँ कि कमजोर वर्ग के लोग चाहे वे पिछड़ी जाति के लोग या शैडयूल्ड कास्ट्स के लोग सरपंच बने हैं, उनको जितना प्रोटैक्शन मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल रहा है। आपने कहा है कि हमारी सरकार बदले की भावना से काम नहीं करेगी, यह बहुत अच्छी बात है। पूरे हरियाणा में जाने का तो मुझे मौका नहीं मिला लेकिन मैं अपने क्षेत्र की बात करती हूँ। कुछ गांवों में महिला सरपंच हैं जिन्होंने खुले रूप से इलेक्शन में मेरी सहायता की थी और मेरा साथ दिया था। उनको पुलिस ने बिना लेडी पुलिस के बुला कर तंग करना शुरु कर दिया है। जिससे न केवल मुझे आघात लगता है बल्कि आपका संकल्प जो बार-बार जनता के सामने दोहराया गया है, उसको भी आघात लगना शुरु हो गया है। (विघ्न)

मुख्य मन्त्री (श्री बंसी लाल) : अगर कोई पर्टिकुलर केस है, तो आप नाम बताएं।

श्रीमती करतार देवी : केलंगा गांव की सरपंच श्रीमती शकुन्तला देवी है। सी०आई०ए० के स्टाफ ने उस को बुला कर सारा दिन वहां पर बिठाए रखा। और भी कई नाम हैं जो मैं बता सकती हूँ। उस का कसूर केवल यह है कि वह महिला है और उसने खुले रूप से मेरा साथ दिया था। आज पुलिस के द्वारा उसको तंग किया जा रहा है। मैं आपके नोटिस में बात लाना चाहती हूँ कि केलंगा की सरपंच ही क्यों बल्कि सारे हरियाणा में जो महिलाएं सरपंच बनी हैं, अधिकारी उनका पूरा सम्मान करें, पुलिस के लोग भी करें। डिप्टी कमिश्नर भी उनका सम्मान करें और बी०डी०ओ० तो उनका सम्मान करें ही करें। इस बात को भी वे लोग मानें कि वे सरपंच हैं। आज तक उनके मन में यह बात नहीं आई है कि महिला सरपंचों के भी बराबर के अधिकार हैं और वे भी उतने ही सम्मानित हैं जितने दूसरे चुने हुए सरपंच हैं। वे सरपंच चुनाव लड़ कर बनी हैं किसी की मेहरबानी से नहीं बनी हैं और न ही वे नोमिनेटिड हैं। वे जनता से चुन कर आई हैं उनको भी पूरा सम्मान दिया जाना चाहिए। साथ ही कर्मचारियों में भी आपने जो विश्वास व्यक्त किया है वह भी अच्छी बात है। सब को यह मानना होगा कि यह एक ऐसी मशीनरी है जो किसी भी सरकार के हाथ मानी जा सकती है। अगर वे पोलिसीज़ को ठीक प्रकार से क्रियान्वित न करें तो उसी के कारण किसी

भी पोलिटीकल नेता को नीचा देखना पड़ता है। हम यह चाहेंगे कि कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ काम करें लेकिन जो तबादलों का सिलसिला है वह इस पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। किस भावना से तबादले किए जा रहें हैं, वह आप मेरे से ज्यादा बेहतर समझ सकते हैं। हम आपको इस बारे में केवल सुझाव दे सकते हैं। उनके मन में यह विश्वास हो कि हम ठीक काम करेंगे तो हमें प्रोटैक्ट किया जाएगा न कि उसके बदले में हमारे साथ दूसरा स्ट्रोक किया जाएगा। इसके साथ ही मैं आपसे यह भी कहना चाहूँगी कि बाढ़ के दिनों में कुछ लोगों के मकान बाढ़ के कारण गिर गए थे और किन्हीं टैक्निकल कारणों से उनको मुआवजा नहीं मिल पाया था। हो सकता यह बात आपके नोटिस में आई होगी। हमनें ऐसे लोगों से वायदा किया था और पोस्टर्ज में भी यह बात कही थी कि सबसे पहले हमारा यह काम होगा कि जो कुछ लोग पीछे इस प्रकार की सहायता से वंचित रहे हैं सरकार के गठन के बाद तुरन्त उन तक यह सहायता पहुँचाएंगे। मेहरबानी करके डी०सीज़० से बाढ़ से प्रभावित स्थानों की रिपोर्ट लेकर ऐसे लोगों को मुआविजा दिलवाने के लिए कार्यवाही करवाएं, ऐसी हम आपसे आशा करते हैं। इसके साथ ही सबसे बड़ी समस्या जो सबके सामने आ रही है वह बेरोजगारी की समस्या है। लोग आज हमें कहते हैं कि 20 साल से आपके साथ फिर रहा हूँ लेकिन नौकरी नहीं मिली। बेरोजगारी की समस्या बड़े भयंकर रूप से सामने आ रही है। हमारी सरकार ने एक कार्यक्रम तैयार किया था कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कम से कम एक परिवार में एक रोजगार, चाहे वह फैक्ट्रीज के माध्यम से हो या सरकारी नौकरी के माध्यम से हो, अवश्य देंगे। एक वेतन हर घर में जरुर आएगा ताकि चाहे बाढ़ की स्थिति हो या कोई भी स्थिति हो किसी परिवार को भूख का सामना न करना पड़े। उस योजना को भी आप और ज्यादा तेजी से आगे बढ़ाएंगे। अल्पसंख्यकों के बारे में भी मैं कहना चाहती हूँ कि जैसे हमारे मेवात का ऐरिया है वहां पर कुछ विशेष-विशेष स्कीमें मेवात के डिवैल्पमैंट के लिए शुरु की गई हैं, उनकी चर्चा इस अभिभाषण में नहीं आई है। कहीं यह गठबंधन का असर तो नहीं कि उनके बारे में कहीं एक शब्द भी न कहा जाए। यह एक कटु सत्य है कि विषमता और अनदेखी ही विद्वेष को जन्म देती है और विद्वेष ही दंगे-फसाद और विघटन को जन्म देता है। इस बारे में तो आपको पूरा अनुभव है। मैं यह चाहूँगी कि आपकी लीडर शिप में जितना काम होता है, उससे ज्यादा जरूरी है कि समाज के अन्दर कितनी सद्भावना बन सकती है। मैं इन्हीं शब्दों के साथ राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करती हूँ क्योंकि इस सरकार को अभी काम करने का मौका ही नहीं मिला है। अगर यह सरकार अच्छा काम करेगी तो हम इनका समर्थन करेंगे और अगर गलत काम करेगी तो इनका विरोध करेंगे। हम वही रोल अदा करेंगे जो इन्होंने अदा किया था।

स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती कमला वर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, बहन जी यह बताएं कि यह जो विभाग मुझे सौंपा गया है, वह इनके पास था। इसकी इतनी सड़ी-गली हालत क्यों है। यहां पर सभी मैम्बर्ज ने एक ही बात उठाई है कि गांवों में डाक्टर्ज नहीं है, अस्पतालों में दवाई नहीं है, ऐसा क्यों है ?

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात मानती हूँ कि गावों में डाक्टर्ज नहीं है और हमने इस कमी को पूरा करने की कोशिश भी की थी। हम जब कभी भी किसी डाक्टर की डियूटी गांव में लगाते थे तो वह यही प्रश्न करता था कि मेरे बच्चों की पढ़ाई का क्या होगा। अध्यक्ष महोदय, डाक्टर्ज गांवो से ज्यादा शहरों को प्रैफरैंस देते हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैंने पहले भी कहा था उनका कैडर अलग कर दें।

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में तो ये ही करेंगे। तो मैं इस सरकार से कहूँगी कि गांवों में भी डाक्टरों की कमी को पूरा करें। इसके साथ ही मैं यह कहूँगी कि डाक्टरों ने बाढ़ के समय में गांवों में बहुत ही सराहनीय काम किए हैं जिसके लिए वे और उनका काम प्रसंशनीय है। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यावाद करती हूँ कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। जय हिन्द।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी) : अध्यक्ष महोदय, मैं पहली बार इस सदन में चुन कर आया हूँ और आपने आज मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यावाद करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने से पहले लोगों के चेहरे मुरझाए हुए थे। लेकिन आज 15 दिनों में लोगों के चेहरों पर रौनक क्यों आई है क्योंकि उन्हें पता है कि अब एक अच्छी सरकार आई है। यहां पर इस सरकार से जो पहले की सरकार थी उस सरकार में भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं था।

अब मैं अपनी कांस्टीच्यूएंसी के बारे में बताना चाहता हूँ। मेरी कांस्टीच्यूएंसी में लोगों को तीन-तीन साल तक पीने का पानी देखने को नहीं मिला। हमें नहीं पता कि जो पैसा इसके लिए आता था वह कहां जाता था। लेकिन अध्यक्ष महोदय, अब ऐसी बात नहीं है। अब कोई भी मेरे साथ वहां पर चलकर देख सकता है। मैं भजन लाल जी को भी इन्वाइट करने को तैयार हूँ। अब वहां पर लोगों को पीने का पानी दिखाई दिया है। पहले तो नौकरी में भी भ्रष्टाचार था और दूसरी चीजों में भी भ्रष्टाचार था। अब वहां पर लोगों के चेहरों पर क्यों रौनक आई है क्योंकि अब लोगों को नयी जिंदगी नजर आने लगी है। अध्यक्ष महोदय, इसका एक ही कारण है कि चौधरी बंसी लाल जी पर लोगों को पूरा विश्वास है। अब पब्लिक में कैसी खुशी है यह स्वयं आप जाकर देख लें कि लोगों में कितनी खुशियां छाई हुई हैं। चौधरी बंसी लाल जी ने लोगों से जो वायदे किए थे वे धीरे धीरे पूरे होते जा रहे हैं, इसलिए अब लोग खुश हैं। लेकिन स्पीकर साहब, इन्होंने जो भट्ठा बिठाया हुआ है उसको हमें नार्मल करने में कुछ टाईम अवश्य लगेगा। जो हमारे यहां पर वाटर वर्क्स पर इंजन रखें हैं उनको आज तक भी किसी ने जाकर नहीं देखा कि वह चल भी रहें हैं या नहीं। 6-6 लाख रुपये के इंजन तबाह हो गए हैं। अब मैं चौधरी जगन्नाथ को दिखा कर लाया हूँ और अब वहां पर काम शुरु भी कर दिया गया है। लेकिन इस बारे में पहले जो पैसा दिया गया था वह कहां गया इस बारे में हमें कुछ पता नहीं है। अभी थोड़ी देर पहले बोलते हुए चौधरी भजन लाल जी और हमारे युवा साथी सुरजेवाला कह रहे थे कि बाढ़ के दौरान प्रशासन ने बहुत ही सराहनीय काम किया। मैं कहना चाहता हूँ कि 6-6 महीने तक भी गांवों में बाढ़ का पानी नहीं निकला था जबकि ये कहते हैं कि बड़ा सराहनीय काम किया है। मैं आपके द्वारा हाऊस के नेता से दरख्वास्त करुंगा कि भजन लालजी की अध्यक्षता में ही कमेटी बना कर इस बात की इंक्वायरी करवाएं क्योंकि इनको पता होगा कि वह पैसा कहां गया है ? इनको तो पता होना चाहिए कि वह पैसा कहां गया है ? स्पीकर साहब, ये हरिजनों के कल्याण की बात करते हैं। मैं बाढ़ के दौरान हरिजनों के घरों में गया था, उनके भी मकान गिरे पड़े थे लेकिन उनको कोई मुआवजा नहीं मिला। फिर वह पैसा कहां गया वह मैं भजन लाल जी से पूछना चाहता हूँ। वीरेन्द्र सिंह जी ने भी राजनैतिक करप्शन के बारे में बातें कहीं। (विघ्न) मैंने तो यह बात सुनी है। मैं यह जानना चाहूँगा कि राजनीतिक करप्शन कहाँ से आई ? यहाँ पर हमारे पी०एच०डी० साहब बैठे हैं जो यह कहते हैं कि उन्होंने इस सरकार को 6 महीने का टाईम दिया है और उसके बाद ये इस सरकार को देखेंगे। मैं कहना चाहता हूँ कि इन्होंने जो लोग पहले खरीदे थे वे अब कहाँ हैं, उनकी तो जमानतें भी नहीं बची। अब उन जैसे लोग यहां नहीं हैं। अब वह जमाना लद गया इस लिए अब आप ऐसे सपने न लें। आपको हरियाणा की 2 करोड़ जनता कभी भी माफ नहीं करेगी। स्पीकर साहब, मैं इनसे यह कहना चाहता हूँ कि ये स्वयं अपनी आत्मा से ही यह पूछे कि लोग बंसी लाल जी को क्यों पसंद करते हैं और अब लॉ

एण्ड आर्डर क्यों ठीक है। अब हरियाणा के हर अफसर में क्यों करन्ट आ गया है ? मैं आपको अपने साथ चलकर दिखाने के लिए इन्वाइट करता हूँ। आप अपनी आत्मा से ही सोचें कि आपने हरियाणा की जनता के साथ कितना भारी अन्याय किया है। स्पीकर साहब, मैं आपसे प्रार्थना करुंगा कि गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर जो डिसकशन हो रही है वह इस ढंग से होनी चाहिए कि सभी सदस्य सरकार को अपने सुझाव दें सकें। सरकार जो भी काम करना चाहती है उसके बारे में वे उसको गाईड करें। अब इस सरकार के आने के बाद चारों तरफ पीने के पानी का प्रबन्ध होने लगा है तथा अब नहरों में भी मिट्टी निकलवाने का काम हो रहा। मैं आप सभी से यह निवेदन करता हूँ कि 6 महीने का टाईम देकर देखिए और फिर गांव में चलकर देखे कि क्या हुआ। बाढ़ का पानी अब मुश्किल से निकला है। अभी भी बादली के अंदर 8-8 फुट पानी खड़ा है। धन्यवाद।

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है मैं उस पर चर्चा करने के लिए आपके आदेश से खड़ा हुआ हूँ। राज्यपाल महोदय का अभिभाषण किसी भी सरकार का आईना होता है, तस्वीर होती है। उस सरकार की क्या नीतियां हैं वे उस में दर्शाई जाती हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि जो तस्वीर आज राज्यपाल महोदय के अभिभाषण से उभर कर सामने आई है उससे हर हरियाणावासी का सिर गर्व से ऊंचा हो गया है क्योंकि आज प्रदेश में ऐसी सरकार सत्तासीन हुई है जिसके जहन में प्रदेश के हर वर्ग के लिए विकास की बात नीहित है। मैं सबसे पहले जो मद्यनिषेध की बात आई है, जो शराबबंदी की बात आई है उसके बारे में अपने विचार रखना चाहूँगा। अभी मुझसे पूर्व बोलते हुए चौधरी भजन लाल जी ने नीतियों का समर्थन किया। उन्होंने यह भी कहा कि ये नीतियां कुछ नई नहीं हैं, जो नीतियां हमनें बनाई थी ये वही नीतियां हैं। उन्होंने बेवजह ही भजनलाल एण्ड कम्पनी की मोहर इस सरकार की नीतियों पर लगाने की कोशिश की है। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि नीतियां तो महत्वपूर्ण होती हैं लेकिन उसके साथ-साथ वे नीतियां किस भावना से बनाई गई, उनके पीछे क्या भावना है, वे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हमारा देश भावना प्रधान देश है, इसमें कौन सा कार्य किया गया उसका इतना महत्व नहीं लेकिन वह काम किस भावना से किया गया इस बात का ज्यादा महत्व है। जैसे भजन लाल जी ने कहा कि वे शराबबंदी की बात करना चाहते थे वे भी शराबबंदी करना चाहते थे लेकिन उन्होंने किया क्या, यह देखने की बात है। अगर यह चाहते थे तो यह ठीक बात है। हरियाणा की जनता की माँग थी जिससे वे मुकर नहीं सकते थे। लेकिन उनकी नीयत साफ नहीं थी। उनकी नीयत साफ होती तो वे शराबबंदी लागू कर सकते थे और उनको कोई रोक नहीं सकता था। लेकिन उन्होंने पूर्ण शराबबंदी की घोषणा नहीं की। उन्होंने क्या किया ? उन्होंने कहा कि देहातों में ठेके नहीं खोले जाएंगे। शहरों में खोले जाएंगे, क्यों शहरों में खोले जाएंगे, किसलिए खोले जाएंगे ? एक संस्कृति उत्पन्न हुई है, स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद उसको लोलीपौप पौलिटिक्स कहते हैं। जो बोले उसके मुहं में चुप्पा दे दो और उसके बाद सारी बात वहीं की वहीं। जनता मांग कर रही थी कि शराबबंदी लागू की जाए लेकिन उन के मुहं में चुप्पा दे दिया और कहा कि मैंने देहातों में बंद कर दी। आंकड़ों से बताया जाए कि क्या देहातों में शराब बंद करने से शराब की बिक्री कम हुई। क्या सरकार का रैवेन्यू कम हुआ या अधिक बढ़ा। अगर मकसद देहातियों की नशाबंदी कराने से था तो ऐसा करना चाहिए था कि उनको शराब आसानी से मुहैय्या न हो लेकिन ऐसा नहीं किया गया। क्या सारी की सारी शराब शहरी पी गए ? कहाँ गई वह शराब ? इसके साथ-साथ और प्रोहिबिटर पनपे और होम डिलीवरी सर्विस शुरु की गई। जगह-जगह लोग गाड़ी लेकर गांवों में शराब पहुंचाते रहे। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि इन सब में इस चीज का महत्व ज्यादा है कि नीति की नहीं नीति के पीछे भावना क्या है, नीयत क्या है, सोच क्या है, विचार क्या है ? आज मैं फख्र के साथ कह सकता हूँ आज एक ऐसी सरकार ने सत्ता सम्भाली है जिसकी सोच बिल्कुल साफ है। भजन लाल जी

[श्री अनिल विज]

उठ कर जा चुके हैं इसलिए मैं अधिक नहीं कहना चाहता। परन्तु फिर भी मैं कहना चाहता हूँ कि भजन लाल जी इन नीतियों को आप अपने चश्में से न देखें, बल्कि जनता के चश्मों से देखें। जिस जनता ने हरियाणा की इस नई सरकार में अपना पूरा विश्वास व्यक्त किया है। (शोर एवं व्यवधान) मैंने हमेशा कांग्रेस का विरोध किया था, कर रहा हूँ और करता रहूँगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, कैरी ऑन। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से पूछो कि वे कांग्रेस का समर्थन कब कर रहे हैं ?

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, ये इनका इंटरनल मामला है। आज हरियाणा में जो सरकार स्थापित हुई है उसने बिल्कुल ठीक किया है, क्योंकि विकास की अन्यन नीतियां बनाने से पहले हमें यह देखना चाहिए कि जिनका बिकास हम करना चाहते हैं उनको बिकास के साथ-साथ नुकसान कितना हो रहा है। आज हो क्या रहा है ? नीतियां बनाई जाती हैं, नए-नए लोन वितरित किए जाते हैं, नए-नए उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। लेकिन जो गरीब लोग हैं वे दिन में अगर 50 रुपये कमाते हैं तो 25 रुपये जाकर के शराब के ठेके पर दे देते हैं। पूरी री-साईक्लिंग हो रही है। सरकार एक हाथ से दे रही है और दूसरे हाथ से बापिस ले रही है और ढिंढौरा विकास का पीटा जा रहा था। अगर एक तालाब या टब में एक नलका भरने वाला हो और चार नलके उसका पानी निकालने वाले हों तो वह तालाब या टब कैसे भर सकता है। अगर उसको भरना है या उसका विकास करना है तो पहले जो पानी निकालने वाले नलके हैं उनको बन्द करना होगा। आज मैं सदन को बता देना चाहता हूँ साथ ही उस सरकार को बधाई देना चाहता हूँ जिसने सबसे पहला कदम उस तालाब से पानी निकालने वाले नलकों को बन्द करने का निर्णय लिया है। उसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं नीयत की बात कर रहा था। इस बारे में मैं सदन को एक कहानी सुनाना चाहता हूं। एक साधू के पास एक शंख था। उसके पास उसके कई चेले आया करते थे और देखते थे कि ये महापुरूष कहीं आते-जाते तो हैं नहीं, न ही कुछ काम धन्धा करते, न कुछ कमाते। आखिर ये करते क्या हैं। परन्तु उस साधू को जब भी किसी चीज की आवश्यकता होती तो वह उस शंख को कहता था। जब भोजन की आवश्यकता होती तो कहता कि मुझे भोजन दो तो उसी वक्त भोजन उपलब्ध हो जाता था उनको जब वस्त्र की आवश्यकता होती थी तो वे कहते कि मुझे वस्त्र दो तो वस्त्र उपलब्ध हो जाते थे। उनके चेलों में से एक चेले की नीयत खराब हो गई। उसने सोचा कि मैं वैसे ही दिन-रात मरता हूँ मेहनत करता हूँ, अगर किसी तरह मैं इस साधू महाराज का शंख चुरा लेता हूं तो उस से मेरे भी वारे-न्यारे हो जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, उस चेले ने मौका लगाकर साधू का शंख चुरा लिया और उस को अपने घर ले गया। उसने घर जाकर शंख से कहा कि हे शंख मुझे 50 रुपये दे दो शंख ने कहा कि तुम सौ रूपये लो। चेले ने कहा कि मुझे दो सौ रूपये दो, शंख ने कहा तुम 500 रूपये लो। चेले ने कहा मुझे घर दो, शंख ने कहा तुम गाड़ी लो। चेले ने कहा, तू दे तो सही, तू देता तो कुछ है नहीं। शंख ने कहा कि देना-दूना मेरे वस की बात नहीं है। देने वाला शंख तो साधू ने बदल दिया था, मैं तो गपोड़ शंख हूं। देने वाला शंख तो साधू के पास है। इसी तरह भजन लाल जी भी जो दावे कर रहे थे वे गपोड़ शंख वाले दावे थे। देना-वेना इनके बस की बात नहीं थी। देने वाला शंख तो अब जनता ने भेजा है और चौधरी बंसी लाल की सरकार में जनता का पूरा विश्वास है। जनता जो मागेंगी वह मिल जायेगा। अध्यक्ष महोदय, पंजाबी भाषा को राज्य में दूसरा दर्जा देने का इस सरकार ने निर्णय लिया है। उस पर भी बोलते हुए विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने कुछ टिप्पणियां की हैं। उसके बारे में भी चौधरी भजन लाल जी ने कहा तथा सारा श्रेय अपने ऊपर लेने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि यह तो मैं

ही कर गया था। मैंने पत्थर लिखवाए थे और पत्थर लिखने व लिखवाने की इनकी हैबिट है। हरियाणा में जगह-जगह इन्होंने पत्थर लिखवाए हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि पत्थर लिखवाने मात्र से किसी भाषा को कोई दर्जा प्राप्त नहीं हो जाता। मात्र सड़कों के किनारे चंद पत्थर लगवाया जाना कोई बड़ी बात नहीं है।इसके साथ-साथ इन्होंने कहा कि उन्होंने 500 पंजाबी के अध्यापकों की नियुक्ति के लिए फाइल पर साईन कर दिए थे लेकिन यह मामला तो फाइल तक ही सीमित रहा।हरियाणा की जनता ने इस पार्टी को ही फाइल कर दिया।इसलिए इनको आज यहाँ से उठकर वहाँ बैठना पड़ा। लेकिन आज जनता के इस जनादेश को समझने की बजाए तथा नई सरकार की नीतियों को समझने तथा उनका समर्थन करने की बजाए इन्होंने सारा श्रेय अपने ऊपर ही लेने की कोशिश की है। अध्यक्ष महोदय, मैं बाकी विषय में और ज्यादा चर्चा नहीं करूंगा क्योंकि यह 6 पेज का भाषण है। पेज चाहे 6 हों या 600 हों, इस बात का महत्व नहीं है। महत्व तो इस बात का है कि बात क्या कही गई है, मुद्दे क्या रखे गए हैं, सरकार ने नीति-निर्धारण क्या की है ? इसके अंतिम पेज पर सरकार ने लोकपाल की नियुक्ति करने के लिए निर्णय लेने की बात की है। वास्तव में यह बहुत बड़ी बात है क्योंकि आज सारे देश में भ्रष्टाचार ही एक अहम मुद्दा है। इसकी नियुक्ति से जो बड़े-बड़े अफसर व और दूसरे लोग बड़े-बड़े पदों पर मनमाने तौर पर बैठे हुए हैं, उनके भ्रष्टाचार पर रोक लगाना आसान हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, यह जो भ्रष्टाचार का वृक्ष है, यह जो लूट चलती है, इसकी जड़ें आकाश में होती हैं और इसका तना नीचे आकर फैलता है। आज हम नीचे के भ्रष्टाचार से दुखी हैं। यह तभी रोका जा सकता है जब इसकी जड़ें काटी जा सकेंगी। तथा इसको ऊपर से रोका जा सकेगा। मैं बताना चाहता हूं कि भ्रष्टाचार एक ऐसी प्रकार की बीमारी है जैसे कि एड्स की बीमारी होती है। जिस शरीर में एड्स के जीवाणु प्रवेश कर जाते हैं, उस शरीर के सभी अंग काम करना बंद कर देते हैं तथा उसकी क्षमता कम हो जाती है, उसके हाथ पैर काम करना बंद कर देते हैं, उसकी मृत्यु हो जाती है। इसी प्रकार से जिस देश में, जिस देश के सिस्टम में भ्रष्टाचार के जीवाणु प्रवेश कर जाते हैं, उस सिस्टम में भी उस सरकार में भी ऐसी बीमारियों को रोकने की हिम्मत नहीं रहती। उसके धीरे-धीरे हाथ पैर काम करना बंद कर देते हैं। उसकी मृत्यु हो जाती है। मैं समझता हूं कि बंसी लाल जी की सरकार ने जो लोकपाल नियुक्त करने की बात की है, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है, क्योंकि इससे भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी तथा भ्रष्टाचार रूकेगा। सरकार की जो नीतियां हैं वे लोगों तक पूरी तरह से पहुंचे, ऐसी सरकार की कोशिश है। लेकिन सरकार के सामने तरह-तरह की प्रोब्लमज़ हैं, जैसे फ्लड की समस्या, बिजली की समस्या, पीने के पानी की समस्या। जितनी भी समस्याएं हैं, जितनी भी बातें रखी गई हैं, सभी समस्याएं व सभी बातें दूर की जा सकती हैं, अगर हम इस भ्रष्टाचार को कम कर सके तथा भ्रष्टाचार पर रोक लगा सके। इस सरकार से जो भ्रष्टाचार को रोकने के लिए लोकपाल की नियुक्ति की बात कही है, वह इसमें सहायक होगी। इसके साथ-साथ मैं यह भी कहता हूं कि मौजूदा सरकार के कार्यकलापों पर ही लोकपाल द्वारा नज़र न रखी जाए बल्कि पूर्व सरकार के कार्यकलापों की निगरानी या उन पर विचार करने के लिए भी उसको अधिकार दिया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं, जो प्रस्ताव इस सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के संबंध में रखा गया है, उसका समर्थन करता हूं, धन्यवाद।

श्री अजय सिंह (रिवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया है।

श्री अध्यक्ष : मौके वाली कमी कभी नहीं आने देंगे।

श्री अजय सिंह : धन्यवाद सर। स्पीकर साहब, यह बात सही है कि इस बार हरियाणा की जनता ने अपने वोटों द्वारा हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन को अपना जनादेश दिया

[श्री अजय सिंह]

है। हमें इस बारे में मानना भी चाहिए लेकिन चन्द बातें हैं जिनको हमने मुख्य तौर पर देखना है। गलतियां निकालना बड़ा आसान है। यह कहना कि हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने कुछ नहीं किया, यह सही बात नहीं है। हमारी चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने हरियाणा के अन्दर "अपनी बेटी अपना धन" एक स्कीम चालू की थी जो अपने आप में एक बहुत ही सराहनीय स्कीम है। उस समय जो विभाग मेरे पास था उसमें यह स्कीम है। हमने इस स्कीम को लागू किया। इसके अलावा हमारी सरकार ने महिलाओं को बी०ए० तक की शिक्षा मुफ्त देने का फैसला किया।

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : आप चौधरी भजन लाल पर बोल रहें हैं या राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पेश हुए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोल रहे हैं ?

श्री अजय सिंह : आप मुझे बोलने दें। जब आपको बोलने का टाइम मिले उस समय आप बोल लेना। स्पीकर साहब, हमारे सामने जो समता पार्टी के भाई बैठें हैं इन्होंने अपने समय में बहुत गलतियां की थीं। जनता ने इनको दो दफा नैगलैक्ट कर दिया। जो कर्जा माफ करने की बात थी, हमारी सरकार ने आते ही जो कर्जा था उसका ब्याज माफ किया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अब वह सरकार कहां है।

श्री अजय सिंह : आप मेरी बात सुनते रहो आप बाद में कह देना। यह कहना कि पिछली सरकार ने कोई काम नहीं किया यह सही नहीं है। हमारी सरकार ने प्रदेश के अन्दर बहुत सारी इंडस्ट्रीज लगाई। हमारी सरकार ने एन०आर०आई०ज० के साथ बहुत सारे समझौते किए, उन्होंने हमारे यहां पर बहुत सारी इंडस्ट्रीज लगाई। प्रदेश में एक गुण्डागर्दी का माहौल चौटाला एंड पार्टी के लोगों ने किया था। उस समय मैहम में किस प्रकार से लोगों की हत्याएं की गई थीं। (शोर)

श्री जसविन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। इनको फौज से भी इसीलिए निकाल दिया गया क्योंकि ये मैंटल हैं। ग्रेवाल आयोग ने उनको अपनी रिपोर्ट में बरी किया है, फिर भी ये उस बात को बार-बार कह रहे हैं। इनको इस बात का फोबिया हो गया है। इनको 10 साल से दिन में रात में चौटाला साहब ही नजर आ रहे हैं इस बार ये इन कुर्सियों पर बैठे हैं अगली बार हाउस से बाहर हो जाएंगे।

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है।

श्री अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, अफसोस इस बात का है कि आज भी सदन में ऐसे व्यक्ति चुन कर आ गए जो क्रिमिनल केसिज में इनवाल्ड हैं। जो लोग डकैती मारते थे जो हत्याएं करते थे ऐसे लोग सदन में आकर बैठे हुए हैं। यह हमारा दुर्भाग्य है।

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, इन्होंने कहा है कि सदन में ऐसे ऐसे लोग आ गए हैं जो हत्याएं करते थे या डकैती मारते थे। ये बताएं कि वे लोग कौन कौन हैं। इनको सारे सदन के बारे में ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए।

श्री अजय सिंह : जो बोल रहे हैं जसविन्द्र सिंह मैं उनके बारे में कह रहा हूं।

Mr. Speaker : I would request all the members to use good language. No personal remarks should be made.

श्री जसविन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। इनकी सरकार ने मेरे खिलाफ बीसियों झूठे केस बनाए और मैं उन सभी केसिज में बरी हुआ हूं। उनमें से मुझे एक भी केस में सजा नहीं

हुई। किसी भी केस में अगर मुझे कोई सजा हुई है तो ये मुझे बताएं।

Mr. Speaker : That is very good. Yadav Sahib, please come to the point.

श्री अजय सिंह : स्पीकर साहब, कांग्रेस पार्टी एक महान पार्टी है और इसकी अपनी एक प्रथा है। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार बनते ही इन्होंने जो शराबबंदी का सबसे पहला कदम उठाया है मैं उसका स्वागत करता हूं। मैं ही नहीं बल्कि सारा महिला जगत भी इसका स्वागत करता है। गांव के जितने भी लोग हैं वे सभी इसका स्वागत करते हैं। यह कहना कि शराब बंदी का सारा काम इसी सरकार ने किया है यह ठीक नहीं है क्योंकि हमारी सरकार ने शराबबंदी की शुरुआत की थी। हमारी सरकार ने गांवों के अन्दर शराब बिल्कुल बंद कर दी थी। चौटाला एंड पार्टी ने तो गांव गांव में शराब के अहाते खोल दिए थे जिनको हमनें बंद किया था। हमने गांवों में शराबबंदी का कार्य सबसे पहले किया था।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, कैप्टन अजय सिंह ने भाई जसविंद्र सिंह जी के बारे में जो शब्द कहे वे इनको वापिस लेने चाहिएं या वे एक्सपंज होने चाहिएं।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह जी ने जो तुम क्रिमिनल हो कहा, ये या तो उसे वापिस लें वरना उसको रिकार्ड में से निकाल दिया जाये।

श्री अजय सिंह : आप कहतें हैं तो मैं उन शब्दों को वापस लेता हूं। आपका आदेश हमें मान्य है। जो शराब बंदी सरकार करने जा रही है उसके लिए यह भी देखना होगा कि हमारी जिन-जिन प्रदेशों के साथ सीमाएं हैं, उनकी सरकारों के साथ बातचीत करके वहां से ठेके हटवाएं ताकि शराबबंदी का फायदा पूरी तरह से हो सके। इसके साथ ही साथ सरकार ने उन लोगों की तरफ भी ध्यान देना है जिनका फौज से संबंध है। जो एक्स सर्विसमैन हैं, उनको शराब कैसे उपलब्ध करवाई जाये, यह भी देखना होगा। पूर्ण शराबबंदी लागू करते समय बहुत सारी बातों की गहराई में जाना होगा। सरकार को चाहिए कि जिन राज्यों में पूर्ण शराबबंदी है वहां से भी सलाह ली जाये। इसी प्रकार से मैं चाहता हूं कि जहां पर प्राईवेट होटलों में नाच गाने और गन्दे डांस होते हैं उन पर भी रोक लगनी चाहिए। जैसे डांस गुड़गांव में 32 mile stone पर होते हैं, हमारी संस्कृति ऐसी चीजों को स्वीकृति नहीं देती।

हमारी सरकार ने अपने वक्त में मण्डल कमीशन लागू किया था और बैकवर्ड क्लासिज को 27 परसेंट रिजर्वेशन दी थी और कई श्रेणियों को पिछड़े वर्ग में शामिल किया गया था। मैं चाहता हूं कि गांवों में जो गरीब हरिजन हैं उनको भी सरकार प्लाट आदि मुहैया करवाये। इसी प्रकार से शहरों में जैसे कि मेरे रिवाड़ी शहर में जो गरीब हरिजन हैं वे एक-एक छोटे से घर में दो से तीन परिवार रह रहें हैं। इसलिए सरकार को ऐसे परिवारों को प्लाट्स उपलब्ध कराने चाहिए ताकि वे भी अच्छी जिन्दगी बसर कर सकें। इसी प्रकार से मैं चाहता हूं कि पंचायतें हरिजनों को प्लाट देती हैं लेकिन उनके पास जमीन नहीं है इसका प्रबन्ध भी सरकार को करना चाहिए। इसी प्रकार से एस०वाई०एल० का पानी लाने के बारे में बात काफी दिनों से चल रही है कि इसका पानी दक्षिण हरियाणा को मिलेगा। मैं जानना चाहता हूं कि दक्षिण हरियाणा कौन सा है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह भी दक्षिण हरियाणा की बात कर रहे थे। असल में है कौन सा दक्षिण हरियाणा। चौधरी देवी लाल की, चौधरी भजन लाल की और अब यह सरकार दक्षिण हरियाणा को पानी देने के नाम पर सत्ता में आती हैं। अब मौजूदा सरकार में भी वहां से 9 एम०एल०एज़ में से 6 एम०एल०ए० हैं जींद वाले और रोहतक वाले भी अपने को दक्षिण हरियाणा का हिस्सा मानते हैं जबकि रोहतक पानी में डूबा हुआ था। दरअसल दक्षिण हरियाणा में लोहारू, दादरी, रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, फरीदाबाद तथा मेवात व गुड़गांव का एरिया आता है जहां पर पानी की काफी कमी है। असल में एस०वाई०एल० का पानी इस इलाके के लिए है लेकिन यहां पर कोई ध्यान नहीं दे रहा। रिवाड़ी में पानी की काफी समस्या

[श्री अजय सिंह]

है। मेवात के इलाके में कमी है। इसी प्रकार से भाई नरवीर सिंह के खुद के गांव में पानी नहीं है। जबकि हिसार और सिरसा में पानी की कोई कमी नहीं है। इसलिए मेरा कहना है कि बारबार दक्षिण हरियाणा के नाम पर वोट लेकर जो सरकारें बनती आ रही हैं, उनको वहां पर पानी देने का अपना वायदा भी पूरा करना चाहिए। इस इलाके के लिए सरकार को कहीं न कहीं से पानी लाना चाहिए।

स्पीकर सर, आज गंगा के पानी का भी ज़िक्र किया गया। मैं कहता हूँ कि यह बड़ी अच्छी बात है। दक्षिणी हरियाणा के अन्दर लोग बून्द-बून्द पानी के लिए तरस रहे हैं जहां के बारे में केवल एक बात कह दी कि हमने आपके यहां नहर खोद दी, जे०एल०एन० कैनाल खोद दी, लेकिन हमारे जोहड़ नहीं भरते हैं और पशु बेचारे प्यासे मरते हैं। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मुख्य मन्त्री जी से कहना चाहता हूं परन्तु वे इस समय सदन में नहीं हैं। मनी राम गोदारा जी यहां पर बैठे हुए हैं वे इस का समाधान करवाएं और वहां पर पानी उपलब्ध करवाएं। अभिभाषण में कहीं पर भी पीने के पानी का ज़िक्र नहीं है यहां तक कि एक भी शब्द नहीं कहा गया कि हमारे इलाके में पीने के पानी की समस्या है। हमारी सरकार ने बहुत सी कैनाल बेसड स्कीमज़ तैयार की थीं, मुझे उम्मीद है कि मौजूदा सरकार भी खासतौर पर रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, नारनौल तथा मेवात ऐरिया में कैनाल बेसड स्कीमज़ को जारी रखेगी ताकि वहां पर लोगों को पीने का पानी मिल सके।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। हमारे वरिष्ठ साथी कप्तान साहब कह रहे हैं कि उन्होंने कैनाल बेसड स्कीमज़ तैयार करवाई। 11 अगस्त, 1988 को पब्लिक हैल्थ विभाग मेरे पास था और कालाका गांव में रिवाड़ी के चुनाव क्षेत्र में महेन्द्रगढ़ जिले के लिए कैनाल बेसड स्कीम बनाई थी। यह स्कीम महेन्द्रगढ़, नारनौल और कालाका गांव को पानी देने की स्कीम थी। उस वक्त इसी सदन में कप्तान साहब ने इस योजना का विरोध किया था और यह कह कर किया था कि सरकार के लोग सारा पानी महेन्द्रगढ़ की ओर ले गए। उस वक्त इन्होंने इस तरह की बात कही थी।

श्री अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मैंने कोई विरोध नहीं किया बल्कि माननीय साथी राम बिलास शर्मा जी, रिवाड़ी की नहर पर आधारित स्कीम को महेन्द्रगढ़ और नारनौल ले गए और हमारे साथ अत्याचार किया। वह तो हम शुक्र करते हैं कि चौधरी भजन लाल जी की सरकार आई और रिवाड़ी शहर के अन्दर कैनाल बेसड स्कीम शुरु हुई। यह तो 3-4 करोड़ रुपये की स्कीम है जिसके द्वारा रिवाड़ी शहर को पानी मिल रहा है। प्रो० राम बिलास जी की बजह से 4 साल तक रिवाड़ी शहर को पानी नहीं मिला। इसके अलावा रिवाड़ी ज़िले के ग्रामीण क्षेत्रों के अन्दर भी करीब 110 गांवों में कैनाल बेसड स्कीम्ज़ हमारी सरकार ने लागू की है। स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि हमारा जितना भी इलाका है चाहे वह नारनौल का इलाका है या मेवात का इलाका है, वहां पर हमें कैनाल बेसड स्कीम्ज़ पर जोर देना पड़ेगा क्योंकि अण्डर ग्राउण्ड वाटर लैवल बहुत डाउन चला गया है। इसके इलावा बाढ़ की बात मुख्य है। रिवाड़ी, भिवानी और रोहतक के अन्दर भयंकर बाढ़ आने के बारे में मैंने चौधरी बंसी लाल जी का ब्यान बहुत सारे अखबारों में पढ़ा। बाढ़ से भयंकर नुकसान हुआ था।

श्री अध्यक्ष : कप्तान साहब, आप कितना समय और लेंगे।

श्री अजय सिंह : आपने कहा था कि फ्री टाईम है, इसलिए मैं अपनी बात कह रहा हूं। मैं पालिसी की बात कह रहा हूं, कोई गलत बात नहीं कह रहा हूं (विघ्न) यदि आप कहेंगे तो मैं कल बोल लूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी बात ज़ारी रखिए।

श्री अजय सिंह : फल्ड के बारे में सरकार जो कदम उठा रही है उस बारे में मैं कहना चाहूंगा (विघ्न)

16.00 बजे **प्रो० राम बिलास शर्मा :** स्पीकर साहब, यह सदन है और सदन में हम एक-एक शब्द की पवित्रता पर विश्वास रखते हैं। इस सदन के प्रति हमारी पूरी आस्था है। यहां पर जो भी बोला जाए, बहुत सोच-समझ कर बोलना चाहिए। (विघ्न)

श्री अजय सिंह : यह आप पर भी लागू होता है (विघ्न)

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, एक मिनट मेरी बात सुनिये। इनके पिता जी हमारे स्टेट वाईस प्रैजिडैंट थे। इस प्रकार ये आधे जनसंघी तो हैं ही (विघ्न) Chaudhry Birender Singh ji, every person is with B.J.P. some are patent, some are latent. किसी के गले में पट्टा डाल दिया है और किसी के गले में पट्टा डाल देंगे चिन्ता मत करो। स्पीकर सर, इस माननीय सदन का रिकार्ड मौजूद है राव राम नारायण जी आज तो मौजूद नहीं हो सकते, कप्तान साहब से अनजाने में बात कही गई होगी।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाऊस की सहमति हो तो बैठक का समय 15 मिनट और बढ़ा दिया जाए।

आवाज़ें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : बैठक का समय 15 मिनट और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, हो सकता है उस समय कप्तान साहब से बिना पूरी जानकारी के बात हो गई हो। उस समय कैटेगोरिकली इन्होंने एक बात कही थी कि पब्लिक हैल्थ का ज्यादा पैसा महेन्द्रगढ़ जिले पर खर्च कर दिया।

उस समय रिवाड़ी महेन्द्रगढ़ का पार्ट एंड पार्सल था। उस समय में हमने चार योजनाएं प्रमुख रूप से बनाई थीं। रिवाड़ी के लिए कालाका स्कीम 1 करोड़ 38 लाख की थी। महेन्द्रगढ़ में देवास और जीतलाम के बीच में 1 करोड़ 18 लाख की योजना थी। वह बात जब राव राम नारायण ने इनको समझाई तब इन्होंने इसको अमैन्ड किया था। परन्तु एक बात इन्होंने यह कही थी।

श्री अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि उस वक्त मैंने यह कहा था कि रिवाड़ी में जो पैसा इस योजना का था उसको उठाकर यह नारनौल ले गए थे। यह नहीं कहा था कि वहां पर क्यों ले गए। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, बहुत सी जगहों पर ध्यान दिया गया। मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूंगा कि जे०एल०एन० के अन्दर सारे पम्प खराब हो चुके हैं। उनकी कपैस्टी जितनी पहले थी उतनी नहीं रही है। मुझे नहीं पता है कि सरकार ने अपने बजट के अन्दर जे०एल०एन० कैनाल के लिए पैसा रखा है या नहीं रखा है। मैं इस बात को मानता हूँ कि पिछले चार साल में जे०एल०एन० के लिए हमने पैसा नहीं दिया है। आज स्थिति इतनी खराब हो गई है कि जे०एल०एन० कैनाल की जो कपैस्टी थी वह घट कर 1/4 रह गयी है और आप उसकी स्थिति में इम्प्रूवमैंट लाएं। वर्ल्ड बैंक ने जो पैसा दिया है वह रोहतक, जींन्द, सिरसा में और हिसार में लगाया गया है। जे०एल०एन० के लिए कहा गया है कि पैसा कन्जयूमर को जेब से देना पड़ेगा, इसलिए यह पैसा जे०एल०एन० कैनाल पर नहीं लगाया जाएगा। मैं एक

[श्री अजय सिंह]

बात कहता हूं कि सरकार को किसी तरीके से जे०एल०एन० की मरम्मत के लिए कदम उठाने चाहिएं। इस के साथ जो हमारा मसानी बैराज है उसका काम चौधरी बंसी लाल जी के समय में बंद हो गया था। राजस्थान की सरकार में जहां पर राम बिलास शर्मा जी के काउन्टर पार्ट भैरों सिंह शेखावत जी थे, उन्होंने वहां से बिना नोटिस दिए पूरे रिवाड़ी के क्षेत्र को पानी के अन्दर डूबो दिया।

प्रो० राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, पिछले सैशन की ही बात है और आप भी मेरे बराबर में बैठते थे। हम तो कान,आंख और नाक से पूरी तरह से साऊंड हैं। मैंने बाढ़ पर बोलते समय कहा था, मैंने कम्पेयर किया था कि एक गवर्नमैंट जयपुर में है, एक गवर्नमैंट दिल्ली में है। दिल्ली में आठ मिनिस्टर चीफ मिनिस्टर समेत जहां-जहां पर यमुना जी गई, वहां पर मदन लाल खुराना जी ने चौपालों पर मंत्रियों की डियूटी लगाई। Again I repeat. I compared Bhairo Singh Sekhawat with a instance that the D.C. of Alwar telephoned the D.C. Rewari 24 hours before the arrival of storm water. कैटेगरीकली यह बात रिकार्ड में मौजूद है। भैरों सिंह जी की सरकार ने अलवर के डिप्टी कमीश्नर ने रिवाड़ी के डी०सी० मिस्टर वर्मा जी को 24 घंटे पहले टैलिफोन किया कि हमने साहबी नदी में पांच सौ क्यूसिक पानी ज्यादा छोड़ दिया है। हो सकता है कि पानी रास्ता बहक जाए या रास्ता छोड़ जाए। आप अपने ज़िले का प्रबन्ध कर लें। यही मैंने उस समय भी कहा था इनकी सरकार से प्रबन्ध नहीं हो सका और ये सबको एक जैसा समझते हैं। अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में किसानों की एक खुड जमीन को भी नुकसान नहीं हुआ। एक भी जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। यहां पर इनकी सरकार होते हुए भी 230 आदमी मारे गए, 6 हज़ार पशुधन मारे गए और 27 लाख एकड़ के एरिए में पानी भर गया। अध्यक्ष महोदय, उसमें लगभग दो हजार करोड़ की सम्पत्ति बर्बाद हो गई।

श्री अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि कृष्णगढ़ गांव और भालावास गांव जगदीश यादव जी के हल्के में आते हैं। राजस्थान की वजह से वहां इतनी भयंकर बाढ़ आई कि लोग डूब गए। शहर के अन्दर हमारी 20-25 कालोनियां पानी में डूब गईं लेकिन हमारे ज़िले का लैवल बहुत नीचे था, इसकी वजह से पानी आगे निकल गया। लेकिन जिस भारी गति से वहां पर पानी आया था उसके कारण वहां बहुत ज्यादा नुकसान हुआ था। यह नुकसान इस लिए हुआ था क्योंकि मसानी बैराज पर काम कम्पलीट नहीं हुआ था। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से आपके द्वारा कहना चाहूँगा कि मसानी बैराज पर काम जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाए। स्पीकर सर, उस कैचमैन्ट एरिये के अंदर एक भटसाना गांव पड़ता है। उस गांव की रिहैबीलीटेशन के लिए उसको उठा कर कहीं और जगह दी जाए ताकि अगर इस बार पानी आता है तो कम से कम उसको बचाया जा सके। इसके अलावा जब कभी भी जल समझौता हुआ फिर भी पानी राजस्थान सरकार ने रोक लिया। हमें कृष्णावती, साहबी नदियों के पानी के हिस्से की बात भी करनी चाहिए।मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूँगा कि वे बी०जे०पी० के मुख्य मंत्री से बात करके हमारे पानी का हिस्सा दिलवाएं। मुख्यमंत्री जी अभी बैठें नहीं हैं। लेकिन मैं कहना चाहूँगा कि हमारा जितना भी पानी है जोकि राजस्थान सरकार छोड़ती है, उसके लिए इस प्रकार से बंध बनाएं जाएं ताकि वह पानी खराब न हो और वह पानी डाईवर्ट होकर मसानी बैराज में चला जाए। इसके अलावा जे०एल०एन० के बारे में भी आपने कहा था कि पानी छोड़ देंगे। स्पीकर सर, एक सोहना लिफ्ट कैनाल बनायी गयी थी, राव बीरेन्द्र सिंह जी के समय में। अब यह केवल जे०एल०एन० कैनाल से लेकर मसानी बैराज तक खोदनी बाकी है इसके लिए जमीन ऐक्वायर हुई पड़ी है और इस बारे में मैंने स्कीम बना कर इरीगेशन डिपार्टमैंट को दे रखी है। इसमें अब केवल बीस या पच्चीस लाख रुपये का ही काम बाकी है। इसको अगर आप खोदकर मसानी बैराज से जोड़ देते हैं तो फिर जब भी पानी आएगा तो यह पानी मसानी बैराज में चला जाएगा। इसी प्रकार

से जहां तक बिजली की बात है। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि एक स्कीम बादशाहपुर लाईन से रिवाड़ी क्षेत्र को जोड़ने के बारे में चल रही है। मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि वे इस स्कीम को जल्दी ही लागू करवाएं। इस स्कीम के तहत खम्भे गड़ चुके हैं लेकिन मुझे नहीं पता कि किस कारण से यह लाईन नहीं जुड़ सकी है। हमारे इलाके में जो लाईट आती है वह दादरी की तरफ से आती है और जब भी कट लगता है तो वह हमारे इलाके में ही लगता है। मुझे उम्मीद है कि यह सरकार इस तरफ भी ध्यान रखेगी और बादशाहपुर लाईन से हमें जोड़ेगी। इसी तरह से एक सबस्टेशन 220 के0वी० का धारूहेड़ा में बनना था, मुझे उम्मीद है कि सरकार इसके बारे में भी ध्यान रखेगी। इसी तरह से जो ट्यूबवैल्ज़ कनैक्शंज हैं उनके लिए हमारे इलाके में बहुत मांग है और काफी ऐप्लीकेशंज पैंडिंग पड़ी हुई हैं। हम इस बारे में पिछले चार पांच साल से बड़ी दुविधा में रहे हैं। (विघ्न) हमने भी कनैक्शंज दिए हैं लेकिन मैं यह बात भी मान रहा हूँ कि अभी भी वहां पर दिक्कत है। आज भी वहां पर काफी मात्रा में कनैक्शन लेने के लिए ऐप्लीकेशंज पैंडिंग पड़ी हुई हैं। उन लोगों को जल्दी ही ट्यूबवैल्ज़ के कनैक्शन दिए जाने चाहिएं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ये तो स्वयं मान रहे हैं कि पिछले चार सालों में कुछ नहीं हुआ।

श्री अजय सिंह : स्पीकर सर, ऐसी बात नहीं है हमने भी बहुत लोगों को ये कनैक्शन दिए हैं लेकिन वहां पर डिमांड ही इतनी है। इसलिए मैं सरकार से कहूँगा कि वह हमारे इलाके में कनैक्शन उपलब्ध करवाएं ताकि वहां पर इस बारे में जो बैकलॉग है उसको पूरा किया जा सके। इसी तरह से आपको ट्रांसफार्मर्ज की कमी को भी पूरा करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इंडस्ट्री के बारे में सरकार ने कहा कि वह उदारीकरण की नीति अपना रही है। मैं कहना चाहूँगा कि हमारा जो धारूहेड़ा का क्षेत्र है जिसको हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी ने सब तहसील बनाया था उसके नजदीक राजस्थान के अंदर भिवाड़ी भी बहुत अच्छा इंडस्ट्रियल एरिया डिवैल्प हो गया है। मैं चाहूँगा कि सरकार इस बारे में अपने यहां पर ही इंसैंटिव दें तो कम से कम धारूहेड़ा के अंदर जो हमारा इंडस्ट्रियल बैल्ट है, उसको बूस्ट अप करने के लिए जो भी काम किए जा सकते हैं वह जरूर करें। अध्यक्ष महोदय, अब मुख्यमंत्री जी यहां आ गए हैं इसलिए मैं जे०एल०एन० के बारे में उनसे फिर कहना चाहूँगा कि जे०एल०एन० के अंदर जो पम्प सैट्स हैं उनकी रिपेयर करवायी जाए। आज जे०एल०एन० कैनाल की हालत बहुत बुरी है और पम्प सैट्स की भी बहुत बुरी हालत है। (विघ्न) हमने भी बहुत काम किए हैं लेकिन बाद में किसी ने कुछ नहीं किया। भजन लाल जी ने बहुत काम किए हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, अजय सिंह ने पिछले पांच सालों में केवल एक ही काम किया है और वह यह कि ये पिछले पांच सालों तक दाढ़ी रखते रहे लेकिन अब इन्होंने यह कटवा ली है।

श्री अजय सिंह : स्पीकर साइब, ये हमारे बहुत ही माननीय सदस्य हैं। इनके बारे में मैं क्या कहूँ ? ये यहां पर तो शराबबंदी के बारे में कहते हैं लेकिन ये खुद क्या करते हैं आप जरा इनसे पूछिए तो सही।

श्री बीरेन्द्र सिंह : मैं तो बिल्कुल भी शराब नहीं पीता हूँ।

श्री अजय सिंह : जहां तक फोरलेनिंग की बात है, फोरलेनिंग न होने की वजह से जयपुर से लेकर रिवाड़ी और गुड़गांव तक बहुत बुरी हालत है, बहुत ऐक्सीडैंट उस रोड़ पर होते हैं। फोरलेनिंग के बारे में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने स्कीम बना रखी है। अगर केन्द्र में आपकी भाजपा सरकार ठहरती है तो आप उनसे बातचीत करके फोरलेनिंग के बारे में अवश्य कदम उठाएंगे। इस बात का मुझे पूरा भरोसा है। इसके अलावा शहरों में खासकर दिक्कत इल्लीगल कालोनीज के बनने से आ रही है। मैंने राजस्थान में देखा है

[श्री अजय सिंह]

कि को-ऑपरेटिव सोसायटीज बनाते हैं। उन सोसायटीज में कालोनी बनाने के बाकायदा नार्म्ज निर्धारित किए जाते हैं कि इतनी चौड़ी सड़क होगी और स्कूल व पार्क इत्यादि के लिए इतनी जगह छोड़ी जाएगी। लेकिन यहाँ ऐसा कोई सिस्टम नहीं है। हुड्डा की कालोनीज सिस्टेमैटिक वे में बनती हैं लेकिन हुड्डा में प्लाट लेना कोई आसान काम नहीं है। गन्दी बस्तियों की रोकथाम के लिए भी प्रोपर सोसायटीज का बनाया जाना अत्यंत आवश्यक है। इस बारे में नीति बनाई जाए ताकि ये सोसायटीज प्लान्ड बेसिज पर काम करें। अलवर के अंदर भी प्लान्ड-वे से शहर बढ़ रहा है जबकि हरियाणा में बड़ी भारी दिक्कत पैदा हो रही है और जब फलड आता है तो शहर के शहर पानी से भर जाते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए स्टौर्म ड्रेनेज की व्यवस्था की जाए। जहां एक लाख की आबादी है वहां तो ऐसी व्यवस्था अवश्य की जाए। इसके अलावा रिवाड़ी शहर में बाई-पास मंजूर किया हुआ है। मैं ऐसी उम्मीद करता हूँ कि इसे आप जरूर बनवाएंगे क्योंकि जयपुर की तरफ से बहुत ट्रैफिक आता है। रिवाड़ी, रोहतक-नारनौल रोड पर जो खेतड़ी ओवरहैड ब्रिज बनाया जाना है, मैं विनती करूंगा कि उसे अवश्य बनाया जाए क्योंकि रोड पर काफी भीड़ लगी रहने से बहुत समस्या होती है। इसके अलावा माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूँगा कि जिस प्रकार से आपने एच०पी०एस०सी० के मैंबर बनाए हैं उसी बेसिज पर एस०एस०एस० बोर्ड में भी मैंबर लगाएं जाएं ताकि जिन्हें एक बार लगाया जाए उन्हें आसानी से हटाया न जा सके और योग्य मैंबर लगाए जाएं। यह न हो कि ओम प्रकाश चौटाला जी ने धारूहेड़ा के श्री इन्दर पाल को मैम्बर बनाया जो अनपढ़ आदमी था और वह एम०ए० पास लोगों का इन्टरव्यू ले रहा था।

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 24th May, 1996.

*16.15 hours (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Friday, the 24th May, 1996).

27932—H.V.S.—H.G.P., Chd.

Vidhan Sabha Secretariat * Haryana * Chandigarh LIBRARY